रायपुर। बुधवार, 16 सितम्बर, 2026
भाद्रपद कृष्ण पक्ष षष्ठमी सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 1, अंक : 45/ मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
सिर्फ पत्रकारिता...
छत्तीसगढ़ एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari

@ खेल ‘वह ऐसे ही कामयाबी हासिल करते रहें’...
@ विचार आखिर कृत्रिम बुद्धिमत्ता को लेकर जारी ...
@ व्यापार शेयर बाजार भारी गिरावट, निवेशक बेहाल...

भूपेश का दमदार वार, विजय शर्मा के दावे ध्वस्त

मुद्दा- ‘पीएम आवास योजना, प्रेस क्लब की खुली चर्चा में छिड़ी तीखी बहस’

संवाददाता ■ रायपुर

पीएम आवास योजना को लेकर छत्तीसगढ़ की सियासत एक बार फिर गरमा चुकी है। रायपुर में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और गृहमंत्री विजय शर्मा आमने-सामने नजर आए। रायपुर प्रेस क्लब में पीएम आवास के मुद्दे पर दोनों नेताओं के बीच तीखी बहस हुई। दोनों नेताओं ने अपने-अपने कार्यकाल में स्वीकृत और पूर्ण हुए आवासों के आंकड़े पेश किए।

दरअसल, पीएम आवास के मुद्दे को लेकर डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को खुली बहस की चुनौती दी थी. भूपेश बघेल ने इस चुनौती को स्वीकार किया। इसी के तहत दोनों नेता रायपुर प्रेस क्लब में आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे, जहां पीएम आवास को लेकर दोनों पक्षों ने अपना-अपना पक्ष रखा। मामला केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं रहा, दोनों नेताओं के बीच कई मौकों पर तीखी नोकझोंक भी हुई।

विजय शर्मा का दावा, ‘छत्तीसगढ़ ने देश में सबसे ज्यादा पीएम आवास बनाए’

गृहमंत्री विजय शर्मा ने आंकड़े पेश करते हुए कहा, ‘केंद्र सरकार ने छत्तीसगढ़ में 17 लाख 75 हजार पीएम आवास पूर्ण किए. उन्होंने दावा किया कि भारत सरकार की वेबसाइट पर इसके पूरे आंकड़े उपलब्ध हैं। गृहमंत्री ने कहा कि 2025-26 में छत्तीसगढ़ ने देश में सर्वाधिक पीएम आवास बनाए हैं. गृहमंत्री शर्मा ने पिछली कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि उसके कार्यकाल में वित्तीय स्वीकृति तो हुई, लेकिन आवास पूर्ण नहीं हुए। विजय शर्मा के मुताबिक, कांग्रेस सरकार के पांच साल के कार्यकाल में आवास के लिए करीब 3,900 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति थी और करीब 3 लाख आवास पूर्ण हुए. वहीं भाजपा सरकार ने करीब ढाई साल में 16 हजार करोड़ रुपये खर्च किए।

भूपेश बघेल का पलटवार, ‘हमने करीब 7 लाख आवास स्वीकृत किए’

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भी अपने कार्यकाल के आंकड़े सामने रखे. बघेल ने कहा, ‘‘2018 में 3 लाख 48 हजार 960 घर स्वीकृत हुए थे, जिनमें से 1 लाख 39 हजार मकान पूर्ण हुए. 2020-21 वित्तीय वर्ष में 1 लाख 97 हजार 811 आवास का लक्ष्य था, जिसमें से 1 लाख 22 हजार आवास पूरे किए गए.’’ भूपेश बघेल ने कहा कि कोरोना काल में किसी भी सरकार के पास पर्याप्त पैसा नहीं था. उन्होंने दावा किया कि 2022-23 में पीएम आवास का पोर्टल बंद कर दिया गया था और उनकी सरकार ने केंद्र सरकार से अपना पैसा मांगा था. इसके लिए केंद्र को लगातार पत्राचार भी किया गया. भूपेश बघेल के मुताबिक, 2011 की जनगणना के आधार पर करीब 18 लाख आवास बाकी थे, जिनमें से उनकी सरकार ने 6 लाख 97 हजार आवास स्वीकृत किए गए।

क्लब के बाहर भिड़े भाजपा-कांग्रेस कार्यकर्ता

छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री आवास योजना को लेकर मंगलवार को रायपुर प्रेस क्लब में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और डिप्टी सीएम विजय शर्मा के बीच खुली बहस हुई। प्रधानमंत्री आवास से जुड़े आंकड़ों और सरकार के दावों को लेकर दोनों नेताओं ने अपने-अपने तर्क और आंकड़े सामने रखे।

डिबेट खत्म होने के बाद प्रेस क्लब के बाहर भाजपा और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच विवाद हो गया। देखते ही देखते धक्का-मुक्की और झड़प शुरू हो गई। स्थिति संभालने पहुंची पुलिस के साथ भी कार्यकर्ताओं की झड़प हुई। हंगामे में एक एसआई का बैच और शर्ट का बटन टूटने की बात सामने आई है।

डिबेट के बाद आमने-सामने आए कार्यकर्ता

प्रेस क्लब में प्रधानमंत्री आवास योजना को लेकर हुई बहस के बाद माहौल गरमा गया। दोनों पक्षों के समर्थक प्रेस क्लब के बाहर आमने-सामने आ गए। विवाद बढ़ने पर दोनों तरफ से धक्का-मुक्की और झड़प होने लगी। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों पक्षों के कार्यकर्ताओं को अलग करने की कोशिश की। इसी दौरान पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच भी झड़प की स्थिति बन गई।

विश्व केसरी खबर झरोखा

2,000 रुपए से अधिक के यूपीआई भुगतान पर लगेगा एमडीआर

नई दिल्ली। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने मंगलवार को ऐलान किया कि उसने चुनिंदा यूपीआई लेनदेन के लिए मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) फ्रेमवर्क में बदलाव किया है। इसके तहत, 2,000 रुपए से ज्यादा के कुछ मर्चेंट पेमेंट पर चार्ज लगेगा, जबकि छोटे व्यापारियों और कम वैल्यू वाले ट्रांजैक्शन के लिए जीरो एमडीआर जारी रहेगा।

यह एमडीआर फ्रेमवर्क 15 अक्टूबर, 2026 से लागू होगा, जबकि ग्राहकों के लिए यूपीआई लेनदेन मुफ्त बने रहेंगे। इसमें 2,000 रुपए तक के पेमेंट वाले कम-वैल्यू वाले यूपीआई पर्सन-टू-मर्चेंट (पी2एम) लेनदेन को एमडीआर के दायरे से बाहर रखा गया है।

बांग्लादेश: अवामी लीग के सात और नेताओं को मौत की सजा

ढाका। बांग्लादेश के इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल (आईसीटी)-2 ने मंगलवार को अवामी लीग के महासचिव ओबैदुल कादर समेत पार्टी के सात नेताओं को जुलाई 2024 में हुए बड़े जन-आंदोलन से जुड़े ‘मानवता के खिलाफ अपराधों’ के लिए मौत की सजा सुनाई।

बांग्लादेश के प्रमुख दैनिक ‘ढाका ट्रिब्यून’ की रिपोर्ट के अनुसार, जिन नेताओं को मौत की सजा सुनाई गई है, उनमें बांग्लादेश के सूचना और प्रसारण राज्य मंत्री मोहम्मद अली अराफात, अवामी लीग के संयुक्त महासचिव एएफएम बहाउद्दीन नसीम, छात्र लीग के अध्यक्ष सद्दाम हुसैन; छात्र लीग के महासचिव शेख वली आसिफ इनान, जुबो लीग के अध्यक्ष शेख फजले शम्स पराश और जुबो लीग के महासचिव मैनुल हुसैन खान निखिल शामिल हैं। छात्र लीग, अवामी लीग का छात्र संगठन है और जुबो लीग उसका युवा संगठन है।

पटना में विरोध-प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने बैरिकेड तोड़े, विधानसभा ओवरब्रिज तक पहुंचे

पटना। पटना में छात्रों का प्रदर्शन लगातार जारी है। मंगलवार को पटना की सड़कों पर हजारों छात्र और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले उम्मीदवार उतरे। उन्होंने विभिन्न भर्ती परीक्षाओं से जुड़ी अपनी मांगें रखीं और मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के आवास की ओर मार्च करने की कोशिश की। प्रदर्शनकारियों में 70वीं बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) परीक्षा और सब-इंस्पेक्टर (एसआई) भर्ती के उम्मीदवार शामिल थे। इसके साथ ही बिहार कर्मचारी चयन आयोग (बीएसएससी) जैसी अन्य भर्ती प्रक्रियाओं से जुड़े छात्र भी थे। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस बैरिकेड्स तोड़ दिए और सुरक्षा कर्मियों से बचते हुए।

ओमान के तट पर लापता भारतीय नाविक की तलाश और बचाव अभियान जारी: विदेश मंत्रालय

एजेंसी ■ नई दिल्ली

विदेश मंत्रालय (एमईए) ने मंगलवार को कहा कि ओमान के तट पर रविवार को 14 भारतीयों को ले जा रहे एक कमर्शियल जहाज पर हमले के बाद, लापता भारतीय नाविक की तलाश और बचाव अभियान जारी है।

नई दिल्ली में मीडिया ब्रीफिंग के दौरान, विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, लापता नाविक के बारे में बता दें कि यह हमला ओमान के तट के पास हुआ था। यह पनामा के झंडे वाला जहाज था जिस पर 14 भारतीय नागरिक या नाविक सवार थे। इनमें से 13 को बचा लिया गया है और हम अपने नागरिकों को बचाने के लिए ओमान के अधिकारियों का बहुत-बहुत धन्यवाद करते हैं। एक भारतीय नागरिक लापता है। वह नाविक जहाज पर ही था। ओमान के अधिकारियों की मदद से खोज और बचाव अभियान जारी है। उन्होंने कहा कि ओमान में भारतीय दूतावास स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा है और चल रहे अभियान में ओमान के अधिकारियों के साथ सक्रिय रूप से तालमेल बिठा रहा है।

एमईए के प्रवक्ता ने कहा, हम तनाव को तुरंत कम करने और इलाके में शांति लाने के लिए बातचीत और कूटनीति अपनाने की अपनी अपील दोहराते हैं। इसके साथ ही, मैं यह कहना चाहता हूं कि इस इलाके में कमर्शियल शिपिंग, नाविकों, आम नागरिकों और आम नागरिकों के बुनियादी ढांचे को निशाना बनाना हमें मंजूर नहीं है। हम यह भी अपील करते हैं कि इलाके में अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय जलमार्गों से स्वतंत्र और सुरक्षित आवाजाही और व्यापार का प्रवाह जल्द से जल्द बहाल किया जाए। रविवार को, विदेश मंत्रालय ने ओमान के तट के पास कमर्शियल जहाज एमटी ईआई जीएआइए पर हुए हमले की निंदा की थी। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) की नौसेना ने कहा कि एक सुपर ऑयल टैंकर, जो जलमार्ग के दक्षिण में ‘वर्जित’ रास्ते से होर्मुज जलडमरूमध्य (स्टेट्र ऑफ होर्मुज) को पार करने की कोशिश कर रहा था।

भारत डिफेंस एक्सपोर्टर बनने की दिशा में तेजी से बढ़ रहा आगे : राजनाथ सिंह

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत आज आयातक से रक्षा निर्यातक बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। मंगलवार को यह बात रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कही। उन्होंने बताया कि बीते कुछ वर्षों में स्टार्टअप और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम भारत में नवाचार के नए ध्वजवाहक बनकर उभरे हैं। यही छोटे उद्यम नए विचारों और नई प्रौद्योगिकियों को जन्म देते हैं। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने इनके लिए ऐसा ढांचा तैयार किया है, जिसके माध्यम से स्टार्टअप और एमएसएमई सीधे डीआरडीओ की प्रयोगशालाओं के साथ संवाद कर सकते हैं। डीप टेक व विशिष्ट प्रौद्योगिकियों में काम करने का अवसर प्राप्त कर सकते हैं।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह नई दिल्ली में आयोजित डीआरडीओ-उद्योग समन्वय बैठक ‘विमर्श 2026’ में बोल रहे थे।

यहां उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में एमएसएमई और स्टार्टअप की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। ये उद्यम बड़े रक्षा तंत्रों के घटक व उप-तंत्रों से लेकर अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी तक विकसित कर रहे हैं। अब डीआरडीओ व उद्योगों की साझेदारी केवल उत्पादन तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। रिसर्च, डिजाइन, परीक्षण, प्रमाणन और विनिर्माण की पूरी श्रृंखला में साझेदारी बढ़ानी होगी। बड़े उद्योगों के साथ एमएसएमई व स्टार्टअप को भी रक्षा आपूर्ति श्रृंखला का अभिन्न हिस्सा बनाना होगा।

रक्षा मंत्री ने कहा, ‘आज डीआरडीओ के पास ज्ञान और प्रौद्योगिकी है, इंडस्ट्री के पास विस्तार और विनिर्माण क्षमता है, स्टार्टअप के पास नवाचार और तेजी से काम करने की क्षमता है और हमारे युवाओं के पास नए भारत का सपना है। जब ये चारों शक्तियां एक साथ आएंगी, तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं रह जाएगा।

जब ये चारों शक्तियां एक दिशा में आगे बढ़ेंगी, तो भारत की रक्षा क्षमता को दुनिया की कोई शक्ति रोक नहीं सकती।

आईसीडब्ल्यूए की सिल्वर जुबली पर जयशंकर बोले-भारत अब वैश्विक चुनौतियों पर आत्मविश्वास से रख रहा विचार

एजेंसी ■ मुंबई

नई दिल्ली के मंडी हाउस स्थित विवेक ऑडिटोरियम में मंगलवार को राष्ट्रीय महत्व के संस्थान के तौर पर ‘इंडियन काउंसिल ऑफ वर्ल्ड अफेयर्स’ की सिल्वर जुबली (25वीं वर्षगांठ) का जश्न मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के तौर पर उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर और विदेश सचिव विक्रम मिस्री मौजूद रहे।

इंडियन काउंसिल ऑफ वर्ल्ड अफेयर्स की सिल्वर जुबली कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि आज यहां उपस्थित होकर मुझे बहुत खुशी हो रही है क्योंकि हम इंडियन काउंसिल ऑफ वर्ल्ड अफेयर्स (आईसीडब्ल्यूए) को राष्ट्रीय महत्व की संस्था का दर्जा मिलने के 25 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहे हैं।

इस दौरान जयशंकर ने आईसीडब्ल्यूए के अध्यक्ष के रूप में समारोह में उपरस्थित होने के लिए उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन का आभार व्यक्त किया।

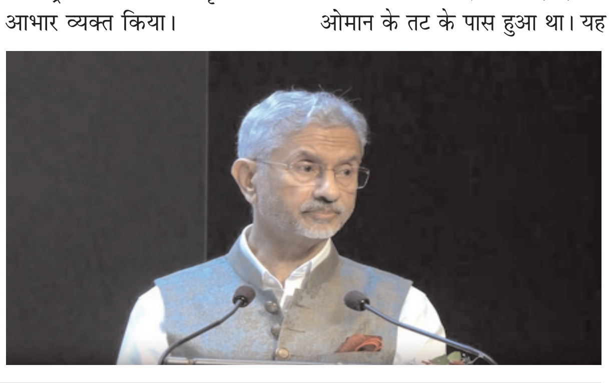

तीर तेवर — सागर कुमार

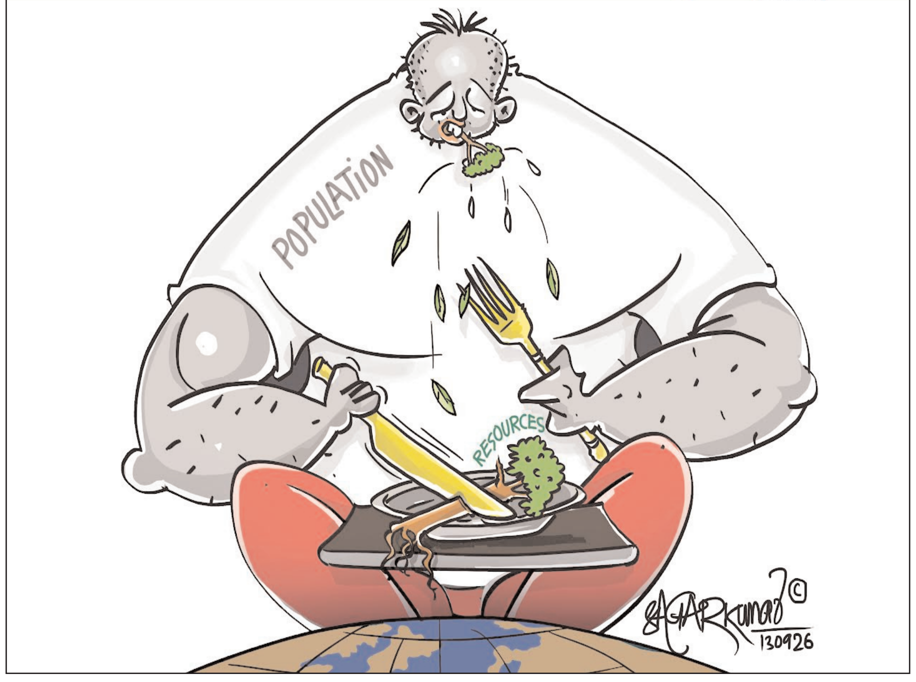

वित्त मंत्री सीतारमण ने जेन जी और जेन अल्फा को दी सलाह, ‘विनम्रता और जिम्मेदारी की मजबूत भावना विकसित करना जरूरी’

एजेंसी ■ चेन्नई

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को कहा कि छात्रों को विनम्रता और जिम्मेदारी की मजबूत भावना विकसित करनी चाहिए। उन्होंने प्रसिद्ध विद्वान सर आइजैक न्यूटन का उदाहरण देते हुए कहा कि न्यूटन ने अपनी सफलता में अन्य विद्वानों के योगदान को स्वीकार किया था।

तमिलनाडु के चेन्नई में एमजीआर विश्वविद्यालय में छात्रों को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि न्यूटन जैसे महान विद्वान ने भी स्वीकार किया था कि अपनी सफलता हासिल करने और खोजें करने के लिए उन्हें कई अन्य विद्वानों की सहायता की आवश्यकता थी।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, न्यूटन जैसे महान विद्वान ने स्वीकार किया था कि अपनी सफलता हासिल करने के लिए उन्हें विभिन्न विद्वानों की सहायता की आवश्यकता थी। उन्होंने कहा था कि इसी सहयोग के माध्यम से वह अपनी विभिन्न खोजें कर पाए। उन्होंने इसे बेहद विनम्रता के साथ व्यक्त किया।

वित्त मंत्री ने कहा, इसलिए छात्रों के लिए विनम्रता और जिम्मेदारी की भावना विकसित करना बेहद महत्वपूर्ण है।

सीतारमण ने कहा कि न्यूटन द्वारा दूसरों के योगदान को स्वीकार करना उनकी गहरी विनम्रता को दर्शाता है और यह बताता है कि किसी व्यक्ति की उपलब्धियों में दूसरों के योगदान को पहचानना कितना महत्वपूर्ण है।

वित्त मंत्री ने छात्रों से इस दृष्टिकोण से प्रेरणा लेने और अपनी शैक्षणिक तथा पेशेवर यात्रा के साथ-साथ विनम्रता विकसित करने का आग्रह किया। उन्होंने जोर दिया कि व्यक्तिगत और पेशेवर विकास में जिम्मेदारी की भावना भी एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनी रहनी चाहिए।

वित्त मंत्री ने कहा, न्यूटन जैसे प्रतिष्ठित विद्वान ने अपने भाषण में कहा था कि उन्हें अपनी सफलता के लिए विभिन्न विद्वानों की मदद की जरूरत पड़ी।

इसके माध्यम से उन्होंने बताया कि वह विभिन्न खोजें करने में सक्षम हुए। उन्होंने इसे बेहद विनम्रता के साथ व्यक्त किया।

सीतारमण ने स्नातक छात्रों से अपनी पेशेवर यात्रा शुरू करते हुए नेतृत्व की जिम्मेदारियां संभालने और राष्ट्रहित को प्राथमिकता देने का आग्रह किया। वित्त मंत्री ने कहा कि देश की सुरक्षा और मजबूती उसके नागरिकों के स्थिर भविष्य को सुनिश्चित करने के लिए बुनियादी आधार हैं।

सीतारमण ने स्नातकों से उत्कृष्टता हासिल करने और तेजी से हो रहे तकनीकी बदलावों के अनुकूल खुद को ढालने के साथ-साथ विनम्र बने रहने की भी अपील की।

पंजाब से सीखकर अपने राज्यों में भी नशा खत्म करे भाजपाः अरविंद केजरीवाल

विश्व केसरी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने देश में नशे के बढ़ते कारोबार को लेकर भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा है। उन्होंने भाजपा से पंजाब सरकार से सीख लेकर अपने शासित राज्यों में भी नशे के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने की अपील की।

अरविंद केजरीवाल ने दावा किया कि पंजाब में अब पाकिस्तान की बजाय भाजपा शासित राज्यों से बड़ी मात्रा में नशे की सप्लाई पहुंच रही है। केजरीवाल के मुताबिक, वर्ष 2022 में जब पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार बनी थी, उस समय करीब 80 फीसदी ड्रग्स पाकिस्तान से आने का दावा किया जाता था। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार ने एंटी-ड्रोन सिस्टम समेत कई कदम उठाकर सीमा पार से आने वाली ड्रग्स की सप्लाई पर काफी हद तक नियंत्रण किया है।

उनके अनुसार, अब पाकिस्तान से आने वाली ड्रग्स का हिस्सा घटकर करीब 20 फीसदी रह गया है, जबकि लगभग 80 फीसदी नशा गुजरात, राजस्थान, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और दिल्ली जैसे भाजपा शासित या भाजपा के प्रभाव वाले राज्यों से पंजाब पहुंच रहा है। केजरीवाल ने विशेष रूप से गुजरात के मुंद्रा पोर्ट का जिक्र करते हुए केंद्र सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि भारत में आने वाले नशे को रोकने की जिम्मेदारी केंद्र सरकार की है।

उनका आरोप है कि गुजरात के मुंद्रा पोर्ट के रास्ते देश में नशे की खेप पहुंच रही है और इसे रोकने में केंद्र सरकार नाकाम रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि केंद्र सरकार नशे की तस्करी रोकने में सक्षम है तो इस दिशा में प्रभावी कार्रवाई क्यों नहीं हो रही है। आप संयोजक ने कहा कि गुजरात में भाजपा करीब 30 वर्षों से सत्ता में है, इसके बावजूद वहां नशे के कारोबार पर पूरी तरह रोक नहीं लग पाई है। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि या तो सरकार नशे के कारोबार को रोकने में नाकाम है या फिर उसे रोकना नहीं चाहती। उन्होंने भाजपा से पंजाब में नशे के खिलाफ यात्रा निकालने के बजाय अपने राज्यों में कार्रवाई करने की नसीहत दी।

केजरीवाल ने कहा कि पंजाब सरकार ने नशे के खिलाफ जो कदम उठाए हैं, उनसे भाजपा को सीख लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हर मुद्दे को राजनीतिक रंग देने के बजाय देश में नशे की समस्या को खत्म करने के लिए सभी सरकारों को मिलकर काम करना चाहिए। उनका कहना था कि यदि पंजाब में नशे की सप्लाई को नियंत्रित किया जा सकता है तो भाजपा शासित राज्यों में भी इस दिशा में ठोस कदम उठाए जाने चाहिए।

वहीं, आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनुराग ढांडा ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भाजपा पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि पंजाब में 80 फीसदी ड्रग्स भाजपा शासित राज्यों से आने का दावा किया जा रहा है। उन्होंने सवाल किया कि यदि इन राज्यों से नशे की सप्लाई पंजाब पहुंच रही है तो इसे रोका क्यों नहीं जा रहा है। ढांडा ने आगे सवाल उठाया कि क्या भाजपा ड्रग्स तस्करों के साथ मिलकर देशभर में नशे को बढ़ावा देना चाहती है।

केरलम में बिजली कटौती पर घमासान सतीशन सरकार विपक्ष के निशाने पर

विश्व केसरी

तिरुवनंतपुरम। केरल में बिजली का संकट वीडी सतीशन सरकार के लिए पहली बड़ी राजनीतिक और प्रशासनिक चुनौती बन गया है। लगातार हो रही बिजली कटौती को लेकर वामपंथी विपक्ष ने सरकार पर हमला तेज कर दिया है और मौजूदा स्थिति की तुलना पिछले एक दशक से कर रहा है, जब केरल में निर्धारित बिजली कटौती से आमतौर पर लोगों को जूझना नहीं पड़ता था।

बिजली मंत्री सनी जोसेफ ने मंगलवार को माना कि एनटीपीसी से करीब 30 रुपए प्रति यूनिट की दर से बिजली खरीदने पर अभी तक कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है। इससे हालात को लेकर अनिश्चितता और बढ़ गई है।

मंत्री ने कहा कि इतनी महंगी बिजली खरीदने से राज्य पर भारी आर्थिक बोझ पड़ेगा और इसके लिए कैबिनेट की मंजूरी लेनी होगी। उन्होंने यह भी नहीं बताया कि मौजूदा बिजली कटौती कब तक चलेगी। उन्होंने सिर्फ इतना कहा कि सरकार संकट को जल्द से जल्द सुलझाने के लिए हरसंभव कोशिश कर रही है। सीपीआई(एम) के नेतृत्व वाला वाम मोर्चा इस कमी को नई सरकार की नाकामी के तौर पर पेश कर रहा है। उनका कहना है कि पिनाराई विजयन सरकार के 10 साल के कार्यकाल में रोजाना होने वाली बिजली कटौती लगभग गायब हो गई थी। मौजूदा सरकार के लिए सबसे बड़ी राजनीतिक चुनौती यह है कि अब बिजली की उपलब्धता के आंकड़ों से ज्यादा आम लोग सीधे तौर पर इस कमी का असर झेल रहे हैं। बिजली क्षेत्र के जानकारों का मानना है कि इस संकट को सिर्फ कम समय में बिजली खरीदने में नाकामी के तौर पर नहीं देखना चाहिए। इंजीनियरिंग फिजिसिस्ट और बिजली क्षेत्र के विशेषज्ञ केएस मनोज ने कहा कि इस कमी ने केरल की बिजली व्यवस्था की गहरी कमजोरी को सामने ला दिया है। इसमें बाहरी बिजली पर निर्भरता, खरीद की लागत में उतार-चढ़ाव और मजबूत लंबी अवधि की योजना का न होना शामिल है।

केएस मनोज ने कहा, 'फिलहाल सवाल सिस्टम को चालू रखने की लागत का है। अगर 300 मेगावाट बिजली लगातार 30 रुपए प्रति यूनिट की दर से खरीदी जाती है तो सिर्फ बिजली का बिल ही एक दिन में करीब 2.16 करोड़ रुपए और 30 दिनों में लगभग 65 करोड़ रुपए बैठेगा।

संक्षिप्त खबरें

तेलंगानाः केसीआर फार्महाउस के पास सड़कों के 'शुद्धिकरण' मामले में 7 गिरफ्तार

विश्व केसरी

हैदराबाद। तेलंगाना पुलिस ने सिद्धिपेट जिले के एर्राvalli में बीआरएस प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के फार्महाउस के पास सड़कों के 'शुद्धिकरण' मामले में सात लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि कथित शुद्धिकरण कार्यक्रम के आयोजन के पीछे क्या उद्देश्य था और इसमें किन-किन लोगों की भूमिका रही। पूर्व सरपंच और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के छह नेताओं को सोमवार को पड़ोसी राज्य आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा स्थित एक लॉज से पकड़ा गया। आरोपियों को गजवेल लाकर मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया, जहां से उन्हें 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। इसके बाद उन्हें सिद्धिपेट जेल स्थानांतरित कर दिया गया। आरोप है कि इन लोगों ने 9 सितंबर को हल्दी मिले पानी का उपयोग कर सड़कों का 'शुद्धिकरण' किया था। यह 'शुद्धिकरण' उस घटना के एक दिन बाद किया गया, जब कांग्रेस कार्यकर्ताओं और दलित संगठनों ने इलाके में 'चावु-डप्पु' (अंत्येष्टि के दौरान बजाए जाने वाले ढोल) के साथ विरोध प्रदर्शन किया था।

दिल्ली सरकार के 10 हजार विद्यार्थियों के लिए हॉस्टल निर्माण का फैसला स्वागतयोग्यः अभाविप

विश्व केसरी

नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) दिल्ली सरकार द्वारा 10 हजार विद्यार्थियों की क्षमता वाले हॉस्टल के निर्माण के निर्णय का स्वागत करती है। दिल्ली देशभर के विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा का प्रमुख केंद्र है, ऐसे में विद्यार्थियों को सुरक्षित, सुलभ और किफायती आवास उपलब्ध कराना लंबे समय से एक महत्वपूर्ण आवश्यकता रही है। अभाविप लगातार दिल्ली में पीजी एवं छात्रावासों की संख्या बढ़ाने तथा विद्यार्थियों को बेहतर आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग उठाती रही है। सत्य निकेतन की घटना के बाद दिल्ली में विद्यार्थियों के आवास की सुरक्षा व्यवस्था और निर्धारित सुरक्षा मानकों के प्रभावी अनुपालन को लेकर गंभीर चिंताएं सामने आई थीं। ऐसे में नए हॉस्टल के निर्माण के साथ अग्नि सुरक्षा, आपातकालीन निकासी, पर्याप्त वेंटिलेशन, स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था और विद्यार्थियों की सुरक्षा से जुड़े सभी आवश्यक मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है।

काकोपाथर में उल्फा (आई) के संदिग्ध ओवर ग्राउंड वर्कर और हथियार तस्कर गिरफ्तार

विश्व केसरी

तिनसुकिया। 20 असम राइफल्स, 7 फील्ड रेजिमेंट और असम पुलिस की संयुक्त टीम ने 15 सितंबर की सुबह तिनसुकिया के काकोपाथर में उल्फा(आई) के एक संदिग्ध ओवर ग्राउंड वर्कर और कथित हथियार तस्कर को गिरफ्तार किया।

खुफिया सूचना के आधार पर, सुरक्षा बलों ने कथा बस्ती में तलाशी अभियान चलाया और नागालैंड के मोन जिले के निवासी 52 वर्षीय मोहम्मद सलाउद्दीन को गिरफ्तार किया।

उसके पास से 7.65 मिमी की पिस्तौल, एक मैगजीन, चार जिंदा कारतूस, एक खंजर, दो मोबाइल फोन और नकदी बरामद की गई। प्रारंभिक पूछताछ के अनुसार, वह जबरन वसूली और अवैध हथियार तस्करी में शामिल था। आरोपी और बरामद सामान को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए काकोपाथर पुलिस स्टेशन को सौंप दिया गया है। जांच जारी है। इससे पहले 8 अगस्त को प्रतिबंधित यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (इंडिपेंडेंट) के चार कट्टर कैडरों ने अरुणाचल प्रदेश के लोंगडिंग जिले में असम राइफल्स के सामने सरेंडर कर दिया और अपने हथियार व गोला-बारूद जमा कर दिए। रक्षा विभाग के एक प्रवक्ता ने बताया कि लोंगडिंग जिले में चुपखाओ ट्रैक पर खुफिया जानकारी के आधार पर चलाए गए एक सुनियोजित ऑपरेशन के दौरान उल्फा-इ के चार कैडरों ने सरेंडर किया।

यह ऑपरेशन सुरक्षा बलों द्वारा लगातार खुफिया जानकारी जुटाने, निरंतर निगरानी रखने, सटीक ऑपरेशनल प्लानिंग और लगातार सक्रिय रहने के बाद चलाया गया।

सपा सांसदों ने महंगाई पर कसा तंज कहा- 'जनता परेशान, नहीं मिल रहे रोजमर्रा के सामान'

विश्व केसरी

अयोध्या। समाजवादी पार्टी (सपा) के सांसद अवधेश प्रसाद ने देश की अर्थव्यवस्था और बढ़ती महंगाई को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि देश की अर्थव्यवस्था पूरी तरह से तहस-नहस हो गई है और महंगाई पर सरकार का नियंत्रण नहीं रह गया है।

सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि महंगाई लगातार बढ़ रही है, जिसके कारण आम लोगों को रोजमर्रा की जरूरतों का सामान जुटाने में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। सपा सांसद ने कहा कि आम आदमी के लिए खाने-पीने की बुनियादी चीजें खरीदना भी चुनौती बनता जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार महंगाई को नियंत्रित करने में पूरी तरह विफल रही है। उनके मुताबिक, बढ़ती कीमतों का सीधा असर आम लोगों के सामान्य जीवन पर पड़ रहा है और परिवारों के लिए रोजमर्रा के खर्चों को संभालना मुश्किल होता जा रहा है।

वहीं, पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव के लोहिया ट्रस्ट का चेयरमैन बनने को लेकर पूछे गए सवाल पर अवधेश प्रसाद ने इसे पार्टी अध्यक्ष का निर्णय बताया। उन्होंने कहा कि पार्टी अध्यक्ष का फैसला सर्वोपरि है और इस मामले में किसी तरह का विवाद नहीं है। उनके इस बयान को पार्टी नेतृत्व के फैसले के समर्थन के तौर पर देखा जा रहा है। इस बीच, उत्तर प्रदेश में मदरसों को गिराए जाने के मुद्दे पर समाजवादी पार्टी के सांसद सनातन पांडे ने भी सरकार पर सवाल उठाए हैं।

मनोज झा ने यूसीसी को बताया 'डॉग व्हिसल पॉलिटिक्स', सरकार पर साधा निशाना

विश्व केसरी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के सांसद मनोज झा ने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि यूसीसी उनके लिए संविधान के अनुच्छेद 44 के तहत कोई संवैधानिक प्रावधान नहीं, बल्कि राजनीति का हिस्सा बन गया है।

मनोज झा ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, 'मैं लगातार इस पर लिख और बोल रहा हूं, लेकिन मुझे पता है कि यूसीसी इनके लिए कॉन्स्टिट्यूशनल प्रोविजन अंडर आर्टिकल 44 नहीं हुई है, बल्कि डॉग व्हिसल पॉलिटिक्स का हिस्सा है। बच्चे रोजगार मांगें तो यूसीसी ले लो, बच्चे ईमानदार परीक्षा व्यवस्था मांगें तो गृहमंत्री कहें कि यूसीसी ले लो। दरअसल डॉग व्हिसल पॉलिटिक्स वह राजनीतिक भाषा है, जिसमें छिपे हुए संकेतों के जरिए किसी खास समूह तक संदेश पहुंचाया जाता है, जबकि सतही तौर पर वह संदेश सामान्य और स्वीकार्य दिखाई देता है। राजद के सांसद ने गृह मंत्री को आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के एक बयान की याद दिलाई। मनोज झा ने कहा, 'मैं याद कराना चाहूंगा गृहमंत्री को, शायद आर्काइव में चला गया होगा। अभी मोहन भागवत ने विदेश में कहा था कि यूनिटी के लिए यूनिफॉर्मिटी आवश्यक नहीं है। यह किसके लिए कहा था? विदेश की धरती पर बड़ा हृदय दिखाने के लिए या अपने लोगों को कंट्रोल नहीं कर पा रहे हैं। मेरी चिंता वहां है और कहीं नहीं।'

एलएसी पर चीन द्वारा सैनिकों की संख्या कम करने की खबरों पर पूछे गए सवाल पर मनोज झा ने कहा कि उन्होंने ऐसी कोई रिपोर्ट नहीं देखी है।

सिक्किम के ग्यालशिंग में भारी बारिश के कारण भूस्खलन, 128 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाना पड़ा

विश्व केसरी

गंगटोक। सिक्किम के ग्यालशिंग जिले के सिंगलिटम और रिम्बी में भारी बारिश के कारण जमीन खिसकने (लैंडस्लाइड) की घटनाएं बढ़ गई हैं। एहतियात के तौर पर, अधिकारियों को रिम्बी में जोखिम वाली जगहों से 28 घरों में रह रहे 128 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाना पड़ा है।

सिक्किम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने बताया कि 12 सितंबर से भूस्खलन की घटनाएं हो रही हैं, जिनसे रिहायशी इलाकों और सार्वजनिक बुनियादी ढांचे पर असर पड़ा है। ज़िला प्रशासन और संबंधित विभाग चौबीसों घंटे निगरानी कर रहे हैं और साथ ही राहत, बहाली और सुरक्षा के काम भी कर रहे हैं।

सिंगलिटम में भूस्खलन से सीधे तौर पर प्रभावित सात परिवारों को सिंगलिटम वार्ड के राहत केंद्र में भेजा गया है। इस शेल्टर में अभी 33 से ज़्यादा लोग रह रहे हैं, जिनमें बच्चे और बुज़ुर्ग भी शामिल हैं। प्रशासन उन्हें खाना और दूसरी जरूरी चीजें मुहैया करा रहा है।

रिम्बी के चार घरों में रहने वाले 18 लोगों को पहले ही जोखिम वाली जगहों से हटाकर रिश्तेदारों के घरों में भेज दिया गया था। 14 सितंबर को भारी बारिश और बाढ़ के बाद, अधिकारियों ने लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाने का काम बढ़ाया और 28 घरों के 128 निवासियों को रिम्बी ग्राम पंचायत केंद्र में भेज दिया।

कांग्रेस पार्टी के लिए सक्रिय रूप से काम कर रही है तेलंगाना पुलिस : केटीआर

विश्व केसरी

हैदराबाद। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव (केटीआर) ने मंगलवार को आरोप लगाया कि तेलंगाना में पुलिस विभाग कांग्रेस पार्टी के लिए पार्टी के कार्यकर्ताओं से भी ज्यादा सक्रियता से काम कर रहा है।

उन्होंने सोमवार को हैदराबाद में पुलिस स्टेशन के अंदर बीआरएस के जनसंपर्क अधिकारी (पीआरओ) महेश मुदिराज और निजी सहायक (पीए) महेंद्र रेड्डी पर हुए हमले की निंदा की।

दिल्ली में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी हताशा में आकर ऐसे हमले करवा रही है। उन्होंने कहा, 'सरकार हताशा और निराशा की स्थिति में है। इसलिए वह हर दिन लोगों का ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है। पिछले 1,000 दिनों से हम जो सवाल उठा रहे हैं, उनका जवाब देने में नाकाम रहने के कारण सरकार ऐसे हमलों का सहारा ले रही है।

बीआरएस नेता ने कहा कि इससे पहले केसीआर के घर पर हमला किया गया था। वह एक वरिष्ठ नेता हैं, जिन्हें तेलंगाना की जनता ने दो बार मुख्यमंत्री चुना और जिन्होंने तेलंगाना राज्य के गठन के लिए लगातार संघर्ष किया।

उन्होंने कहा, 'एक ऐसे नेता के घर पर हमला किया गया जिन्होंने अपनी जान की परवाह किए बिना तेलंगाना के लिए लड़ाई लड़ी। जब हम हमले को रोकने के लिए वहां गए, तो हमें पुलिस स्टेशन के अंदर ही हिरासत में ले लिया गया और हम पर भी हमला करने की कोशिश की गई।

उन्होंने दावा किया कि सोमवार को सरकार ने फिर से पुलिस स्टेशन के अंदर ही लगभग 15 लोगों का इस्तेमाल करके उनके पीआरओ और पीए पर हमला करने की कोशिश की। उन्होंने कहा, 'पुलिस स्टेशन के अंदर हमला करने की कोशिश करने वाले लोग कौन थे-गुंडे या पुलिस? यह पता लगाया जाना चाहिए कि सादे कपड़ों में आकर उन पर हमला करने वाले लोग कौन थे।

वायुसेना अधिकारियों का सेमिनार जवानों व परिवारों के कल्याण पर फोकस

विश्व केसरी

नई दिल्ली। पश्चिमी वायु कमान ने अपने वायुसेना स्टेशनों पर कामकाज के माहौल को और बेहतर बनाने की दिशा में एक अहम पहल की है। इसके तहत 14 सितंबर को मुख्यालय पश्चिमी वायु कमान में स्टेशन मास्टर वारंट अधिकारियों यानी एमडब्ल्यूओ का सेमिनार आयोजित किया गया। सेमिनार में अलग-अलग स्टेशनों के अनुभवों को साझा करने और बेहतर कार्यप्रणालियों से सीखने के लिए साझा मंच उपलब्ध कराया गया।

अधिकारियों ने अपने अनुभव और विचार सामने रखे। साथ ही, मौजूदा कामकाज में सुधार की संभावनाओं पर भी विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। चर्चा का खास जोर वायु योद्धाओं और उनके परिवारों के कल्याण से जुड़े मुद्दों पर रहा। बेहतर कार्य वातावरण तैयार करने, सामने आने वाली सामान्य चुनौतियों का समाधान तलाशने और कल्याणकारी पहलों को मजबूत करने के उपायों पर मंथन किया गया। इसके पीछे उद्देश्य ऐसा सकारात्मक माहौल तैयार करना है, जिससे वायुसेना स्टेशनों पर काम करने वाले कर्मियों को बेहतर वातावरण मिल सके। इसकी कार्यक्रम की अध्यक्षता पश्चिमी वायु कमान के एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ एयर मार्शल जॉर्ज थॉमस ने की। पश्चिमी वायु कमान के अलग-अलग क्षेत्रों में तैनात स्टेशन एमडब्ल्यूओ ने इसमें हिस्सा लिया। सेमिनार में वायुसेना स्टेशनों से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई।

इस दौरान उन क्षेत्रों पर भी चर्चा की गई, जहां आगे सुधार की जरूरत है। कामकाज के माहौल को बेहतर बनाने, रोजमर्रा की चुनौतियों को दूर करने और कर्मचारियों के लिए कल्याणकारी पहलों को मजबूत करने पर विचार किया गया।

रक्षा विशेषज्ञों के अनुसार प्रभावी संवाद, बेहतर पेशेवर रवैये और कल्याण-केंद्रित कार्य संस्कृति को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने वायुसेना स्टेशनों पर सकारात्मक और अनुकूल वातावरण बनाने की जरूरत एक महत्वपूर्ण पहल बताया। वहीं, सेमिनार के माध्यम से वायु कमान ने कर्मियों के कल्याण, लगातार सुधार और पेशेवर उत्कृष्टता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई गई।

बता दें कि भारतीय वायुसेना ने एक अन्य पहल के तहत ड्रोन व मानवरहित हवाई प्रणालियों की नई क्षमताओं को परखने के लिए ड्रोनाथॉन-2026 की शुरुआत की है।

देश-दुनिया के गोल्फ मानचित्र पर नई पहचान बना रहा छग : सीएम साय

विश्व केसरी

रायपुर (संवाददाता)। छत्तीसगढ़ तेजी से देश के उभरते स्पोर्ट्स डेस्टिनेशन के रूप में अपनी पहचान बना रहा है। प्रदेश में खेल अधोसंरचनाओं के विस्तार, प्रतिभाओं को बेहतर प्रशिक्षण और अवसर उपलब्ध कराने तथा राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित खेल आयोजनों की मेजबानी से छत्तीसगढ़ की खेल संस्कृति को नई ऊर्जा मिली है। अब प्रोफेशनल गोल्फ के बड़े टूर्नामेंट का नवा रायपुर में आयोजन इस यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज नवा रायपुर स्थित फेयरवे गोल्फ एंड कंट्री क्लब रिजॉर्ट में प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित 'डीपी वर्ल्ड नवा रायपुर ओपन 2026' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने विश्वास व्यक्त किया कि 'डीपी वर्ल्ड नवा रायपुर ओपन 2026' आने वाले वर्षों में छत्तीसगढ़ की नई पहचान बनेगा और नवा रायपुर को देश-दुनिया के प्रमुख गोल्फ डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मुख्यमंत्री साय ने प्रतियोगिता की आकर्षक ट्रॉफी का अनावरण किया तथा देश-विदेश से आए प्रोफेशनल गोल्फ खिलाड़ियों का छत्तीसगढ़ की धरती पर आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर 1983 क्रिकेट विश्वकप विजेता भारतीय टीम के कप्तान एवं प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया के अध्यक्ष कपिल देव की विशेष उपस्थिति ने आयोजन की गरिमा को और बढ़ाया।

132 प्रोफेशनल खिलाड़ियों की भागीदारी छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का अवसर

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि यह प्रदेश के लिए प्रसन्नता और गौरव का विषय है कि नवा रायपुर में देश के प्रोफेशनल गोल्फ का इतना प्रतिष्ठित आयोजन हो रहा है। प्रतियोगिता में देश-विदेश के 132 प्रोफेशनल खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं, जिनमें 18 विदेशी खिलाड़ी भी शामिल हैं। इतने बड़े स्तर पर देश और दुनिया के श्रेष्ठ गोल्फ खिलाड़ियों का छत्तीसगढ़ आना प्रदेश में खेलों के लिए विकसित हो रहे अनुकूल वातावरण का परिचायक है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों का प्रभाव केवल खेल मैदान तक सीमित नहीं रहता।

महाप्रबंधक तरुण प्रकाश ने रायपुर स्टेशन पुनर्विकास कार्यों का किया निरीक्षण

विश्व केसरी

रायपुर (संवाददाता)। तरुण प्रकाश, महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने रायपुर स्टेशन का निरीक्षण कर स्टेशन पर चल रहे मेजर स्टेशन रिडेवलपमेंट एवं पुनर्विकास कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक तरुण प्रकाश ने रायपुर स्टेशन पर चल रहे विभिन्न विकास एवं पुनर्विकास कार्यों का विस्तृत अवलोकन किया तथा संबंधित अधिकारियों से कार्यों की वर्तमान प्रगति, निर्धारित समय-सीमा एवं आगामी कार्ययोजना की जानकारी ली। उन्होंने स्टेशन पुनर्विकास से संबंधित ले-आउट प्लान का अवलोकन करते हुए वास्तविक स्थिति से परखा एवं अधिकारियों को सभी कार्यों को निर्धारित मानकों एवं उच्च गुणवत्ता के साथ समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

इस अवसर पर महाप्रबंधक ने कहा कि स्टेशन पुनर्विकास कार्यों के दौरान यात्रियों की सुविधा, संरक्षा एवं सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। निर्माण कार्यों के कारण यात्रियों को कम से कम असुविधा हो, इसके लिए आवश्यक वैकल्पिक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने तथा कार्यस्थल पर उचित संरक्षा मानकों का पालन करने के निर्देश भी दिए। महाप्रबंधक ने रायपुर स्टेशन के विभिन्न प्लेटफार्मों, फुट ओवर ब्रिज सहित अन्य महत्वपूर्ण यात्री क्षेत्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने स्टेशन पर उपलब्ध यात्री सुविधाओं की स्थिति का जायजा लेते हुए स्वच्छता, बेहतर यात्री आवागमन तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं को और बेहतर बनाने पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को यात्रियों को संरक्षित, सुगम एवं सुविधाजनक यात्रा अनुभव उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास करने के निर्देश दिए। महाप्रबंधक ने स्टेशन पर मुख्य प्रवेश द्वार गेट नंबर 02 पर निर्माणाधीन कार्य के लिए घेराबंदी से लेकर स्टेशन के गुढ़ियारी छोर पर चल रहे प्रगतिशील कार्यों का अवलोकन करते हुए निर्माण की गुणवत्ता एवं कार्य की गति पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। रायपुर स्टेशन का पुनर्विकास कार्य यात्रियों को आधुनिक एवं बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। पुनर्विकास के उपरांत स्टेशन पर यात्रियों के लिए आधुनिक सुविधाओं के साथ बेहतर आवागमन व्यवस्था, सुविधाजनक प्रवेश एवं निकास तथा अधिक सुव्यवस्थित यात्री सुविधाएं उपलब्ध होंगी। महाप्रबंधक तरुण प्रकाश ने अधिकारियों को स्टेशन पुनर्विकास के सभी कार्यों में आपसी समन्वय बनाए रखते हुए गुणवत्ता, समयबद्धता एवं संरक्षा के निर्धारित मानकों का पूर्णतः पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

क्रेडाई प्रॉपर्टी एक्सपो: सपनों का घर बुक करें और पाएं रजिस्ट्री-स्टाम्प ड्यूटी पर सीधे 50% की बंपर छूट

विश्व केसरी

रायपुर (संवाददाता)। बड़ी छूट का बड़ा फायदा उठाने बेताब हैं प्रापर्टी बायर्स। राजधानी रायपुर ही नहीं, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ के लोगों में 'क्रेडाई प्रॉपर्टी एक्सपो' को लेकर भारी उत्साह है। इसका मुख्य कारण यह है कि एक ही प्लेटफॉर्म पर समूचे राज्य की प्रॉपर्टी से जुड़ी संपूर्ण जानकारी मिल जाएगी। इसके साथ ही, अब लोगों के अपने शहर के बिल्डर्स भी इस एक्सपो में हिस्सा ले रहे हैं।

चूंकि 18 से 20 सितंबर तक रायपुर के इंडोर स्टेडियम में क्रेडाई प्रॉपर्टी एक्सपो का आयोजन होना है और अब केवल दो दिन ही शेष बचे हैं, इसलिए तैयारियां भी लगभग पूरी हो चुकी हैं और उन्हें अंतिम रूप (फाइनल टच) दिया जा रहा है। एक्सपो अवधि के तीन दिनों के दौरान बुकिंग करने पर रजिस्ट्री और स्टाम्प ड्यूटी में 50 फीसदी छूट की बड़ी सौगात पहली बार दी जा रही है। इस ऑफर की जानकारी मिलने के बाद बिल्डर्स के पास प्रॉपर्टी बायर्स की जैसी इन्क्वायरी आ रही है, उससे लगता है कि यह एक्सपो भी इतिहास रचेगा और इस फेस्टिव सीजन प्रॉपर्टी सेक्टर में बूम लेकर आएगा। क्रेडाई प्रॉपर्टी एक्सपो के

CREDAI CHHATTISGARH PROPERTY EXPO 26

संदर्भ में क्रेडाई छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष पंकज लाहोटी, चेयरमैन मृणाल गोलछा, सचिव अभिषेक बच्छावत, आईपीपी संजय रहेजा, कोषाध्यक्ष आयुष मोदी, प्रोग्राम चेयरमैन अशोक मूंदड़ा और प्रतीक केवलानी ने बताया कि क्रेडाई से संबद्ध 50 बिल्डर्स 250 से भी अधिक प्रोजेक्ट्स लेकर इसमें शामिल हो रहे हैं। ग्राहकों को कई नए प्रोजेक्ट्स से भी रूबरू होने का अवसर मिलेगा। आप जिस बजट और लोकेशन में प्रॉपर्टी चाहेंगे, वह आपको यहां मिलेगी। बिल्डर्स ने अपने स्टॉल पर हर छोटी-बड़ी जानकारी देने की पूरी तैयारी कर ली है।

उन्होंने कहा, 'कस्टमर्स के आर्थिक नजरिए को ध्यान में रखते हुए हम पहली बार उन्हें एक बड़ी बचत देने जा रहे हैं, जिससे उनकी खरीदारी आसान हो जाएगी। इसी उद्देश्य से इस बार एक्सपो में बुकिंग करने पर रजिस्ट्री व स्टाम्प ड्यूटी में 50 फीसदी की छूट दी जाएगी, जिसे बिल्डर्स अपनी ओर से वहन करेंगे। वहीं, सरकारी योजनाओं के तहत मिलने वाले लाभ भी उन्हें यथावत मिलते रहेंगे।' एक्सपो में बेस्ट प्रोजेक्ट, बेस्ट लोकेशन, अफोर्डेबल बजट और फाइनेंस की सुविधाओं को इतने आसान ढंग से पेश किया जा रहा है कि अपने घर का सपना लेकर आने वाले किसी भी व्यक्ति को निराश नहीं होना पड़ेगा।

उन्होंने यह भी बताया कि यह क्रेडाई प्रॉपर्टी एक्सपो का सातवां एडिशन है। इसमें केवल नए ग्राहक ही नहीं, बल्कि पुराने कस्टमर्स भी नई प्रॉपर्टी की खरीदारी करते हैं, इसलिए नए प्रोजेक्ट्स पर ज्यादा फोकस किया जाएगा।

एक्सपो में लोग प्रॉपर्टी लेना इसलिए भी पसंद करते हैं क्योंकि यहां उनके पास चयन करने के अनेक विकल्प होते हैं। प्रॉपर्टी खरीदने के लिए यह बहुत ही अनुकूल समय है, क्योंकि इस एक्सपो में फ्लैट, बंगला, मकान, विला, प्लॉट और कमर्शियल स्पेस के लिए 250 से ज़्यादा प्रोजेक्ट्स ग्राहकों के सामने होंगे। इनमें सामान्य, मध्यम और हाई-बजट वाले सभी प्रकार के प्रोजेक्ट्स शामिल किए गए हैं।

व्यास एकेडमी ने शिक्षक दिवस कार्यक्रम धूमधाम से मनाया, उत्कृष्ट शिक्षक हुए सम्मानित

विश्व केसरी

रायपुर (संवाददाता)। व्यास एकेडमी कोचिंग इंस्टीट्यूट श्याम नगर का टीचर्स डे का कार्यक्रम बहुत ही धूमधाम से प्रेस क्लब मोतीबाग में सम्पन्न हुआ जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जितेंद्र नियाल उपस्थित होकर कोचिंग के समस्त शिक्षकों, छात्र छात्राओं को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। अपने उदबोधन में उन्होंने सभी विद्यार्थियों से अपील किया कि वे सभी अपनी पढ़ाई पर विशेष ध्यान देते हुए अपने भविष्य को उज्जवल बनाने के लिए कड़ी मेहनत करें। वर्तमान में टेक्नोलॉजी जिस प्रकार से तेजी से तरक्की कर रही है।

इस प्रकार वह भी उन्हें टेक्नोलॉजी को सीखे क्योंकि वर्तमान में ढ्ढ का जमाना है। निरंतर अपने को हमेशा अपग्रेड करते रहे। टीचर्स डे की कार्यक्रम की पूरी तैयारी सभी छात्र-छात्राओं ने बहुत ही मेहनत से उसकी तैयारी की और इस कार्यक्रम को सफल बनाया। व्यास अकादमी के फाउंडर वेद प्रकाश यादव एवं अनिल बारले जी के साथ-साथ को फाउंडर आदर्श शुक्ला किशन सिंह हिमांशी बघेल मेनका मोनिका अनामिका सिंग बैस के अलावा विजय साहू जी, एवं कोचिंग के कई छात्र-छात्रा है इस कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिए और अपनी रंगारंग प्रस्तुति दी और शिक्षक दिवस के इस कार्यक्रमको यादगार बना दिया गया।

गरियाबंद में गूंजा तीजा तिहार का उल्लास, मायके पहुंचीं बेटियां

विश्व केसरी

गरियाबंद (हेमंत तीरपुड़े)। छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति, परंपरा और पारिवारिक भावनाओं से गहराई से जुड़ा तीजा तिहार गरियाबंद जिले में श्रद्धा, आस्था और उल्लास के साथ मनाया गया। तीजा पर्व को लेकर गांवों से लेकर शहर तक घर-आंगन में उत्सव का माहौल रहा। ससुराल में रहने वाली विवाहित बेटियां तीजा मनाने अपने मायके पहुंचीं तो लंबे समय बाद बेटियों के घर लौटने से मायके में भी खुशी की रौनक दिखाई दी। कहीं भाई अपनी बहन को लेने ससुराल पहुंचे तो कहीं पिता ने बेटी को मायके लाकर तीजा की खुशियों में शामिल किया।

तीजा तिहार छत्तीसगढ़ में केवल धार्मिक व्रत नहीं, बल्कि बेटी और मायके के बीच के अटूट स्नेह, भाई-बहन के प्रेम और पारिवारिक आत्मीयता का पर्व माना जाता है। यही वजह है कि तीजा के दिनों में मायके पहुंचे बेटियों के साथ घर-परिवार की पुरानी यादें भी ताजा हो जाती हैं। गांवों में तो तीजा की अलग ही रौनक देखने को मिली। महिलाएं एक-दूसरे के घर पहुंचकर पर्व की शुभकामनाएं देती नजर आईं और तीजा के पारंपरिक गीतों के बीच पर्व का उल्लास साझा किया।

करू भात के साथ शुरू हुई तीजा की तैयारी- तीजा पर्व की शुरुआत एक दिन पहले करू भात की परंपरा से होती है। महिलाओं ने करेले की सब्जी के साथ करू भात ग्रहण कर अगले दिन रखे जाने वाले कठिन व्रत की तैयारी की। करू भात के बाद महिलाएं तीजा के दिन निर्जला व्रत रखती हैं। पूरे दिन अन्न और जल का त्याग कर महिलाएं भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा-अर्चना करती हैं। सुबह से ही महिलाओं ने स्नान कर नए वस्त्र धारण किए और पारंपरिक श्रृंगार किया। कई घरों में पूजा के लिए विशेष तैयारियां की गईं। शिव-पार्वती की पूजा कर महिलाओं ने अपने पति की दीर्घायु, सुखी दांपत्य जीवन और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। तीजा पर्व की सबसे खास बात यह है कि विवाहित बेटियों को मायके बुलाने की परंपरा आज भी छत्तीसगढ़ के गांवों में पूरी आत्मीयता के साथ निभाई जाती है। सालभर अपने ससुराल में रहने वाली बेटियों के लिए तीजा मायके लौटने का विशेष अवसर होता है। बेटी के आने से मां के चेहरे पर खुशी और भाई-बहनों में उत्साह दिखाई देता है। कई परिवारों में बेटी के आने से पहले ही घर की साफ-सफाई, पकवान और अन्य तैयारियां शुरू हो जाती हैं। बेटी के पसंद के व्यंजन बनाए जाते हैं और उसके आने के बाद परिवार के सदस्य मिलकर पर्व की खुशियां मनाते हैं।

तीजा सिर्फ व्रत नहीं, मायके से जुड़ने का अवसर - तीजा पर्व को लेकर महिलाओं में खासा उत्साह रहा। गरियाबंद की एक महिला ने कहा कि तीजा हमारे लिए केवल व्रत और पूजा का पर्व नहीं है। इस दिन मायके आने की खुशी सबसे अलग होती है। सालभर ससुराल में रहने के बाद जब तीजा पर माता-पिता और भाई-बहनों से मिलने का मौका मिलता है तो बचपन की यादें ताजा हो जाती हैं।

जिला पंचायत सदस्य प्रेमलता वैष्णव और सरपंच बालेश्वर वैष्णव सहित समर्थकों ने भाजपा में किया प्रवेश

विश्व केसरी

कसडोल (प्रवीण ढोमने)। कसडोल क्षेत्र के विभिन्न जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से प्रेरित भारतीय जनता पार्टी की नीतियों से प्रभावित होकर पार्टी में प्रवेश कर लिया है।14 सितंबर को रायपुर स्थित स्वर्ण भूमि में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गौरी शंकर अग्रवाल के निज निवास पर आयोजित एक सादे कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य प्रेमलता वैष्णव,सरपंच बालेश्वर वैष्णव सहित अन्य लोगों का भाजपा में औपचारिक प्रवेश हुआ।जहां इस दौरान भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गौरी शंकर अग्रवाल ने जिला पंचायत सदस्य प्रेमलता वैष्णव,सरपंच बालेश्वर वैष्णव एवं अन्य लोगों को केसरिया गमछा पहनाकर सभी का स्वागत किया।वही जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 15 की सदस्य प्रेमलता वैष्णव और ग्राम पंचायत देवरीकला के सरपंच बालेश्वर वैष्णव के नेतृत्व में क्षेत्र के कई लोगों ने पार्टी में प्रवेश किया है। वही पार्टी में प्रवेश करने के बाद जिला पंचायत सदस्य प्रेमलता वैष्णव और सरपंच बालेश्वर वैष्णव ने कहा कि वे क्षेत्र के विकास और जनता की समस्याओं को दूर करने के लिए भाजपा में शामिल हुए हैं।इस दौरान अनुसूचित जाति मोर्चा के जिला अध्यक्ष रामचंद्र ध्रुव और कसडोल मंडल अध्यक्ष डॉ.सुदीप मानिकपुरी व्यक्तिगत रूप से उपस्थित थे।

सांई नगर में आकर्षक गणेश प्रतिमा की स्थापना, श्रद्धालुओं में उल्लास

विश्व केसरी

गरियाबंद (हेमंत तीरपुड़े)। नगर के सांई नगर, हाई स्कूल रोड में मंगलमूर्ति गणेश उत्सव समिति एवं मोहल्लावासियों द्वारा इस वर्ष गणेश उत्सव के अवसर पर भगवान श्री गणेश की सुंदर एवं आकर्षक प्रतिमा की स्थापना की गई है। प्रतिमा को आकर्षक ढंग से सजाया गया है, जो श्रद्धालुओं और क्षेत्रवासियों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई है।

गणेश प्रतिमा स्थापना के साथ ही सांई नगर में भक्तिमय माहौल बना हुआ है। मोहल्लावासी पूरे उत्साह और श्रद्धाभाव के साथ गणपति बप्पा की पूजा-अर्चना कर रहे हैं। समिति द्वारा प्रतिदिन विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान श्री गणेश के दर्शन एवं पूजा-अर्चना के लिए पहुंच रहे हैं।

मोहल्लावासियों ने बताया कि गणेश उत्सव आपसी भाईचारे, एकता और श्रद्धा का पर्व है। सभी के सहयोग से इस वर्ष गणेश उत्सव को और भव्य एवं यादगार बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

सामाजिक शैक्षिक जागरूकता अभियान जारी

विश्व केसरी

नगरी (हिमांशु यादव)। आदिवासी ध्रुव गोंड समाज परिक्षेत्र सिंगपुर के तत्वाधान में आयोजित सामाजिक शैक्षिक जागरूकता अभियान अंतर्गत 13 सितंबर को मुड़ा बिरझूली के आश्रित ग्राम पारधी में सामाजिक जागरण बैठक सम्पन्न हुआ। जिसमें शिक्षा, आरक्षण, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, नशामुक्ति, बचत, रोजगार स्वरोजगार, संस्कृति, संस्कार, परंपरा संरक्षण आदि विषयों पर संवाद किया गया। कार्यक्रम में परिक्षेत्र सिंगपुर के सभी सामाजिक पदाधिकारी गण और कर्मचारीगण - पूनाराम गंगवंशी, दयाराम मरकाम, बिंझवार ठाकुर, जगन्नाथ मंडावी, गोकुल राम ध्रुव, सोमनाथ ध्रुव, टिकेश्वर कुमार ध्रुव, भागीरथी सोरी, विष्णु राम नेताम, विदेशी राम नेताम, लोकेश कुमार ध्रुव, सोम प्रकाश नेताम व सामाजिक जन उपस्थित थे।

छह साल से अधूरा प्रदेश का पहला गौ अभ्यारण, दो बार सीएम का दौरा टला

विश्व केसरी

बेमेतरा (अनिल त्रिपाठी)। प्रदेश का पहला गौ अभ्यारण बनाने की महत्वाकांक्षी सरकारी योजना छह साल बाद भी अधूरी पड़ी है। बेमेतरा जनपद के आदिवासी बाहुल्य ग्राम झालम में 72 एकड़ शासकीय भूमि पर वर्ष 2021 में शुरू किए गए गौ अभ्यारण के लिए शासन ने 6 करोड़ 57 लाख रुपए स्वीकृत किए थे। इसमें से करीब 3 करोड़ 31 लाख रुपए खर्च भी हो चुके हैं, लेकिन योजना का दूसरा चरण अब तक शुरू नहीं हो पाया है। यही वजह है कि 500 मवेशियों की क्षमता वाले इस अभ्यारण में फिलहाल केवल घुमंतू और आवारा मवेशियों को रखा जा रहा है।

योजना के तहत गौ अभ्यारण को केवल मवेशियों के रखने का स्थान नहीं, बल्कि दुधारू गायों के जरिए दूध उत्पादन, गोमूत्र संग्रहण, प्रसंस्करण और बिक्री के साथ किसानों को प्रशिक्षण देने वाले मॉडल के रूप में विकसित किया जाना था। लेकिन दुधारू गायों की खरीदी और जरूरी मशीनरी की व्यवस्था नहीं होने से योजना का मूल उद्देश्य ही अधूरा रह गया है।

12 शेड बने, 376 मवेशी रखे गए- गौ अभ्यारण के पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. अमित चंद्राकर के अनुसार अभ्यारण परिसर में 12 शेड का निर्माण किया गया है। चारा-पानी की व्यवस्था भी उपलब्ध है। वर्तमान में यहां 376 घुमंतू किस्म के मवेशी रखे गए हैं, जबकि पूरे अभ्यारण की क्षमता 500 मवेशियों की है। आवारा मवेशियों को रखने का काम तो शुरू हो गया, लेकिन जिस उद्देश्य से प्रदेश का पहला गौ अभ्यारण विकसित किया जाना था, वह अभी पूरा नहीं हुआ है।

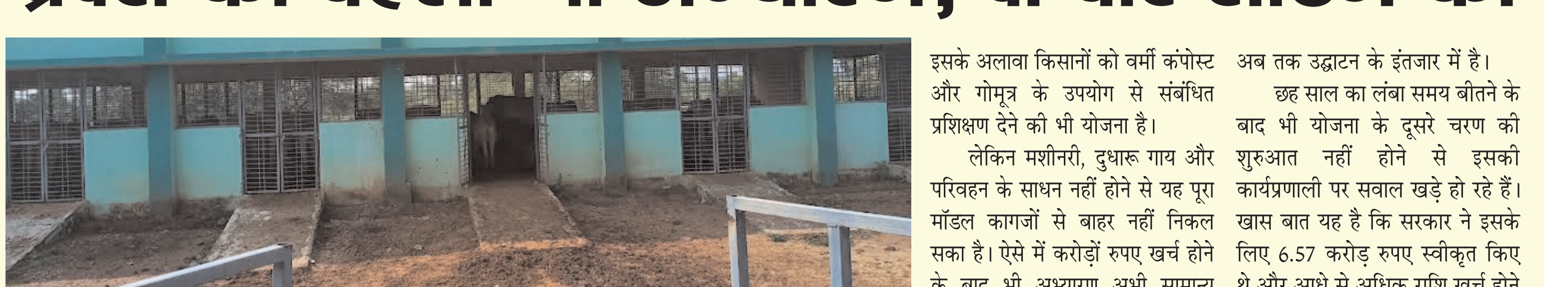

अभ्यारण में फिलहाल करीब 6 एकड़ क्षेत्र में हरा चारा लगाया गया है। पशुओं के उपचार के लिए दवाइयां गौ सेवा आयोग के साथ पशु चिकित्सा विभाग से भी उपलब्ध कराई जा रही हैं। व्यवस्था संभालने के लिए एक पशु चिकित्सा अधिकारी, एक परिचारक, एक पशु चिकित्सा क्षेत्राधिकारी, दो चौकीदार सहित 11 अन्य कर्मचारी कार्यरत हैं।

दूसरे चरण में अटकी दुधारू गायों की खरीदी- योजना का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा दूसरे चरण में प्रस्तावित है। इसके तहत गौ सेवा आयोग को 200 दुधारू गायों की खरीदी करनी थी। इसके अलावा ट्रैक्टर, दुग्ध वाहन और अन्य आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने की योजना थी। लेकिन इनमें से कोई भी काम अब तक पूरा नहीं हुआ है।

डॉ. अमित चंद्राकर ने बताया कि सेकेंड फेस का काम शुरू होने के बाद ही दुधारू गायों की खरीदी और अन्य संसाधनों की व्यवस्था हो पाएगी। दूसरे चरण का काम पूरा होने के बाद अभ्यारण में 500 मवेशियों को रखने की पूरी क्षमता का उपयोग किया जा सकेगा।

गोमूत्र-दुग्ध संग्रहण केंद्र भी अधर में - सरकार की योजना में गौ अभ्यारण के भीतर गोमूत्र और दुग्ध संग्रहण केंद्र शुरू करना भी शामिल था। इसके लिए मशीनरी खरीदी जानी है। दुधारू गायों से दूध निकालकर उसे बाजार में उपलब्ध कराने के साथ गोमूत्र संग्रहण और उससे जुड़े उत्पादों को बढ़ावा देने की योजना बनाई गई थी। इसके अलावा किसानों को वर्मी कंपोस्ट और गोमूत्र के उपयोग से संबंधित प्रशिक्षण देने की भी योजना है।

लेकिन मशीनरी, दुधारू गाय और परिवहन के साधन नहीं होने से यह पूरा मॉडल कागजों से बाहर नहीं निकल सका है। ऐसे में करोड़ों रुपए खर्च होने के बाद भी अभ्यारण अभी सामान्य गौशाला की तरह ही संचालित हो रहा है।

दो बार सीएम के दौरे का प्रस्ताव, दोनों बार टला- गौ अभ्यारण के निर्माण और उद्घाटन को लेकर जिला प्रशासन की ओर से मुख्यमंत्री के दौरे का प्रस्ताव दो बार तैयार किया जा चुका है। लेकिन अभ्यारण का प्रोजेक्ट पूरा नहीं होने के कारण दोनों बार मुख्यमंत्री का प्रस्तावित दौरा टल गया। प्रदेश के पहले गौ अभ्यारण के रूप में जिस परियोजना को सरकार के बड़े मॉडल के तौर पर प्रस्तुत किया जाना था, वह अब तक उद्घाटन के इंतजार में है।

छह साल का लंबा समय बीतने के बाद भी योजना के दूसरे चरण की शुरुआत नहीं होने से इसकी कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। खास बात यह है कि सरकार ने इसके लिए 6.57 करोड़ रुपए स्वीकृत किए थे और आधे से अधिक राशि खर्च होने के बावजूद मूल गतिविधियां शुरू नहीं हो पाई हैं।

गांवों से आवारा मवेशी लाने तक सीमित योजना - वर्तमान स्थिति में अभ्यारण का सबसे बड़ा उपयोग गांवों में खुले में घूमने वाले मवेशियों को रखने तक सीमित है। जिस योजना में दुधारू गायों के माध्यम से दूध और गोमूत्र आधारित गतिविधियों को बढ़ावा देने, किसानों को प्रशिक्षण देने और इसे आत्मनिर्भर मॉडल बनाने की बात थी, उसका बड़ा हिस्सा अभी शुरू होना बाकी है।

गो अभ्यारण में सेकंड फेस दुधारू गायों की खरीदी का काम गौ सेवा आयोग से ही जानकारी मिल पाएगी फिलहाल 376 मवेशी गौ अभ्यारण में है वर्तमान में कुछ दूध देने वाले गाय और इसके अलावा घुमंतू किस्म के जानवरों को रखा गया है सभी जानवरों के लिए चारे पानी की व्यवस्था है 12 शेड का निर्माण हो चुका है स्टाफ भी है दवाई की भी सुविधा है दुधारू गायों के आने के बाद कैपेसिटी के अनुसार 200 दुधारू गाय और 300 घुमंतू जानवरों को मिलाकर 500 क्षमता वाले गौ अभ्यारण का काम पूरा हो पाएगा।

-**अमित चंद्राकर,** ग्राम झालम, पशु चिकित्सा अधिकारी

संपादकीय

किसान का बेटा

अमर सिंह शौल

बाल साहित्य का इतिहास मौखिक परम्परा से श्रीगणेश करके नैतिक शिक्षा, लोककथाओं, आधुनिक मनोरंजन के अनेक पड़ावों से गुजरा है ।

कथा सरित्सागर, पंचतंत्र, मध्यकालीन पहेलियाँ, ईसप की लघुकथाएं, अमीर खुसरो की पहेलियाँ, अंग्रेजी में जॉन न्यूबेरी का साहित्य, जर्मनी में ब्रदर ग्रिम, डेनमार्क में हैंस क्रिश्चियन एंडरसन की परी कहानियाँ आदि प्रमुख पड़ाव रहे हैं ।

समीक्षित बाल कहानी संग्रह' किसान का बेटा 'हिमाचल प्रदेश के मण्डी जनपद की बलद्वाड़ा तहसील मुख्यालय के समीपवर्ती समैला गाँव निवासी प्रसिद्ध पत्रकार – रचनाकार अमर सिंह शौल की दूसरी बाल मन को समर्पित नवीनतम पुस्तक है।

इनकी बाल कहानियाँ बच्चों कादेश, हंसती दुनिया,बाल भास्कर, , गिरिराज, किलकारी,बाल प्रहरी सहित पंजाब केसरी, नवोदय टाइम्स में भी प्रकाशित हो चुकी है । इससेपहले उनकी2007 में प्रकाशित बाल कहानी संग्रह' समय की कीमत' पाठकों द्वारा काफी सराही गयी है ।

संकलन की सारी कहानियाँ हमारे परिवेश से मेल खाती हैं ।बाल मन के रुचिकर विषयों पर

अति सहज कथोपथन के साथ सरल भाषा में उद्देश्यपरक रचना करना लेखक की विशेषता कही जा सकती है । सुधा बुक मार्ट, दिल्ली से प्रकाशित कुल48 पृष्ठों के संकलन में प्रकाशित सभी चौदह कहानियाँ शुरू से अंत तक पाठक की रोचकता बनाये रखती है ।

संकलन का शीर्षक नामकरण 'किसान का बेटा 'सर्वथा उचित प्रतीत होता है ।

इस कहानी में किसान हरिया का आलसी बेटा पालू, बढ़ई के कर्मठ बेटे राज के व्यंग्य बाणों से आहत होकर खेत के कार्य में रूचि लेता है । यही कुसंगति के चुंगल में फंस रहे बालमन को समुचित सीख है ।

दाने की कीमत कहानी स्वंय करके सीखना सिद्धांत पर ठीक उतरती है । कहानी में एक मक्की के दानेके बीजने से पांच सौ दाने वाले भुट्टे के बनने का रोचक उद्धाहरण दिया है ।

'बेल सूर गई 'कहानी में अम्मी की सीख को दरकिनार करने पर करेले की बेल को उखाड़कर दूसरी जगह लगाने पर सूख जाने का प्रत्यक्ष गहरी सीख रोचकता को बढ़ाती है ।

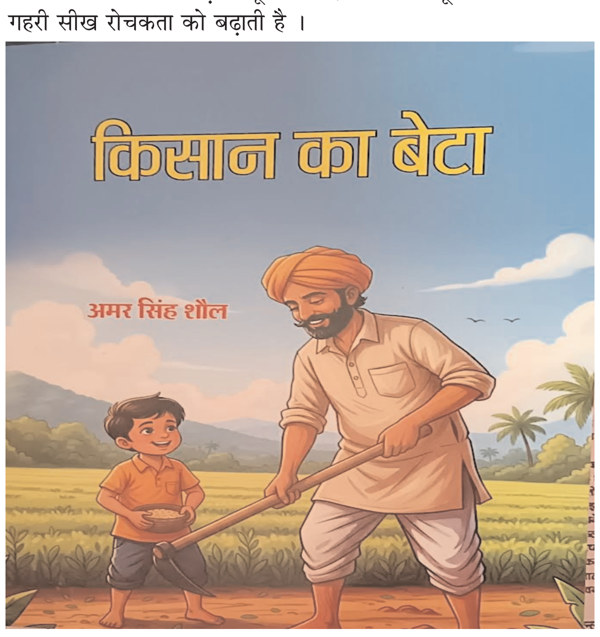

पुस्तक: किसान का बेटा	मूल्य 195 रुपये
प्रकाशक: सुधा बुक मार्ट - दिल्ली	समीक्षक
प्रकाशन वर्ष2026	रविकुमार बिलासपुर
पृष्ठ 48	हिमाचल प्रदेश

'कोयल और कौवा 'कहानी में मीठी वाणी का ही महत्व बताया गया है जिसके कारण एक जैसे रंग वाले दो पक्षियों में से कोयल को ही मान – सम्मान मिलता है ।

'आत्म विश्वास' कहानी में परीक्षा में दो बार असफल होते राजू को माँ द्वारा ऊँची दीवार पर चढ़ने को प्रयासरत नन्हीं चींटीं की सफलता से प्रेरणा लेने को कहा गया हैं।

'भगवान झूठे नहीं हैं' कहानी में परिश्रम को सफलता का एकमात्र माध्यम बताया गया हैं।

'ऐसे बांधी बिल्ली के गले में घंटी '

कहानी में चूहों द्वारा जासूसी द्वारा बिल्ली की दिनचर्या का लेखा – जोखा रखकर बूढ़े चूहे की मदद से योजनाबद्ध रणनीति बनाना बताया गया है । बिल्ली घर में रखें वर्तन से दूध पीती थी । चूहे द्वारा उस वर्तन में डाली नींद की गोली मिश्रित दूध पीकर बेहोश हुई बिल्ली के गले में घंटी बांधने का प्रयास सफल होना उन के समुदाप के लिए जीत से कम नही माना गया ।

इसके अलावा सोनू की सीख, मेहनत का फल, आज़ादी आदि कहानियाँ भी अच्छी बन पायी है ।

मुखपृष्ठ अंतिम पृष्ठ व सभी कहानियों के बीच चित्रांकन और अच्छेकागज पर प्रिंटिंग को देखते हुये इसका मूल्य मात्र एक सौ पचानवे रुपये सर्वथा उचित प्रतीत होता हैं ।

आखिर कृत्रिम बुद्धिमत्ता को लेकर जारी अमेरिकी-चीनी रस्साकसी के बीच क्या करे भारत?

कमलेश पांडे

वैश्विक पटल पर अमेरिका और चीन की प्रतिस्पर्धा देखते ही बनती है। इस बार मुद्दा कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई बनी है, वो भी ब्रिक्स 2026 बैठक के तुरंत बाद जिसका अपना महत्व है। चूंकि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने ब्रिक्स देशों को एआई ओपन सोर्स उपलब्ध कराने की घोषणा की थी, इसलिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रतिक्रिया स्वरूप कहा कि एआई की दौड़ में अमेरिका चीन से आगे है? तो सवाल उठना लाज़मी है कि कितना आगे? और क्या चीन अगले कुछ वर्षों में इस दूरी को पाट सकता है?

सबसे बड़ा सवाल यह कि इस वैश्विक प्रतिद्वंद्विता में भारत को क्या करना चाहिए? इस सभी बिंदुओं को हम आगे एक एक करके स्पष्ट करेंगे। देखा जाए तो एआई सेक्टर में न केवल अमेरिका और चीन के बीच, बल्कि यूरोप और अन्य देशों के बीच प्रतिस्पर्धा तेज हो रही है। ऐसे में भारत के सामने चुनौती केवल एआई मॉडल बनाने की नहीं, बल्कि चिप, कंप्यूटिंग, डेटा, प्रतिभा, पूंजी और बाजार—पूरी एआई वैल्यू चैन में मजबूत होने की है।

जहां तक भारत की एआई आत्मनिर्भरता का सवाल है तो उसे विदेशी एआई यानी अमेरिका, चीन, यूरोप के एआई पटल को बंद करना नहीं चाहिए, बल्कि इन्हें इतना सक्षम बनना चाहिए कि भारत अपनी जरूरतों के लिए एआई बना सके और दुनिया को भी बेच सके। आपको पता होगा कि अमेरिका के नेतृत्व वाले एआई 'पैक्स सिलिका संगठन' में 34 देश शामिल हैं, जिसमें भारत भी एक है।

वहीं, चीनी नेतृत्व वाले 'वर्ल्ड एआई कोआपरेशन ऑर्गेनाइजेशन' में 29 देश शामिल हैं। फिर भी ब्रिक्स देशों को चीन ने जो आकर्षक ऑफर दिया है उससे निकट भविष्य में पूरा खेल बदल सकता है। ऐसा इसलिए कि अमेरिकी एआई कंपनियों ने एआई की प्रगति को 'स्लोडाउन' करने का आह्वान किया है। चूंकि अब अमेरिका के भीतर ही एआई की प्रगति को लेकर विरोधाभास सामने आ रहा है और ट्रंप प्रशासन की तरफ से अमेरिकी कंपनियों को एआई प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल में अमेरिकी हितों को प्राथमिकता की बात हो रही है, इसलिए पैक्स सिलिका संगठन के अन्य 33 देशों का दिग्भ्रमित होना स्वाभाविक है।

ऐसे में यदि चीन, भारत और यूरोप आपसी समझदारी विकसित करके अमेरिका को मात दे दें तो किसी के लिए भी हैरत की बात नहीं होगी। क्योंकि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने ब्रिक्स के मंच से कहा है कि चीन ब्रिक्स के लिए ओपन सोर्स एआई समुदाय बनाने में अग्रणी भूमिका निभाएगा, बड़े भाषा मॉडल के विकास व उपयोग में सहयोग देगा, विशेष प्रशिक्षण आयोजित करेगा, और खुला एआई पारिस्थितिकी तंत्र खड़ा करेगा।

खास बात यह कि यह प्रस्ताव उस पृष्ठभूमि में आया है जब चीनी कंपनियां ओपन सोर्स मॉडल पर जोर दे रही हैं, जबकि अमेरिकी दिग्गज कंपनियां अधिक बंद, फ्रंटियर मॉडल पर काम कर रहे हैं। चूंकि भारत इस प्रतिद्वंद्विता को पहचान रहा है, इसलिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्रिक्स बैठक में चेतावनी देते हुए साफ कहा था कि तकनीक और क्रिटिकल मिनरल्स का हथियार बनाना साझा प्रगति में बाधा बन सकता है। इससे भारत की नीति स्पष्ट है।

देखा जाए तो दुनिया में एआई आधारित प्रौद्योगिकी को लेकर जो तगड़ी लामबंदी चल रही है, उसमें

अमेरिका ने बेहद उच्च गुणवत्ता वाले चिप्स, सेमीकंडक्टर उपकरण, क्लाउड एक्सेस और कुछ फ्रंटियर मॉडल पर निर्यात नियंत्रण लागू करते हुए इन्हें सिर्फ 'भरोसेमंद साझेदारों' के साथ साझा करने की व्यवस्था करने का ऐलान किया है। कहने का तात्पर्य यह कि शेष देशों में एआई के मामले में अमेरिका या चीन में से किसी एक को ही चुनने का दबाव बनाया है और दोनों को चुनने का रास्ता अमेरिका ने लगभग बंद कर दिया है।

चूंकि भारत भी पैक्स सिलिका का सदस्य है और ट्रंप ने खाड़ी देशों को भी चिप्स व निवेश के सौदे से जोड़ा है। उन्होंने अपने एआई स्टैक को निर्यात कूटनीति का हिस्सा बनाया है। इसलिए अमेरिका को रणनीतिक जवाब देते हुए चीन ने रेअर अर्थ मिनरल्स के निर्यात को नियंत्रित कर दुनिया को समझा दिया कि वह प्रौद्योगिकी की दुनिया में कितनी अफरातफरी मचा सकता है। आज चीनी गुट में रूस, दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील और पाकिस्तान समेत 29 देश शामिल हैं।

सरकारीएजेंसियां

आपको याद दिला दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि 'जो एआई जीतेगा, वही जीतेगा' इस क्षेत्र में जारी वैश्विक प्रतिद्वंद्विता को दर्शाता है। हालांकि, एआई अब एकतरफा अमेरिकी वर्चस्व की कहानी नहीं रही, बल्कि चीन जैसे दूसरे ध्रुव से मिल रही कड़ी तकनीकी प्रतिस्पर्धा की मिशाल बन चुकी है। यदि सितंबर 2026 की स्थिति को देखें, तो तकनीकी रूप से अमेरिका का पलड़ा अभी भी चीन से भारी है, लेकिन यह अंतर पहले की तुलना में काफी कम हुआ है और अगले कुछ वर्षों में चीन इस दूरी को पाटकर आगे भी निकल सकता है, बशर्ते कि भारत जैसे मजबूत पड़ोसी का साथ उसे मिल जाए।

तकनीकी अध्ययन भी जाहिर करते हैं कि एआई अब एकतरफा अमेरिकी वर्चस्व की कहानी नहीं, बल्कि दो ध्रुवों की कड़ी तकनीकी प्रतिस्पर्धा बन चुकी है। इसलिए आइए जानते हैं कि किस क्षेत्र में कौन (अमेरिका या चीन) आगे?

खासकर क्षेत्र, उसमें मिली बढ़त और अद्यतन स्थिति के नजरिए से:-

एक, फ्रंटियर एआई मॉडल में अमेरिका बढ़त में है। उसका मॉडल अभी समग्र प्रदर्शन में आगे है।

दो, एआई चिप्स/जीपीयू में अमेरिका को बढ़त है। Nvidia का बड़ा लाभ उसे मिला है।

तीन, एआई कंप्यूट/आंकड़ा केंद्र में अमेरिका को बढ़त है। विशाल पूंजी, जीपीयू और हाइपरस्केल इंफ्रास्ट्रक्चर में वह आगे है।

चार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता शोध पारिस्थितिकी तंत्र में अमेरिका को बढ़त है। वह विश्वविद्यालय, बड़ी तकनीक और उद्यम पूंजी का संयोजन करने में आगे बढ़ा है।

भौगोलिकसंदर्भ

पांच, वैश्विक कृत्रिम बुद्धिमत्ता पारिस्थितिकी तंत्र में अमेरिका को बढ़त प्राप्त है। उसे सहयोगी देशों, कंपनियों और क्लाउड पारिस्थितिकी तंत्र का लाभ मिला है।

छह, सेमीकंडक्टर विनिर्माण या अर्धचालक निर्माण में चीन को कुछ क्षेत्रों में बढ़त प्राप्त है। उसने बड़े पैमाने का विनिर्माण और आपूर्ति श्रृंखला मजबूत किया है।

सातवां, ओपन सोर्स/कम लागत वाले मॉडल में चीन मजबूत चुनौती बनकर उभरा है। उसके डीपसीक जैसे मॉडल ने लागत-प्रतिस्पर्धा बदली है।

आठवां, एआई मॉडल की स्थापना/औद्योगिक उपयोग में चीन की बड़ी ताकत है। उसके पास विशाल विनिर्माण क्षमता और घरेलू बाजार है।

यानी कि आठ क्षेत्रों में पांच में अमेरिका और तीन में चीन को बढ़त प्राप्त है। यदि आप ब्रुकिंग्स के अप्रैल 2026 के आकलन पर गौर करेंगे तो उसके अनुसार चीन के शीर्ष कृत्रिम बुद्धिमत्ता मॉडल अभी अमेरिकी फ्रंटियर मॉडल से कुछ महीने या अधिक पीछे हैं और अमेरिकी मॉडल तार्किक क्षमता, गणित, कुटलेखन तथा लंबे समय वाले स्वायत्त कार्य या दीर्घकालिक एजेंट-आधारित कार्य में समग्र बढ़त रखते हैं।

लेकिन चीन को भी कम आंकना बड़ी गलती होगी। चीन की सबसे बड़ी ताकत यह है कि वह एआई को पूरे औद्योगिक तंत्र से जोड़ रहा है—मोबाइल, ईवी, रोबोटिक्स, विनिर्माण, निगरानी या चौकसी, समान का प्रबंधन और सरकारी सेवाओं तक काफी मजबूत है। और चीन ने अमेरिकी प्रतिबंधों के बावजूद अपने एआई चिप पारिस्थितिकी तंत्र को तेजी से विकसित किया है।

ब्रिक्स सम्मेलन संघर्षों के बीच संवाद की डिप्लोमेसी

संजीव ठाकुर

नई दिल्ली में आयोजित ब्रिक्स के 18वें सम्मेलन में भारत की कूटनीति की एक बड़ी उपलब्धि यह रही कि उसने संघर्षों के बीच संवाद की संभावना को जीवित रखा। भारत ने ब्रिक्स को किसी देश के विरुद्ध मोर्चा बनाने के बजाय विकास, आर्थिक सहयोग, तकनीक, ऊर्जा, स्वास्थ्य, पर्यावरण और वैश्विक संस्थाओं में सुधार का मंच बनाए रखने पर जोर दिया। भारत के लिए यह भूमिका इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि वह एक ओर अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ क्वाड जैसे मंचों पर सहयोग करता है, दूसरी ओर रूस और चीन के साथ ब्रिक्स तथा अन्य बहुपक्षीय संस्थाओं में संवाद बनाए रखता है। यह संतुलन भारतीय विदेश नीति की परिपक्वता को दर्शाता है।

ब्रिक्स का आर्थिक पक्ष भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। यदि सदस्य देश आपसी व्यापार को अपनी-अपनी राष्ट्रीय मुद्राओं में बढ़ाते हैं, सीमा-पार डिजिटल भुगतान प्रणालियों को जोड़ते हैं और वित्तीय सहयोग के नए रास्ते विकसित करते हैं, तो भविष्य में डॉलर पर कुछ क्षेत्रों की निर्भरता कम हो सकती है। लेकिन यहां भी अतिशयोक्ति से बचना चाहिए। निकट भविष्य में डॉलर को समाप्त कर देना या उसकी जगह किसी एक ब्रिक्स मुद्रा को स्थापित कर देना व्यावहारिक लक्ष्य नहीं है। ब्रिक्स देशों की अर्थव्यवस्थाओं, वित्तीय नीतियों और राजनीतिक प्राथमिकताओं में बहुत अंतर है। इसलिए वास्तविक संभावना किसी एक नई वैश्विक मुद्रा से अधिक भुगतान प्रणालियों के विविधीकरण और राष्ट्रीय मुद्राओं में व्यापार बढ़ाने की है।

ऊर्जा के क्षेत्र में भी ब्रिक्स का महत्व तेजी से बढ़ा है। रूस, सऊदी अरब, ईरान और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों की उपस्थिति ऊर्जा सुरक्षा के प्रश्न को संगठन के केंद्र में ला देती है। पश्चिम एशिया में संघर्ष और होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों पर तनाव का सीधा प्रभाव दुनिया की तेल कीमतों, महंगाई और आपूर्ति श्रृंखलाओं पर पड़ता है। 2026 के सम्मेलन के समय भी पश्चिम एशिया का संघर्ष वैश्विक ऊर्जा बाजार के लिए गंभीर चिंता का विषय बना रहा।

तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता भी आने वाले वर्षों में ब्रिक्स की शक्ति का नया आधार बन सकती है। भारत की डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, चीन की विनिर्माण और तकनीकी क्षमता, रूस की वैज्ञानिक-तकनीकी विशेषज्ञता, खाड़ी देशों की पूंजी और ऊर्जा संसाधन तथा ब्राजील और अफ्रीकी देशों के विशाल बाजार मिलकर सहयोग का नया मॉडल बना सकते हैं।

यदि ब्रिक्स अपने भीतर तकनीक, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, हरित ऊर्जा और डिजिटल भुगतान में ठोस सहयोग विकसित करता है तो उसका प्रभाव केवल कूटनीति तक सीमित नहीं रहेगा।

इक्कीसवीं सदी के तीसरे दशक में विश्व व्यवस्था जिस तेजी से बदल रही है, उसमें ब्रिक्स का विस्तार और उसकी बढ़ती भूमिका केवल एक आर्थिक संगठन के विस्तार की कहानी नहीं है, बल्कि यह वैश्विक शक्ति-संतुलन में हो रहे मौलिक परिवर्तन का संकेत भी है। भारत की अध्यक्षता में नई दिल्ली में आयोजित 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन ने इस बदलती विश्व व्यवस्था को एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में ला दिया है। आज ब्रिक्स केवल ब्राजील, रूस, भारत और चीन से बना पुराना समूह नहीं रहा। इसमें दक्षिण अफ्रीका के बाद मिस्र, इथियोपिया, ईरान, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब और इंडोनेशिया जैसे महत्वपूर्ण देश जुड़ चुके हैं। वर्तमान 11 सदस्यीय समूह विश्व की लगभग 49.5 प्रतिशत आबादी, लगभग 40 प्रतिशत वैश्विक जीडीपी और करीब 26 प्रतिशत वैश्विक व्यापार का प्रतिनिधित्व करता है।

बोध कथा

एक सेवा का मूल्य

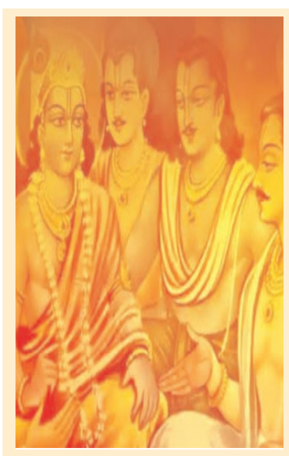

तुर्की में जकीर नाम के एक फकीर हुए हैं। वह आईन नदी के किनारे कुटी बनाकर रहते थे। एक दिन नदी में एक सेवा बहता आ रहा था। जकीन ने उसे पकड़ लिया।अभी उसे खाने की तैयारी कर ही रहे थे कि अंत:करण से आवाज आई ''फकीर! क्या यह तेरी संपत्ति है,क्या तूने इसे परिश्रम से पैदा किया है? यदि नहीं तो इसे खाने का तुझे क्या अधिकार है?''सेव झोले में डालकर अब फकीर अब उसके स्वामी की खोज में नदी के चढ़ाव की ओर चल पड़े।

थोड़ी दूर पर एक सेव का बाग मिला। कुछ सेव के वृक्षों की डालें पानी को छू रही थीं,फकीर ने विश्वास किया सेव यहीं से टूटा हुआ होगा। उन्होंने बाग के स्वामी से कहा-यह लीजिए आपका सेव नदी में बहा जा रहा था।'' उसने कहा-भाई मैं तो बाग का रखवाला मात्र हूँ,इसकी स्वामिनी तो बुखारा की राजकुमारी है।''फकीर वहाँ से बुखारा के लिए रवाना हुआ।

कई दिन की पैदल यात्रा के बाद वहाँ पहुँचा और वह सेव लेकर राजकुमारी जी के पास उपस्थित हुआ।

फकीर को एक सेव लेकर इस तरह आने का हाल सुनकर राजकुमारी हँसकर बोली-अरे बाबा! इसको वहीं खा लेते,एक सेव यहाँ लाने की क्या आवश्यकता थी?''फकीर ने कहा-राजकुमारी जी आपकी दृष्टि में एक सेव का कुछ भी मूल्य नहीं पर इस सेव ने तो मेरा साधा धर्म,संयम और सारे जीवन की साधना नष्ट कर दी होती।''

कविता

गणपति राखो मेरी लाज

मोनिका डागा 'आनंद '

सुदी चौथ भादव को प्रगटे,
श्री गजानन जी महाराज,
वरद विनायक मंगलकारी,
गणपति राखो मेरी लाज ।

चरण कमल में शीश
नवाऊं, प्रथम देव तुमको मनाऊँ,
नित्य प्रेम से कीर्तन गाऊं, भाव सुमन तुम्हें
नित चढ़ाऊं,
रिद्धि-सिद्धि के हो तुम स्वामी, सफल करो
सब मेरे काज,
वरद विनायक मंगलकारी, गणपति राखो मेरी
लाज ।

रक्त पुष्प सिंदूर चढाऊँ, चंदन केशरिया
लगाऊँ,
कानों में कुण्डल पहनाऊँ, बूँदियाँ का भोग
बनाऊँ,
भक्तों की सेवा स्वीकारों, कृपा करो अब हे
गणराज !
वरद विनायक मंगलकारी, गणपति राखो
मेरी लाज ।

भक्त मंडली सदन बुलाऊँ, उत्सव
शुचिता से मनाऊँ,
स्तुति जप मंत्रोच्चार कराऊँ, सुबह-शाम
आरती गाऊँ,
हर कर जीवन से विघ्नों को, 'आनंद'
भरो हे शिवराज !
वरद विनायक मंगलकारी, गणपति राखो
मेरी लाज ।

भक्त प्रेम से अर्जी लाएं, मंगलमूर्ति तुम्हें
बुलाएं,
शुद्ध भाव से तुमको रिझाएं, विपदाओं से
मुक्ति पाएं,
प्रेम प्रार्थना भक्तजनों की, अब तो सुन
लो हे गजराज !

व्यंग्य केसरी

पुरस्कार खोर

बेबाक बनारसी

सुमन कुमार को इस बात की जानकारी तो थी कि साहित्य जगत के 'पुरस्कार उद्योग' और 'ऊपर की सेटिंग' बिना साहित्य कम आजकल पूरा नहीं होता. यहाँ एक से एक निर्णायक और 'पुरस्कारखोर' का भरे पड़े हैं. ?साहित्यिक गलियारों में यह बात आम थी कि प्रतिभा कलम में नहीं, बल्कि 'सही जगह' पर गोटी बैठाने में होती है. लेकिन उस दिन सुमन कुमार चौंक गए, जब पुरस्कार देने वाली संस्था में निर्णायक मंडल के एक सदस्य मनसुख जी ने दबे पाँव वरिष्ठ लेखक के घर पहुँचकर कान में अमृत घोला, 'बधाई हो भाई सुमन कुमार जी! इस बार का 'महासर्जक सम्मान' आपकी जेब में आने वाला है। बस... बात अभी गोपनीय रखिएगा। जूरी में आपके नाम पर मुहर लग चुकी है। मैं भी एक मेंबर हूं इसलिए कह रहा लेकिन ध्यान रहे, यह सूचना फिलहाल बाहर न जाए. अति उत्साह में आकर सोशल मीडिया में कुछ मत लिखिएगा. बाद में तो सब जान ही जाएंगे. '

?लेखक सुमन कुमार का सीना गर्व से फूलकर छप्पन इंच का हो गया. उन्होंने मन-ही-मन सोचा, चलो किसी ने तो इस लायक समझा. वर्षों से लोग कह रहे थे कि आपको यह सम्मान मिलना चाहिए क्योंकि आप सचमुच महान सर्जक हैं. अनेक लोग तो नाम के होते हैं, आप काम के सर्जक हैं.

क्या-क्या सुमन कुमार जी अपना भाषण तैयार करने लगे और लिखकर भी रख लिया. दो-तीन बार आईने के सामने खड़े होकर उसका पाठ भी किया.

?हफ्ते भर बाद जब अख़बारों में परिणाम घोषित हुआ, तो उनकी जगह किसी विशेष आत्मा का नाम लिखा हुआ था, सुमन कुमार के पैरों के नीचे से ज़मीन खिसक गई। सूची में उनका नामोनिशान तक न था। चकित और आहत होकर उन्होंने तुरंत मनसुख जी को फोन घुमाया, 'मनसुख जी, यह क्या उलटफेर हो गया? आपने तो कहा था... '

?मनसुख जी ने फोन पर ही एक लंबी, बेबसी से भरी सांस छोड़ी और रुआंसे स्वर में बोले, 'क्या बताऊं भाई साहब! हम तो नियम-कायदे से आपकी प्रतिभा तौल रहे थे, लेकिन ऐन वक्त पर 'ऊपर' से एक ऐसा वजनी, सुंदर नाम टपक गया कि हमारी तराजू ही टूट गई। लोकतंत्र में ऊपर वाले की मर्जी के आगे जूरी की क्या बिसात!

?कुछ दिनों बाद पुरस्कार समारोह का भव्य आयोजन हुआ। लेखक महोदय भी दिल पर पत्थर रखकर, दर्शक दीर्घा की आखिरी कतार में 'सौजन्यवश' उपस्थित थे।

?मंच से जैसे ही उस तथाकथित विजेता का नाम पुकारा गया, वह आत्मा मंच पर चढ़ने लगी । लेखक के ठीक बगल में बैठे मनसुख जी ने उनके कान के पास अपना मुंह ले जाकर गहरी दार्शनिक मुद्रा में फुसफुसाया: ? 'ध्यान से देखिए भाई साहब... यही है वह महान 'आत्मा', जो बिना लिखे ही आपका पूरा पुरस्कार डकार गई। इसे ही हमारे शास्त्रों में 'पुरस्कारखोर' प्रेतात्मा कहा गया है! अब आपको भी इसी आत्मा की तरह आचरण करना होगा तब हो सकता है अगले वर्ष आपका नंबर आ जाए. वर्ना तो आपका नाम प्रतीक्षा सूची में बना रहेगा. '

सुमन कुमार ने मुस्कुराते हुए मुंडी हिलाई और नजारा देखते रहे. कर भी क्या सकते थे? कुछ सुंदर आत्मा बनाम प्रेतात्मा से टकराना भी तो संभव नहीं था।

इतिहास

16 सितंबर का दिन इतिहास में पर्यावरण संरक्षण, ऐतिहासिक यात्राओं और महान हस्तियों के जन्म से जुड़ा है।

महत्वपूर्ण घटनाएँ और दिवसविश्व ओजोन दिवस: हर साल 16 सितंबर को विश्व ओजोन दिवस मनाया जाता है। साल 1987 में इसी दिन ओजोन परत को बचाने के लिए मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर किए गए थे।

मेफ्लावर जहाज की यात्रा: 1620 में आज ही के दिन प्रसिद्ध जहाज मेफ्लावर ने इंग्लैंड से उत्तरी अमेरिका के लिए अपनी ऐतिहासिक यात्रा शुरू की थी।

मेक्सिको की स्वतंत्रता: 1810 में 16 सितंबर को ही मेक्सिको में स्पेन के शासन के खिलाफ स्वतंत्रता संग्राम की शुरुआत हुई थी।

जनरल मोटर्स की स्थापना: 1908 में 16 सितंबर को जनरल मोटर्स निगम की स्थापना की गई थी।

पशु बढ़े, व्यवस्था घटती गई 80 फीसदी मवेशी सड़कों पर

विश्व केसरी

बिलासपुर (सुरेश सिंह बैस)। पशुपालन विभाग की पशु गणना में जिले में पालतू पशुओं की संख्या 4 लाख 14 हजार के पार पहुंचने का आंकड़ा सामने आया है। सरकारी रिकॉर्ड में ये पशु पालतू दर्ज हैं और इनकी गणना घर-घर सर्वे के आधार पर की गई है, लेकिन जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल अलग तस्वीर पेश करती है। बड़ी संख्या में मवेशी खुले में और सड़कों पर घूम रहे हैं। विभागीय आंकड़ों के मुताबिक करीब 80 प्रतिशत मवेशियों के सड़क पर आवारा घूमने से न केवल यातायात प्रभावित हो रहा है, बल्कि किसानों की फसल, बाजार और स्वयं पशुओं की सुरक्षा भी खतरे में है।

रिकॉर्ड में पालतू, सड़कों पर आवारा - पशु गणना के आंकड़ों ने खोली व्यवस्था की पोल

हर पांच साल में होने वाली पशु गणना के तहत जिले में इस वर्ष पालतू पशुओं का आंकड़ा 4 लाख 14 हजार से अधिक दर्ज किया गया है। गणना के दौरान पशुपालकों और घरों से पशुओं की जानकारी एकत्र की गई। हालांकि, गणना के आंकड़े और जमीनी स्थिति के बीच बड़ा अंतर दिखाई दे रहा है। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक बड़ी संख्या में मवेशी सड़कों, चौक-चौराहों, बाजारों और सार्वजनिक स्थानों पर विचरण करते नजर आते हैं।

सड़क पर मवेशी, हर दिन दुर्घटना का खतरा

सड़कों पर बैठे या अचानक बीच सड़क पर आ जाने वाले मवेशी वाहन चालकों के लिए गंभीर खतरा बन चुके हैं। रात के समय स्थिति और अधिक जोखिमपूर्ण हो जाती है। कई बार वाहन चालक मवेशियों को बचाने के प्रयास में दुर्घटना का शिकार हो जाते हैं। वहीं दुर्घटनाओं में पशु भी घायल होते हैं या उनकी मौत तक हो जाती है।

किसानों की फसल के साथ पशुओं को भी नुकसान

आवारा मवेशियों का सबसे अधिक असर ग्रामीण क्षेत्रों में दिखाई देता है। खेतों में घुसकर ये फसलों को नुकसान पहुंचाते हैं। किसान दिन-रात अपनी फसल की रखवाली करने को मजबूर हैं। दूसरी ओर खुले में घूमने वाले पशुओं को पर्याप्त चारा-पानी और सुरक्षित आश्रय नहीं मिलने से उनके स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

गोठान और गौशालाओं की व्यवस्था पर भी सवाल

जिले में पशुओं के संरक्षण के लिए गोठान और गौशालाओं की व्यवस्था की गई है। बावजूद इसके सड़कों पर मवेशियों की बढ़ती संख्या यह सवाल खड़ा करती है कि इन व्यवस्थाओं का लाभ वास्तव में कितने पशुओं तक पहुंच रहा है। पशुओं के पंजीयन, उनके संरक्षण और उन्हें सुरक्षित स्थान तक पहुंचाने की व्यवस्था को प्रभावी बनाने की जरूरत है।

पिछली गणना से बढ़ी पशुओं की संख्या

पिछली पशु गणना में जिले में पशुओं की संख्या करीब 96 हजार बताई गई थी। वर्तमान गणना में यह संख्या बढ़कर 4 लाख 14 हजार से अधिक हो गई है। आंकड़ों में हुई इस बड़ी वृद्धि के साथ पशुओं के संरक्षण, प्रबंधन और सड़क से हटाने की चुनौती भी बढ़ गई है।

सिर्फ गणना नहीं, जमीनी प्रबंधन भी जरूरी

पशुओं की गणना के आंकड़े तभी सार्थक होंगे, जब उनके आधार पर ठोस प्रबंधन की व्यवस्था भी सुनिश्चित हो। पशुपालकों को अपने मवेशियों को खुले में छोड़ने से रोकना, सड़कों पर घूम रहे पशुओं को सुरक्षित आश्रय उपलब्ध कराना, गौशालाओं की क्षमता और व्यवस्था बढ़ाना तथा स्थानीय निकायों और पशुपालन विभाग के बीच समन्वय स्थापित करना समय की जरूरत है। आंकड़ों में पशु बढ़ रहे हैं, लेकिन यदि उनका बड़ा हिस्सा सड़कों पर ही दिखाई देता है तो यह केवल पशुओं की संख्या बढ़ने का नहीं, बल्कि उनके प्रबंधन की व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल है।

ऋषभ विद्योदय महाविद्यालय बनाहिल में हर्षोल्लास से मना हिंदी दिवस

विश्व केसरी

अकलतरा (नीरज शर्मा)। श्री ऋषभ विद्योदय महाविद्यालय बनाहिल में हिंदी दिवस बड़े ही उत्साह के साथ मनाया गया।

कार्यक्रम में सहायक प्राध्यापक राहुल राठौर ने विद्यार्थियों को हिंदी दिवस के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि हिंदी हमारे मन की भाषा है, यह हमें अपनों से जोड़ती है और हमारी संस्कृति को सहेजे हुए है। हमें अपनी मातृभाषा से प्रेम करना चाहिए।

इस अवसर पर सहायक प्राध्यापक अनुज जैन ने भी अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि हिंदी सिर्फ बोलने की भाषा नहीं, बल्कि महसूस करने की भाषा है। हिंदी हमें विनम्रता और अपनापन सिखाती है। जब हम हिंदी में बात करते हैं तो दिल से दिल जुड़ जाता है। हमें गर्व है कि हिंदी हमारी राष्ट्रभाषा है।कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने कविता पाठ और भाषण प्रस्तुत किए। अंत में सभी ने हिंदी का सम्मान करने का संकल्प लिया।

इस कार्यक्रम में दुर्गा टण्डन, अनुज जैन, संध्या सिंह, सरिता पटेल, चंद्ररुपा कश्यप, संदीप कुर्रे, अशोक पाण्डेय, अनामिका सिंह, सुनीता पाण्डेय, पायल दास,रश्मि मरकाम, समरीन मिर्जा, राजेश, भास्कर कश्यप, विद्या जायसवाल, अविनाश चौहान,नरेंद्र पाटले,मनीष गंधर्व, आकाश दास, नीरज निर्मलकर, बृजनंदन पटेल, द्वाशराम कश्यप एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक, एनसीसी के कैडेट एवं समस्त महाविद्यालयीन छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

रायगढ़ स्टेशन व ब्रजराजनगर-रायगढ़-चांपा-बिलासपुर-भाटापारा सेक्शन में चला 48 घंटे का 'महा टिकट चेकिंग'

विश्व केसरी

बिलासपुर (मुरली राव)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल द्वारा यात्रियों को सुगम व सुविधाजनक रेल यात्रा उपलब्ध कराने, रेलवे नियमों के पालन सुनिश्चित करने तथा बिना टिकट एवं अनियमित यात्रा पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से निरंतर टिकट चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है।

इसी क्रम में दिनांक 12 एवं 13 सितम्बर 2026 को वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अनुराग कुमार सिंह के मार्गदर्शन में मंडल के रायगढ़ स्टेशन व ब्रजराजनगर-रायगढ़-चांपा-बिलासपुर-भाटापारा सेक्शन में 48 घंटे का महा टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। जिसमें वाणिज्य निरीक्षक, मुख्य टिकट निरीक्षक एवं टीटीई स्टाफ शामिल थे। इस अभियान के दौरान रायगढ़ स्टेशन व ब्रजराजनगर-रायगढ़-चांपा-बिलासपुर-भाटापारा सेक्शन से गुजरने वाली 47 ट्रेनों की सघन जांच कर कुल 733 मामलों से 6,70,155 रुपये का जुर्माना वसूला गया। जिसमें बिना टिकट यात्रा के 601 मामलों से 06 लाख 10 हजार 880 रुपये, अनियमित टिकट के 73 मामले से 52 हजार 925 रुपये तथा बिना बुक लगेज के 59 मामलों 06 हजार 350 रूपये का जुर्माना शामिल है 7

रेल प्रशासन यात्रियों से अपील करता है कि वे यात्रा प्रारंभ करने से पूर्व उचित यात्रा टिकट अवश्य लें तथा स्टेशन परिसर में प्रवेश हेतु प्लेटफॉर्म टिकट खरीदें। साथ ही गंदगी फैलाने एवं धूम्रपान न करते हुये रेलगाड़ी एवं रेलवे परिसर को स्वच्छ बनाए रखने में सहयोग करें।

गेमन पुल में बही महिला रेस्क्यू कर बचाया गया

विश्व केसरी

शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। चांपा पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि गेमन पुल (हसदेव नदी) के बीच एक अज्ञात महिला बहकर फंसी हुई है।

सूचना मिलते ही चांपा पुलिस टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुँची और स्थिति को देखते हुए स्थानीय ग्रामीणों, नाविकों तथा गोताखोरों की मदद से तुरंत राहत एवं बचाव कार्य प्रारंभ किया। कड़ी मशक्कत के बाद महिला को नदी के बीच से सुरक्षित बाहर निकाला गया। महिला जीवित अवस्था में थी, परंतु उसकी स्थिति नाजुक बनी हुई थी। पुलिस टीम ने बिना समय गंवाए उसे तत्काल उपचार हेतु बी.डी.एम. अस्पताल चांपा में भर्ती कराया। डॉक्टरों की त्वरित देखरेख और इलाज से महिला की हालत में सुधार हुआ और वह बातचीत करने की स्थिति में आई।

17 सितंबर को एक लाख दीपों से जगमगाएगा शिवरीनारायण

विश्व केसरी

शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर 17 सितंबर को शिवरीनारायण में भव्य दीपोत्सव एवं महानदी महाआरती का आयोजन किया जाएगा। जिला प्रशासन जांजगीर-चांपा एवं नगर पंचायत शिवरीनारायण के मार्गदर्शन में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम को लेकर नगर में तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

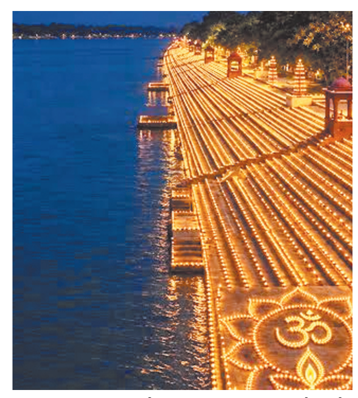

कार्यक्रम के तहत 17 सितंबर को शाम 6 बजे से महानदी महाआरती चौपाटी घाट पर 'दीप सजाओ, दीप जलाओ' प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इसमें विद्यालयों, समितियों, महिला समूहों, सामाजिक संगठनों सहित नगरवासी भाग ले सकेंगे। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र एवं पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। अन्य प्रतिभागियों को भी सांत्वना पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया जाएगा।

इस अवसर पर महानदी तट पर एक लाख दीप प्रज्ज्वलित एवं दीपदान का भव्य आयोजन होगा। श्रद्धालु अपने हाथों में दीप लेकर महानदी महाआरती में शामिल होंगे तथा महाआरती के पश्चात मां महानदी में सामूहिक दीपदान किया जाएगा। एक लाख दीपों से महानदी का तट जगमगाने के साथ ही शिवरीनारायण का वातावरण भक्तिमय और आकर्षक नजर आएगा। नगरवासियों से अपील की गई है कि वे अपने-अपने घरों, दुकानों एवं प्रतिष्ठानों में अधिक से अधिक दीप प्रज्ज्वलित कर इस दिन को उत्सव के रूप में मनाएं। साथ ही शाम 6 बजे महानदी महाआरती चौपाटी घाट पहुंचकर दीप सजाओ-दीप जलाओ प्रतियोगिता, महानदी महाआरती एवं दीपदान में सहभागी बनें। कार्यक्रम में जिले के जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों, सामाजिक संगठनों, कार्यकर्ताओं एवं क्षेत्रवासियों सहित बड़ी संख्या में नगरवासियों के शामिल होने की उम्मीद है। आयोजकों ने सभी से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस भव्य आयोजन को ऐतिहासिक एवं यादगार बनाने की अपील की है।

दीदी ई-रिक्शा सहायता योजना से गंगा साहू बनीं आत्मनिर्भर

विश्व केसरी

बिलासपुर (मुरली राव)। बिलासपुर की रहने वाली गंगा साहू के जीवन में छत्तीसगढ़ शासन के श्रम विभाग द्वारा संचालित ''दीदी ई-रिक्शा सहायता योजना'' ने सकारात्मक बदलाव लाया है। योजना का लाभ मिलने से अब वे न केवल आत्मनिर्भर बनी हैं, बल्कि अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

योजना का लाभ मिलने से पहले गंगा साहू गृहणी थीं। उनका अधिकांश समय बच्चों की देखरेख और घर-गृहस्थी के कार्यों में व्यतीत होता था। परिवार की जिम्मेदारियों के बीच स्वयं की आय का कोई साधन नहीं था। ऐसे में श्रम विभाग की दीदी ई-रिक्शा सहायता योजना उनके लिए नई उम्मीद लेकर आई। शासन से प्राप्त सहायता के माध्यम से उन्हें ई-रिक्शा उपलब्ध हुआ। ई-रिक्शा संचालन से अब वे नियमित रूप से रोजगार प्राप्त कर अपनी आमदनी अर्जित कर रही हैं। इससे उनमें आत्मविश्वास बढ़ा है और वे आर्थिक रूप से सशक्त होकर परिवार की जरूरतों को पूरा करने में सहयोग दे रही हैं।

जांजगीर लोकसभा सांसद कमलेश जांगड़े ने फीता काटकर एवं श्रीफल फोड़कर कार्यालय का शुभारंभ

विश्व केसरी

सक्ती (ईश्वर लोधी)। अध्यक्षता एवं विशिष्ट अतिथि: कार्यक्रम की अध्यक्षता सक्ती जिले के पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल ठाकुर ने की। विशिष्ट अतिथियों में नगर पालिका अध्यक्ष श्याम सुंदर अग्रवाल, प्रथम पदयात्री मांगेराम अग्रवाल, भाजपा जिला अध्यक्ष टिकेश्वर गबेल, प्रेम पटेल, कन्हैया गोयल एवं चंद्रकुमार सोनी भगत शर्मा, कपिल शर्मा, रामनारायण गौतम,शामिल थे।

स्थान व पूजा-विधान: महाराजा अग्रसेन शॉपिंग कॉम्प्लेक्स (नगर पालिका के समीप) में स्थित कार्यालय का उद्घाटन पंडित भोला शंकर तिवारी एवं आचार्य राजेंद्र शर्मा द्वारा विधि-विधान से पूजा-अर्चना के बाद हुआ।

पदयात्रा का महत्व: वक्ताओं ने सक्ती से चंद्रपुर तक पिछले 27 वर्षों से निरंतर आयोजित की जा रही इस पदयात्रा को आस्था, श्रद्धा और सामाजिक एकजुटता का प्रतीक बताया।

आयोजक व उपस्थिति: समिति के संयोजक श्याम सुंदर अग्रवाल (चूड़ी वाले) एवं अन्य सदस्यों (संतोष साव, राकेश टंडन, रघु मीरी, अमित देवांगन आदि) संतोष देवांगन, राहुल अग्रवाल, हरीश कालू, कालू रघुनाथ, की मौजूदगी में सभी अतिथियों का दुपट्टा व स्मृति चिन्ह से स्वागत किया गया तथा स्वल्पाहार की व्यवस्था की गई।

जिले में 20 चिन्हांकित स्थानों पर खुलेंगे आधार पंजीयन केंद्र

विश्व केसरी

बिलासपुर (सुरेश सिंह बैस)। जिले के चिन्हांकित शासकीय स्थानों पर आधार पंजीयन केंद्रों का संचालन किया जाना है। इसके लिए जिला ई-गवर्नेंस सोसायटी बिलासपुर द्वारा आधार केंद्र संचालकों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक अभ्यर्थी 16 सितंबर से 30 सितंबर 2026 तक कार्यालयीन समय में बंद लिफाफे में आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।

जारी सूचना के अनुसार जिले में कुल 20 आधार किट के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इनमें जनपद पंचायत बिल्हा क्षेत्र में 3, कोटा में 8, तखतपुर में 3 तथा मस्तूरी में 6 आधार केंद्र शामिल हैं। आधार केंद्र संचालक के लिए प्रमुख पात्रताएं निर्धारित की गई हैं। आवेदक का किसी मान्यता प्राप्त संस्था से 12वीं कक्षा उत्तीर्ण अथवा 2 वर्षीय आईटीआई या 3 वर्षीय डिप्लोमा उत्तीर्ण होना आवश्यक है। 1 जुलाई 2026 की स्थिति में न्यूनतम 18 वर्ष की आयु पूर्ण होना चाहिए। साथ ही कंप्यूटर का बुनियादी ज्ञान होना आवश्यक है तथा न्यूनतम एमएस ऑफिस/डिग्री-डिप्लोमा संबंधी वैध प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा। इसके अलावा यू आई डी ए आई के नवीन दिशा-निर्देशों के अनुसार एनएसइआईटीवी से वैध आधार सुपरवाइजर/ऑपरेटर प्रमाण-पत्र होना आवश्यक है। एनरोलमेंट एजेंसी कोड 2084 एवं 4082 से आधार सुपरवाइजर/ ऑपरेटर परीक्षा प्रमाण-पत्र धारक अभ्यर्थी आवेदन के लिए पात्र होंगे।

श्रीमद्भागवत कथा के द्वितीय दिवस ब्रह्मांड की उत्पत्ति विदुर-मैत्रेय संवाद एवं कपिलोपाख्यान का हुआ भावपूर्ण वर्णन

विश्व केसरी

अकलतरा (नीरज शर्मा)। कान्हा राइस प्रोडक्ट, झलमला रोड नरियरा में जिंदल परिवार अकलतरा, कापन, खरसिया एवं रॉबर्टसन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के द्वितीय दिवस श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक चेतना का मनोहारी वातावरण रहा। कथा व्यास अनुराग कृष्ण शास्त्री ने व्यास पीठ से भागवत के महत्वपूर्ण प्रसंगों का सरल, रोचक एवं भावपूर्ण वर्णन करते हुए श्रद्धालुओं को भक्ति और ज्ञान का महत्व समझाया।

द्वितीय दिवस ब्रह्मांड की उत्पत्ति, भगवान के विराट स्वरूप का प्राकट्य, विदुर-मैत्रेय संवाद एवं कपिलोपाख्यान प्रमुख प्रसंग रहे। कथा व्यास ने सृष्टि की उत्पत्ति का वर्णन करते हुए कहा कि समस्त चराचर जगत परमात्मा की दिव्य सत्ता से संचालित है। भगवान का विराट स्वरूप संपूर्ण सृष्टि को अपने भीतर समाहित किए हुए है तथा प्रकृति के पंचतत्व सहित प्रत्येक जीव में उसी परम शक्ति का अंश विद्यमान है।विदुर-मैत्रेय संवाद के माध्यम से उन्होंने बताया कि सच्चे ज्ञान की प्राप्ति के लिए अहंकार का त्याग कर संतों एवं ज्ञानीजनों की शरण लेना आवश्यक है। वहीं कपिलोपाख्यान में भगवान कपिल और माता देवहूति के प्रसंग के माध्यम से भक्ति, ज्ञान और आत्मचिंतन का महत्व बताया गया। उन्होंने कहा कि वास्तविक सुख भौतिक साधनों में नहीं, बल्कि आत्मिक शांति और परमात्मा की भक्ति में निहित है।आयोजन स्थल पर श्रद्धालुओं के लिए विशाल पंडाल, बैठक, पार्किंग एवं प्रसाद वितरण सहित आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। आयोजन समिति के ताराचंद अग्रवाल एवं कन्हैया अग्रवाल ने बताया कि आगामी कथा में सती चरित्र, ध्रुव चरित्र, जड़ भरत एवं प्रहलाद चरित्र का भावपूर्ण वर्णन किया जाएगा।इस अवसर पर मनोज अग्रवाल, गौरव अग्रवाल, सुनील अग्रवाल, आनंद अग्रवाल, विजय अग्रवाल, तरुण अग्रवाल, शुभम अग्रवाल, निखिल अग्रवाल, राहुल अग्रवाल सहित जिंदल परिवार, आयोजन समिति के सदस्य एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

एचपीवी टीकाकरण के लिए सभी को करे जागरूक-सीएमएचओ पूजा अग्रवाल

विश्व केसरी

सक्ती (ईश्वर लोधी)। सीएमएचओ श्रीमती पूजा अग्रवाल ने जिलेवासियों एवं सभी अभिभावकों से एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) टीकाकरण को लेकर जागरूकता रखने तथा अपने बच्चों को निर्धारित आयु एवं स्वास्थ्य विभाग के दिशा-निर्देशों के अनुसार एचपीवी का टीका लगवाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि एचपीवी एक ऐसा वायरस है, जिसके संक्रमण से भविष्य में सर्वाइकल कैंसर (गर्भाशय ग्रीवा का कैंसर) जैसी गंभीर बीमारी होने का खतरा बढ़ सकता है। इस बीमारी से बचाव की दिशा में एचपीवी वैक्सीन एक सुरक्षित एवं प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा कि समय पर टीकाकरण कराकर बच्चों को भविष्य में होने वाले एचपीवी संक्रमण से बचाव की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया जा सकता है।

उन्होंने सभी माता-पिता एवं अभिभावकों से आग्रह करते हुए कहा कि जब विद्यालय अथवा नजदीकी स्वास्थ्य केंद्रो में एचपीवी टीकाकरण अभियान आयोजित किया जाए, तो वे बिना किसी डर, भ्रम या संकोच के अपने बच्चों को टीका अवश्य लगवाएं। टीकाकरण को लेकर किसी भी प्रकार की अफवाह या भ्रामक जानकारी पर विश्वास न करें तथा किसी भी शंका की स्थिति में नजदीकी स्वास्थ्य कार्यकर्ता, एएनएम, आशा कार्यकर्ता अथवा चिकित्सा अधिकारी से संपर्क कर सही एवं प्रमाणित जानकारी प्राप्त करें।

सीएमएचओ ने कहा कि बच्चों का स्वस्थ भविष्य हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। एचपीवी टीकाकरण के प्रति जागरूकता बढ़ाकर हम सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। उन्होंने जिले के सभी अभिभावकों, विद्यालयों, शिक्षकों, स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं एवं आम नागरिकों से एचपीवी टीकाकरण अभियान में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने की अपील की है।

शेयर बाजार में भारी गिरावट, निवेशक बेहाल

विश्व केसरी

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार के कारोबारी सत्र में लाल निशान में बंद हुआ। दिन के अंत में सेंसेक्स 777.94 अंक या 1.04 प्रतिशत गिरकर 74,003.82 और निफ्टी 279.50 अंक या 1.19 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,118.60 पर था।

बाजार में सबसे अधिक गिरावट डिफेंस और रियल्टी स्टॉक्स में देखी गई। सूचकांकों में निफ्टी इंडिया डिफेंस 5.96 प्रतिशत और निफ्टी रियल्टी 4.04 प्रतिशत की गिरावट के साथ टॉप लूजर था। इसके बाद निफ्टी मेटल 2.54 प्रतिशत, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 2.41 प्रतिशत, निफ्टी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग 2.40 प्रतिशत, निफ्टी पीएसई 2.29 प्रतिशत, निफ्टी पीएसयू बैंक 2.29 प्रतिशत और निफ्टी मीडिया 2.17 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ।

सूचकांकों में केवल निफ्टी आईटी ही 2.19 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ -

लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी बिकवाली देखने को मिली। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 1,318.95 अंक या 2.12 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 60,878.25 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 483.85 अंक या 2.43 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 19,422.45 पर था। सेंसेक्स पैक में एचसीएल टेक, इन्फोसिस, टेक महिंद्रा, टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, एचयूएल और टाटा स्टील गेनर्स थे। बीईएल, इंडिगो, टाइटन, बजाज फिनसर्व, एमएंडएम, एसबीआई, ट्रेंट, एशियन पेंट्स, बजाज फाइनेंस, इटरनल, अल्ट्राटेक सीमेंट, एक्सिस बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, पावर ग्रिड, आईसीआईसीआई बैंक, एलएंडटी, मारुति सुजुकी,एनटीपीसी और आईटीसी लूजर्स थे। बाजार के जानकारों ने कहा कि सत्र के दौरान घरेलू बाजार दबाव में रहे, इसकी वजह कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और ग्लोबल बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी होना था।

उन्होंने आगे निवेशकों को चेतावनी देते हुए कहा कि इस हफ्ते होने वाली अहम सेंट्रल बैंक की बैठकों से पहले निवेशक सतर्क रहे, क्योंकि बड़ी अर्थव्यवस्थाओं द्वारा पॉलिसी को और सख्त किए जाने की उम्मीदें बढ़ रही हैं। लंबे समय तक ऊंची ब्याज दरों के माहौल (खासकर अमेरिका में) को लेकर चिंताओं ने ट्रेजरी यील्ड को कई सालों के उच्चतम स्तर के करीब बनाए रखा और लगातार विदेशी निवेश की निकासी के बीच उभरते बाजारों के सेंटीमेंट को कमजोर किया।

आरबीआई को वीआरआरआर नीलामी में 3.93 लाख करोड़ रुपए की बोलियां मिलीं

विश्व केसरी

मुंबई। बैंकिंग प्रणाली में अतिरिक्त नकदी के बीच भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा शुरू किए गए वैरिएबल रेट रिवर्स रेपो (वीआरआरआर) को नीलामी में 3,93,352 करोड़ रुपए की बोलियां मिली हैं।

आरबीआई की ओर से जारी बयान के अनुसार, केंद्रीय बैंक को 5 लाख करोड़ रुपए की अधिसूचित राशि के मुकाबले 3,93,352 करोड़ रुपए की बोलियां मिलीं और उसने 5.24 प्रतिशत की कट-ऑफ और भारित औसत दर पर सभी बोलियों को स्वीकार कर लिया।

आरबीआई पिछले एक महीने से बैंकिंग प्रणाली से अतिरिक्त नकदी को अवशोषित करने और ओवरनाइट मनी मार्केट दरों को रेपो दर के अनुरूप बनाए रखने के लिए वीआरआरआर नीलामियां आयोजित कर रहा है।

11 सितंबर तक बैंकिंग प्रणाली में अतिरिक्त नकदी का अनुमान लगभग 10.73 लाख करोड़ रुपए था। बैंकों द्वारा विदेशी मुद्रा

अनिवासी (एफसीएनआर-बी) जमा की भारी मात्रा में जुटाई गई राशि के बाद बैंकिंग प्रणाली में नकदी सरप्लस में चली गई है।

इसके अलावा, आरबीआई ने पिछले सप्ताह नकदी को अवशोषित करने के लिए तीन चरणों में 1 लाख करोड़ रुपए मूल्य की सरकारी प्रतिभूतियों की ओपन मार्केट ऑपरेशन (ओएमओ) बिक्री की घोषणा की थी। पहली ओएमओ नीलामी 50,000 करोड़ रुपए की होगी, जो 17 सितंबर को निर्धारित है। इसके बाद 21 सितंबर और 28 सितंबर को 25,000-25,000 करोड़ रुपए की दो नीलामियां होंगी। केंद्रीय बैंक के ये नकदी प्रबंधन उपाय ऐसे समय में किए जा रहे हैं जब वह बैंकिंग प्रणाली में अतिरिक्त धनराशि का प्रबंधन करते हुए अल्पकालिक मनी मार्केट दरों को अपनी नीतिगत दर के अनुरूप बनाए रखना चाहता है। इससे पहले सितंबर में केंद्रीय बैंक ने बैंकिंग प्रणाली से अतिरिक्त नकदी को अवशोषित करने के लिए एक दिन की अवधि वाली ओवरनाइट वैरिएबल रेट रिवर्स रेपो (वीआरआरआर) नीलामी के जरिए 3.53 लाख करोड़ रुपये से अधिक जुटाए थे।

बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा पर कानून प्रवर्तन एजेंसियों को देना होगा रिपोर्ट

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारत सरकार सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर हानिकारक जानकारी पर रोक लगाने के लिए लगातार काम कर रही है। बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा किसी भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के भारत में काम करने के लिए एक मौलिक सिद्धांत है और यह गैर-समझौता योग्य है।

इसी दिशा में मेटा ने बाल सुरक्षा से संबंधित मामलों को संबंधित कानून प्रवर्तन एजेंसियों को रिपोर्ट करने पर सहमति जताई है। यह प्लेटफॉर्म को बच्चों के लिए सुरक्षित बनाने की दिशा में पहला कदम है और अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है।

सरकार अन्य प्लेटफॉर्म के साथ भी लगातार संपर्क में है ताकि ऐसी सामग्री की सक्रिय रूप से पहचान की जा सके और उसे हटाया जा सके। सरकार ने साफ कहा है कि जो प्लेटफॉर्म बच्चों की सुरक्षा

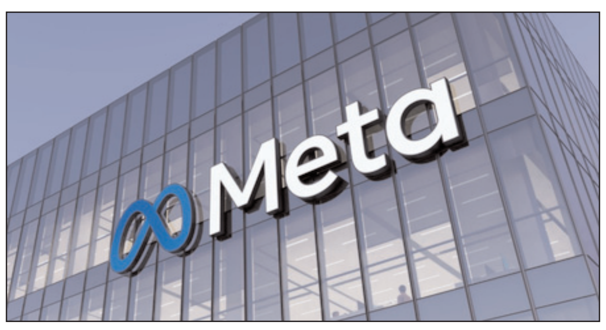

के लिए सक्रिय कदम नहीं उठाएंगे, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

इससे पहले 18 अगस्त को एक रिपोर्ट में कहा गया था कि इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय और मेटा के बीच हुई चर्चाओं का मुख्य फोकस उन अवैध सामग्रियों के प्रबंधन पर रहा है जिन्हें एक बार हटाए जाने के बाद फिर से प्लेटफॉर्म पर साझा किया जाता है। सरकार का मानना है कि केवल सामग्री हटाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसके दोबारा प्रसार को भी रोकना आवश्यक है। मेटा ने इस दिशा में कई कदम उठाने शुरू किए हैं और कंपनी विशेष रूप से सतर्क है, क्योंकि बाल यौन शोषण सामग्री भारतीय कानून के तहत गंभीर अपराध की श्रेणी में आती है।

कंपनी ऐसे मामलों की पहचान, हटाने और पुन: अपलोड को रोकने के लिए अपनी प्रणालियों को और मजबूत कर रही है। रिपोर्ट में कहा गया था कि कंपनी उन मामलों पर भी काम कर रही है, जिनमें पहले चिह्नित और हटाई जा चुकी सामग्री किसी नए रूप या अलग माध्यम से दोबारा प्लेटफॉर्म पर दिखाई देती है। इसके लिए उन्नत तकनीकी प्रणालियों और पहचान तंत्र का उपयोग किया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, केंद्र सरकार ने मेटा सहित डिजिटल मंचों को स्पष्ट किया है कि यदि वे लागू भारतीय कानूनों का पालन नहीं करते हैं, तो उन्हें 'सेफ हार्बर' सुरक्षा का लाभ नहीं मिल सकता। यह सुरक्षा सामान्यत: डिजिटल मंचों को उपयोगकर्ताओं द्वारा साझा की गई सामग्री के लिए सीमित कानूनी संरक्षण प्रदान करती है।

अधिकारियों ने यह भी स्पष्ट किया था कि सरकार का उद्देश्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सेंसरशिप लागू करना नहीं है। सरकार का मुख्य ध्यान इस बात पर है कि डिजिटल मंच भारतीय कानूनों और नियमों का पालन सुनिश्चित करें। सरकार का मानना है कि डिजिटल मंचों को सामाजिक हित और संभावित नुकसान के बीच संतुलन स्थापित करना चाहिए।

भारत की थोक ऑटोमोबाइल बिक्री ने अगस्त 2026 में बनाया रिकॉर्ड, सेल्स 36.5 प्रतिशत बढ़ी

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारत की थोक ऑटोमोबाइल बिक्री अगस्त 2026 में रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई है। इसकी वजह जीएसटी 2.0 के आने के चलते अगस्त 2025 का छोटा आधार और अच्छी मांग थी। यह जानकारी सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरिंग (सियाम) की ओर से मंगलवार को दी गई।

ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री बॉडी के डेटा में बताया गया कि अगस्त 2026 में यात्री वाहनों, तिपहिया और दोपहिया वाहनों की बिक्री रिकॉर्ड उच्च स्तर पर रही है।

समीक्षा अवधि में यात्री वाहनों की कुल बिक्री 4,39,309 यूनिट्स रही है, जो कि सालाना आधार पर 36.5 प्रतिशत की वृद्धि को दिखाता है। तिपहिया वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 22.8 प्रतिशत बढ़कर 93,764 यूनिट्स हो गई है। दोपहिया वाहनों की बिक्री सालाना

आधार पर 10.5 प्रतिशत बढ़कर 20,34,698 यूनिट्स हो गई है।

सियाम के डायरेक्टर जनरल राजेश मेनन ने कहा, 'भारत का ऑटोमोबाइल उद्योग जबरदस्त ग्रोथ के दौर से गुजर रहा है। अगस्त 2026 में हुई ग्रोथ को पिछले साल के कम बेस का भी सहारा मिला है।'

मेनन ने कहा कि मांग का माहौल बुनियादी तौर पर मजबूत बना हुआ है। ग्राहकों का मजबूत भरोसा, ग्रामीण बाजारों की मजबूती और बेहतर होती फाइनेंसिंग की स्थितियां सभी कैटेगरी में ऑटोमोबाइल की मांग को बढ़ावा दे रही हैं।

मेनन ने कहा, 'त्योहारी सीजन की मांग से भी अतिरिक्त बढ़ावा मिलने की उम्मीद है, जिससे दूसरी तिमाही के नतीजे अच्छे रहेंगे।'

सियाम के आंकड़ों के अनुसार, अगस्त 2026 में पैसेंजर गाड़ियों, तिपहिया वाहनों, दोपहिया वाहनों और क्वाड्रीसाइकिल का कुल प्रोडक्शन 31,57,822 यूनिट्स रहा।

इस बीच, पिछले महीने भारत की ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री ने जुलाई में अब तक का सबसे अच्छा बिक्री प्रदर्शन दर्ज किया, जिसमें पैसेंजर गाड़ियों, दोपहिया और तिपहिया वाहनों की सप्लाई में जबरदस्त दो-अंकों की बढ़ोतरी हुई।

सियाम के आंकड़ों के अनुसार, मैन्युफैक्चरर्स से डीलरों को घरेलू पैसेंजर गाड़ियों की आपूर्ति पिछले साल के इसी महीने में 3,40,772 यूनिट्स के मुकाबले 34.3 प्रतिशत बढ़कर जुलाई में 4,57,810 यूनिट्स हो गई।

वहीं, पिछले महीने दोपहिया वाहनों की बिक्री एक साल पहले के 15,69,120 यूनिट्स से 22.6 प्रतिशत बढ़कर 19,23,483 यूनिट्स हो गई, जबकि तिपहिया वाहनों की आपूर्ति में भी अच्छी बढ़ोतरी हुई और यह जुलाई 2025 में 69,403 यूनिट्स के मुकाबले 33.4 प्रतिशत बढ़कर 92,560 यूनिट्स हो गई।

किसानों के लिए वरदान हैं 3 सरकारी योजनाएं मिलता है सालाना 5 लाख तक लोन का लाभ

विश्व केसरी

नई दिल्ली। किसानों की आय बढ़ाने और उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए केंद्र सरकार कई योजनाएं संचालित कर रही है। इनमें कुछ ऐसी योजनाएं भी हैं जो किसानों को सीधे वित्तीय सहायता, वृद्धावस्था में पेंशन और खेती के लिए आसान ऋण जैसी सुविधाएं प्रदान करती हैं। हालांकि, जानकारी के अभाव में आज भी कई पात्र किसान इन योजनाओं का पूरा लाभ नहीं उठा पाते। ऐसे में अगर आप खेती करते हैं, तो आज हम आपको सरकार की तीन ऐसी योजनाओं के बारे में बताने जा रहे हैं, जो आपके बहुत काम आ सकती हैं।

दरअसल, हम किसानों से संबंधित जिन योजनाओं की बात कर रहे हैं वो हैं-प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, प्रधानमंत्री किसान मानधन योजना और किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी), जो आपके लिए बड़े काम की साबित हो सकती हैं।

सबसे पहले बात करते हैं पीएम किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना की। पीएम-किसान देश की सबसे लोकप्रिय किसान योजनाओं में शामिल है। इस योजना के तहत पात्र भूमिधारक किसानों को हर वर्ष 6,000 रुपए की आर्थिक सहायता दी जाती है। यह राशि किसानों के बैंक खातों में 2,000 रुपए की तीन समान किस्तों में सीधे हस्तांतरित की जाती है।

योजना का उद्देश्य किसानों

को खेती और घरेलू जरूरतों के लिए अतिरिक्त आर्थिक मदद उपलब्ध कराना है। इसका लाभ उन किसानों को मिलता है जिनके नाम पर खेती योग्य जमीन दर्ज है। योजना का पैसा प्राप्त करने के लिए ई-केवाईसी, आधार से बैंक खाते की लिंकिंग और भूमि रिकॉर्ड का सत्यापन अनिवार्य है।

पीएम-किसान योजना का लाभ केवल पात्र भूमिधारक किसान परिवारों को दिया जाता है। संस्थागत भूमिधारक इसके पात्र नहीं होते। इसके अलावा, जिन परिवारों में कोई सदस्य आयकरदाता है, उन्हें भी इस योजना का लाभ नहीं मिलता।

डॉक्टर, इंजीनियर, वकील, चार्टर्ड अकाउंटेंट और आर्किटेक्ट जैसे पंजीकृत पेशेवर भी योजना की अपात्र श्रेणी में आते हैं। इसलिए आवेदन से पहले पात्रता की शर्तों को समझना जरूरी है।

दूसरी योजना है-प्रधानमंत्री किसान मानधन योजना। छोटे और सीमांत किसानों को बुढ़ापे में आर्थिक सुरक्षा उपलब्ध कराने के लिए केंद्र सरकार यह योजना संचालित करती है। इस योजना के तहत 60 वर्ष की आयु पूरी होने के बाद पात्र किसानों को प्रति माह 3,000 रुपए पेंशन दी जाती है।

योजना से जुड़ने के समय किसान की उम्र 18 से 40 वर्ष के बीच होनी चाहिए और उसके पास अधिकतम 2 हेक्टेयर तक खेती योग्य भूमि होनी चाहिए। किसान को अपनी उम्र के अनुसार हर महीने 55 रुपए से 200 रुपए तक का योगदान करना होता है। खास बात यह है कि किसान जितनी राशि जमा करता है, उतनी ही राशि केंद्र सरकार भी उसके पेंशन खाते में योगदान के रूप में जमा करती है। इस योजना में पारिवारिक पेंशन का भी प्रावधान है। यदि पेंशन प्राप्त कर रहे किसान का निधन हो जाता है, तो उसके जीवनसाथी को नियमों के अनुसार पेंशन राशि का 50 प्रतिशत हिस्सा पारिवारिक पेंशन के रूप में दिया जाता है। इससे परिवार को भी आर्थिक सुरक्षा मिलती है।

भारत का वस्तु निर्यात अगस्त में 26 प्रतिशत बढ़ा, व्यापार घाटे में आई कमी

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारत का वस्तु निर्यात अगस्त में सालाना आधार पर 26.1 प्रतिशत बढ़कर 43.81 अरब डॉलर हो गया है। यह निर्यात में देश का अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन है। यह इस बात की भी पुष्टि करता है कि देश का निर्यात क्षेत्र लगातार मजबूत प्रदर्शन कर रहा है। यह जानकारी सरकार की ओर से मंगलवार को दी गई।

इस दौरान देश के व्यापार घाटे में भी कमी देखने को मिली है, जो कि अगस्त में 26.86 अरब डॉलर पर रहा है, जो कि एक साल पहले समान अवधि में 27.22 अरब डॉलर पर था। इस साल जुलाई में व्यापार घाटा 32 अरब डॉलर था। अगस्त में वस्तु आयात सालाना आधार पर 26 प्रतिशत

बढ़कर 72.67 अरब डॉलर पर रहा है, जो कि इस साल जुलाई में 76.22 अरब डॉलर था। मासिक आधार पर अगस्त में निर्यात में भी कमी दर्ज की गई है, जो कि जुलाई में 44.24 अरब डॉलर पर था। वाणिज्य मंत्रालय में सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा, 'निर्यात में बढ़ोतरी इंजीनियरिंग के सामान, पेट्रोलियम उत्पादों, केमिकल और टेक्सटाइल की वजह से हुई और इनकी सबसे ज्यादा मांग अमेरिका, ईयू और ब्रिक्स देशों से थी।'

आंकड़ों के मुताबिक, इस साल अगस्त में सोने का आयात गिरकर 2.3 अरब डॉलर रह गया, जो अगस्त 2025 के 5.4 अरब डॉलर के आंकड़े से आधे से भी कम था।

आरबीआई के इस महीने की शुरुआत में जारी आंकड़ों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में भारत का चालू खाता घाटा (सीएडी) 4.2 अरब डॉलर रहा। पश्चिमी एशिया संकट के कारण ग्लोबल मार्केट में तेल, एलपीजी और फर्टिलाइजर की कीमतें बढ़ने के बावजूद यह जीडीपी का 0.5 प्रतिशत बना रहा।

दुबई जा रही स्पाइसजेट की उड़ानों में विलंब यात्रियों ने एयरपोर्ट पर किया हंगामा

विश्व केसरी

नई दिल्ली। दिल्ली से दुबई जा रही स्पाइसजेट की दो उड़ानों में लंबी देरी होने के कारण (एक उड़ान में 24 घंटे से अधिक की देरी) यात्रियों ने एयरपोर्ट पर हंगामा किया। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई।

एनडीटीवी की रिपोर्ट के मुताबिक, सोमवार सुबह 7:45 बजे उड़ान भरने वाली फ्लाइट एसजी 5111 के लिए कई बार देरी से उड़ने का ऐलान किया गया और खबर लिखे जाने तक यह उड़ान नहीं भर पाई थी, जो दिखाता है कि उड़ान में 24 घंटे से ज्यादा की देरी हो गई है।

हालांकि, अब फ्लाइट ट्रैकिंग प्लेटफॉर्म फ्लाइटरडार 24 पर यह उड़ान रद्द दिखाई दे रही है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि एक और फ्लाइट (एसजी 5105), जिसे सोमवार

शाम 6:45 बजे दिल्ली से दुबई के लिए उड़ान भरनी थी, उसे मंगलवार दोपहर तक के लिए टाल दिया गया।

इसके अलावा, यात्रियों ने कहा कि उन्हें एयरलाइन से कोई ताजा जानकारी नहीं मिली। साथ ही, सोशल मीडिया पर एयरपोर्ट के वायरल वीडियो में फंसे हुए यात्रियों को टर्मिनल के फर्श पर बैठे और अपनी उड़ान के बारे में जानकारी मांगते हुए देखा गया।

रिपोर्ट के मुताबिक, सूत्रों ने बताया कि दिल्ली एयरपोर्ट के अधिकारियों ने प्रभावित यात्रियों को खाने-पीने की चीजें दीं और परेशानी के दौरान उनकी मदद की।

इसके अलावा, एक एक्स यूजर ने पोस्ट किया, 'ऑपरेशनल दिक्कतों की वजह से दुबई जाने वाली स्पाइसजेट की दो फ्लाइट्स में 24 घंटे से ज्यादा की देरी हुई, जिसके बाद दिल्ली एयरपोर्ट पर यात्रियों ने विरोध किया। फंसे हुए यात्री टर्मिनल के फर्श पर इंतजार करते रहे, जबकि अधिकारियों ने उन्हें खाना और ड्रिंक्स उपलब्ध कराए।'

स्पाइसजेट ने कहा कि देरी ऑपरेशनल दिक्कतों की वजह से हुई, क्योंकि उसका एक विमान ग्राउंड कर दिया गया था।

एयरलाइन ने एक बयान में कहा, 'एक विमान के ग्राउंड होने के बाद ऑपरेशनल कारणों से दिल्ली से दुबई जाने वाली स्पाइसजेट की फ्लाइट्स एसजी 5111 और एसजी 5105 में देरी हुई है।'

हजारों साल तक हिन्दू और बौद्धों का देश था मालदीव, आज 100 % मुसलमान, बीच वैकेशन पर जाएं तो जरूर देखें सनातन संस्कृति के चिन्ह

जब भी कोई भारतीय मालदीव का प्लान बनाता है तो उसकी जेहन में लग्जरी रिसॉर्ट्स और खूबसूरत बीच ही होते हैं. लेकिन आपको जानकार हैरानी होगी कि मालदीव के द्वीपों में हजार साल पुराना सनातन इतिहास छुपा हुआ है. यह देश पहले हिन्दू और बौद्धों का देश था लेकिन करीब साढ़े 800 साल पहले यहां से बौद्धों का रक्तपात किया गया और पूरा देश में इस्लामिक संस्कृति के आगोश में समा गया. जब भी आप मालदीव जाएं तो इन ऐतिहासिक चिन्हों को जरूर देखें.

मालद्वीप 1200 टापूओं का देश है. इनमें कुछ पर ही मानव का बसेरा है. अगर समंदर का जलस्तर थोड़ा सा भी ऊंचा उठा तो यह देश समंदर में ही समा जाएगा. यहां की आबादी महज 4 लाख है. 12 वीं सदी में यहां इस्लाम का फैलना शुरू हुआ था. 1965 में यह देश अंग्रेजों से आजाद हुआ. पिछले कुछ सालों को छोड़ दें तो मालदीव हमेशा से भारत की छत्रछाया में ही रहा है. वर्तमान में मालदीव इस्लामी संस्कृति का 900वां सालगिरह मना रहा है. ऐसा लग रहा है कि यहां सदियों से यहां इस्लाम की ही जड़ें थीं. पर वास्तव में ऐसा है नहीं. आप जिस देश में बीच वेकेशन और खूबसूरत रिजॉर्ट का आनंद लेने जाते हैं दरअसल, वहां सनातन और बौद्ध धर्म की गहरी जड़ें मौजूद हैं. मालदीव का इतिहास कभी भी भारतीय संस्कृति से अलहदा नहीं हो सकता है. सनानत संस्कृति अपने प्रारंभ से ही वहां मौजूद थी. यहां तक कि सिंधु घाटी सभ्यता से भी मालदीव का तार जुड़ा हुआ है. इस स्टोरी का उद्येश्य यह है कि जब भी आप मालदीव जाते हैं तो वहां के समंदर किनारे की खूबसूरती और रिजॉर्ट की लग्जरी में हो खोए रहते हैं, कभी ध्यान नहीं आता कि यह देश भी हिन्दू और बौद्धों का ही था. इसलिए आज आपको हम इसके बारे में सारी तथ्यात्मक जानकारी दे रहे हैं ताकि जब आप वहां जाए तो अपनी संस्कृति के चिन्हों का दीदार करें.

माला की तरह पिरोए द्वीप

पहले जानते हैं कि मालदीव का नाम कैसे पड़ा. मालदीव का नाम पूरी तरह से संस्कृत शब्द से आया है. हालांकि मालदीव का प्राचीन नाम महिलाद्वीप था. ऐसा कहा जाता है कि महिला शासिकाओं द्वारा संचालित देश के कारण इसे महिलाद्वीप कहा जाता था. कुछ ग्रंथों में इसका नाम मालाशिखर भी है. अरब यात्री बाद में इसे दिवि या दीबात नाम दिया लेकिन जब यहां पर तमिल और चोल शासकों का प्रभाव हुआ तो इसे माले द्वीप कहा जाने लगा. यह शब्द संस्कृत और तमिल में लगभग समान है जिसका अर्थ है माला की तरह पिरोया एक द्वीपों का समूह. आज भी जब आप इसका नक्शा देखेंगे तो ऐसा लगेगा कि 1200 द्वीपों का यह समूह एक माला की तरह आकृति बनाता है. माला द्वीप अंततः मालदीव बन गया.

सिंधुघाटी सभ्यता का हिस्सा

यह एक निर्विवाद और ऐतिहासिक तथ्य है कि 12वीं शताब्दी में इस्लाम के आने से पहले मालदीव मुख्य रूप से बौद्ध धर्म और उससे पूर्व प्राचीन हिंदू धर्म और उससे पहले सिंधु घाटी सभ्यता का हिस्सा था. 17वीं सदी में अल्लामा अहमद शहाबुद्दीन ने अरबी में लिखी अपनी किताब 'फी आथार मीधू अल-कादिमा' में लिखा था ।

ऑस्ट्रेलिया के वैज्ञानिकों की बड़ी उपलब्धि, स्टेम सेल से तैयार किया हृदय वाल्व टिशू

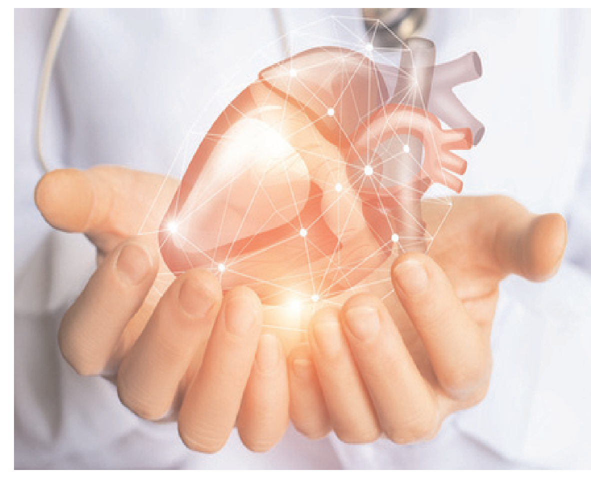

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के वैज्ञानिकों ने चिकित्सा जगत में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। टीम ने स्टेम सेल से इंसानी हृदय के वाल्व जैसा ऊतक (टिशू) तैयार किया है। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह तकनीक भविष्य में खासकर बच्चों में हृदय वाल्व से जुड़ी गंभीर बीमारियों के इलाज का नया रास्ता खोल सकती है।

सिन्हुआ न्यूज एजेंसी के अनुसार, मर्डोक चिल्ड्रन्स रिसर्च इंस्टीट्यूट (एमसीआरआई) के नेतृत्व में किए गए इस अध्ययन में प्रयोगशाला में तैयार किए गए हृदय वाल्व के ऊतक, मानव शरीर में मौजूद वाल्व की तरह बढ़ते और व्यवहार करते नजर आए। यह शोध 'सेल स्टेम सेल' पत्रिका में प्रकाशित हुआ है।

वैज्ञानिकों के मुताबिक, इस तकनीक से अब यह समझना आसान होगा कि इंसानी हृदय के वाल्व जन्म से लेकर वयस्क होने तक कैसे विकसित होते हैं और बीमारी या संक्रमण की वजह से उनमें किस तरह का बदलाव आता है।

एमसीआरआई की हार्ट रीजेनरेशन ग्रुप की टीम लीडर हॉली वोगेस ने कहा कि यह सफलता क्षतिग्रस्त हृदय वाल्व की मरम्मत के लिए ऐसे उपचार विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, जिनमें शरीर की अपनी कोशिकाओं का इस्तेमाल किया जा सके।

दुनिया भर में करीब 2.8 करोड़ लोग हृदय वाल्व की बीमारी से पीड़ित हैं। इसके पीछे जन्मजात समस्याएं, संक्रमण और उम्र के साथ वाल्व का कमजोर होना जैसे कई कारण हो सकते हैं। मौजूदा समय में क्षतिग्रस्त वाल्व को दोबारा स्वस्थ करने का कोई ऐसा उपचार नहीं है, जो बीमार को एकदम तंदुरुस्त कर दे। ऐसे में कई मरीजों को वाल्व बदलने की सर्जरी का सहारा लेना पड़ता है।

इस शोध की खास बात यह है कि वैज्ञानिकों ने तैयार किए गए ऊतक का इस्तेमाल रूमेटिक हार्ट डिजीज (आरएचडी) को समझने के लिए भी किया। जब शोधकर्ताओं ने आरएचडी से जुड़े सूजनकारी प्रोटीन इन ऊतकों के संपर्क में लाए, तो ऊतक कठोर हो गए और उनमें ऐसे जैविक संकेतक दिखाई दिए, जो रोगग्रस्त मानव हृदय वाल्व में पाए जाते हैं।

ऑस्ट्रेलिया में आरएचडी का असर वहां की स्वदेशी आबादी पर अपेक्षाकृत अधिक है। वैज्ञानिकों का कहना है कि नया प्रयोगशाला मॉडल इस बीमारी को समझने और भविष्य में इसके बेहतर उपचार विकसित करने में मदद कर सकता है।

एमसीआरआई के प्रोफेसर एंजो पोरेल्लो ने कहा कि भविष्य में इसी तकनीक से ऐसे हृदय वाल्व बनाए जा सकते हैं, जो मरीज के शरीर के साथ बढ़ें और बदलती जरूरतों के अनुसार खुद को ढाल सकें।

अगर यह तकनीक आगे के परीक्षणों में सफल रहती है, तो बच्चों के लिए इसका महत्व और भी बढ़ सकता है। वर्तमान वाल्व प्रत्यारोपण की एक बड़ी चुनौती यह है कि बच्चे के बढ़ने के साथ वाल्व को भी बदलने की जरूरत पड़ सकती है। वैज्ञानिकों की उम्मीद है कि स्टेम सेल से तैयार होने वाले वाल्व इस समस्या का समाधान देने में मदद कर सकते हैं।

केला खाने का सही समय कौन सा? सुबह, खाली पेट या रात, जानिए क्या कहता है विज्ञान

बहुत से लोग केले को नाश्ते, वर्कआउट से पहले या बाद में और कभी-कभी रात की हल्की भूख के समय भी खा लेते हैं। इसको लेकर सोशल मीडिया में कई तरह की धारणाएं मौजूद हैं। कोई इसे सुबह खाली पेट खाने की सलाह देता है तो कोई रात में केला खाने को नुकसानदायक बताता है, लेकिन वैज्ञानिक नजरिए से देखें तो केले को खाने का कोई एक समय नहीं है। केला एक आम फल है, जो कार्बोहाइड्रेट, फाइबर, पोटैशियम और विटामिन बी6 जैसे पोषक तत्वों से भरपूर है। इसे आप अपनी सहूलियत और शरीर की जरूरत के हिसाब से खा सकते हैं।

अमेरिकी नेशनल इंस्टीट्यूट्स ऑफ हेल्थ के अनुसार , एक केले में करीब 422 मिलीग्राम पोटैशियम और 0.4 मिलीग्राम विटामिन बी6 होता है। पोटैशियम नसों और मांसपेशियों के काम और शरीर में पानी के संतुलन के लिए जरूरी है, जबकि विटामिन बी6 प्रोटीन के इस्तेमाल और कई एंजाइम संबंधी प्रक्रियाओं में मदद करता है। केले में कार्बोहाइड्रेट भी अच्छी मात्रा में होता है। इसी वजह से जिम जाने वाले और खिलाड़ी इसे स्नैक के तौर पर खाना पसंद करते हैं। इससे तुरंत ऊर्जा मिलती है, लेकिन सिर्फ केला खाने से शरीर की सभी पोषक जरूरतें पूरी नहीं होंगी। इसे संतुलित भोजन का एक हिस्सा मानना बेहतर है।

अगर खाली पेट केला खाना सही है या गलत, तो अगर किसी को सुबह केला खाने से कोई परेशानी नहीं होती, तो इसे नाश्ते में शामिल किया जा सकता है। वहीं जिन लोगों को खाली पेट फल खाने के बाद पेट फूलने या भारीपन जैसी समस्या महसूस होती है, वे ब्रेड, ओट्स या दही के साथ ले सकते हैं।

सिर्फ स्वाद नहीं, सेहत का आधार है आयुर्वेद आहार, आयुष मंत्रालय ने बताया महत्व

आज के समय में लोग अपने खान-पान को लेकर पहले से ज्यादा जागरूक हो रहे हैं। क्या खाना चाहिए, किस तरह का भोजन हमारी दिनचर्या का हिस्सा होना चाहिए और पारंपरिक खान-पान को किस नजरिए से देखा जाए, इन सवालों पर लोगों की दिलचस्पी बढ़ रही है। ऐसे में आयुर्वेद आहार की अवधारणा को समझना जरूरी हो जाता है।

आयुष मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया कि आयुर्वेद आहार यानी ऐसा आहार, जिसकी अवधारणा आयुर्वेद के सिद्धांतों और पारंपरिक ज्ञान से जुड़ी है। इसे समझने के लिए केवल भोजन पर ध्यान देना काफी नहीं है। इसके साथ हमारी परंपरा और भोजन से जुड़े तय मानकों को भी समझना जरूरी है।

आयुर्वेद आहार के लिए एक निर्धारित नियामक व्यवस्था भी मौजूद है। खाद्य सुरक्षा और मानक (आयुर्वेद आहार) विनियम, 2022 के तहत आयुर्वेद आहार के लिए एक नियामक ढांचा तैयार किया गया है। इसमें श्रेणी ए की व्यवस्था भी शामिल है। इसका उद्देश्य आयुर्वेद आहार के उत्पादन और उससे जुड़ी जानकारी को एक व्यवस्थित और जिम्मेदार ढांचे में लाना है।

आयुर्वेद आहार को आसान भाषा में समझने के लिए तीन बातें सबसे महत्वपूर्ण हैं- आहार, परंपरा और मानक।

पहला है आहार। इसका सीधा मतलब है कि हम क्या खाते और पीते हैं। हमारे रोजमर्रा के भोजन में शामिल सभी चीजें हमारी आहार व्यवस्था का हिस्सा हैं। आयुर्वेद में भोजन को केवल भूख मिटाने का साधन नहीं माना जाता, बल्कि खान-पान और जीवनशैली को भी महत्वपूर्ण माना गया है।

दूसरा है परंपरा। भारत में भोजन से जुड़ा ज्ञान और तरीके सदियों से एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक पहुंचते रहे हैं। अलग-अलग इलाकों में मौसम, स्थानीय उपलब्धता और पारंपरिक ज्ञान के आधार पर भोजन तैयार करने और खाने के अलग-अलग तरीके देखने को मिलते हैं।

यही पीढ़ियों से चला आ रहा ज्ञान आयुर्वेद आहार को समझने में अहम भूमिका निभाता है। तीसरा है मानक।

किसी भी खाद्य पदार्थ के उत्पादन और उसके बारे में लोगों तक सही जानकारी पहुंचाने के लिए स्पष्ट नियम और जिम्मेदार व्यवस्था जरूरी होती है। मानक इसी व्यवस्था का आधार हैं। ये भोजन के उत्पादन और उससे जुड़ी जानकारी को एक तय ढांचे के भीतर रखने में मदद करते हैं।

सांस की सेहत का रखें ख्याल, धूल-धुएं से बचाव के साथ अपनाएं ये आसान उपाय

हवा में बढ़ता धुआं, धूल और पार्टिकुलेट प्रदूषण सिर्फ बाहर निकलने में परेशानी नहीं पैदा करता, बल्कि सांस से जुड़ी दिक्कतों को भी बढ़ा सकता है। खासकर बच्चों, बुजुर्गों और पहले से अस्थमा या किसी दूसरी सांस की बीमारी से जूझ रहे लोगों को प्रदूषित हवा में ज्यादा सावधानी बरतने की जरूरत होती है। ऐसे में थोड़ी सी सतर्कता और रोजमर्रा की कुछ आसान आदतें सांस की सेहत को बेहतर रखने में मदद कर सकती हैं।

आयुष मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया कि हवा में मौजूद धूल, धुआं और बारीक कण सांस के साथ शरीर के अंदर पहुंच सकते हैं। इससे कुछ लोगों में खांसी, गले में खराश, नाक बंद होना, सांस लेने में परेशानी या घरघराहट जैसी दिक्कतें बढ़ सकती हैं।

इसके अलावा, ईएनएसओ से जुड़ी सूखे की परिस्थितियां कुछ क्षेत्रों में जंगलों में आग और धूल भरी आंधियों का खतरा बढ़ा सकती हैं। इससे हवा में धुआं और पार्टिकुलेट प्रदूषण बढ़ने पर सांस की समस्याएं और परेशान कर सकती हैं। इसलिए बच्चों और बुजुर्गों के साथ-साथ पहले से सांस की बीमारी वाले लोगों को खास सावधानी रखनी चाहिए।

सांस और गले को आराम देने के लिए दिनभर पर्याप्त मात्रा में पानी पीना जरूरी है। बहुत ठंडे पानी की जगह गुनगुना पानी या हर्बल इन्फ्यूजन लिया जा सकता है। इससे शरीर हाइड्रेटेड रहता है और गले में होने वाली सूखापन या खराश में कुछ राहत मिल सकती है।

हल्की सर्दी-जुकाम या खांसी में कुछ पारंपरिक घरेलू उपाय भी आजमाए जाते हैं। जैसे सूखी अदरक यानी सोंठ को गुड़ के साथ लेना, हल्दी वाला दूध या तुलसी के रस में शहद मिलाकर लेना। हालांकि, ये उपाय लक्षणों में राहत के लिए हो सकते हैं।

गमले में उगाएं शिमला मिर्च, फिर ऐसे करें देखभाल, मिलेगी भरपूर पैदावार

ऑर्गेनिक सब्जियों को घर की छत या बालकनी में आसानी से उगाया जा सकता है. शहरों में इसका चलन तेजी से बढ़ा है. दो माह बाद ठंड का सीजन आने वाला है. यही समय है घर पर गमले में शिमला मिर्च लगाने का. पौधरोपण के बाद 50-60 दिनों में इसकी हार्वेस्टिंग की जा सकती है. अगर आप भी बाजार की केमिकल वाली शिमला मिर्च नहीं खरीदना चाहते तो इसे घर पर गमले में उगाएं. सही तकनीक और सही देखभाल करेंगे तो पौधा शिमला मिर्च से लद जाएगा. इसके लिए पौध कैसे तैयार करते हैं, मिट्टी कैसे बनाते हैं, कौन सी खाद डालनी चाहिए, आइये जानते हैं हर सवाल का जवाब...

भारत में शिमला मिर्च साल में मुख्य रूप से तीन अलग-अलग समय पर लगाई जाती है. नवंबर-दिसंबर में, फरवरी-मार्च में या फिर जून से जुलाई या अगस्त-सितंबर में इसे लगा सकते हैं. पूरे साल किचन में शिमला मिर्च की जरूरत पड़ती है. हर मौसम में सब्जियों का स्वाद दोगुना कर देती है. पिज्जा-नूडल्स और सैंडविच में असली स्वाद शिमला मिर्च ही लाती है. इसे उगाने के लिए बड़े बगीचे की जरूरत नहीं है. घर की छत या बालकनी में गमले में इसे आप आसानी से उगा सकते हैं. पोषक तत्वों से भरपूर मिट्टी, पर्याप्त धूप, पानी और समय पर जैविक खाद डालेंगे तो भरपूर पैदावार ले सकेंगे. आइये जानते हैं कि इसकी पौध कैसे तैयार करते हैं. भरपूर पैदावार के लिए कौन सी खाद चाहिए होती है.

गमले में शिमला मिर्च उगाने के लिए ना तो बहुत ज्यादा गर्मी होनी चाहिए और ना ही बहुत ज्यादा सर्दी. इंद्र, आशा और हंटिंगटन शिमला मिर्च की सबसे अच्छी वैराइटी मानी जाती हैं. बाजार से अच्छी क्वालिटी के बीज लाइये. आप इन्हें लोकल मार्केट से खरीद लें या फिर ऑनलाइन मंगवालें. बीज लाकर 3-4 इंच गहरे कंटेनर में लगाएं. सीडलिंग मिक्स की मिट्टी तैयार करने के लिए 50 परसेंट वर्मि कंपोस्ट और 50 परसेंट कोकोपीट लें. अब इस मिश्रण को सीडलिंग मिक्स या कंटेनर में डाल दें. अंगुलि से एक इंच के गड्ढे बनाएं और उनमें बीज डाल दें. बीज के ऊपर सीडलिंग मिक्स से कवर कर दें और पानी दे दीजिए. शिमला मिर्च के बीजों को उगने में 7-14 दिन का समय लगता है.

आप चाहें तो सीधे बड़े गमले में भी बीज लगा सकते हैं. 20-25 दिन में पौधे बड़े हो जाते हैं. अब इन्हें बड़े गमलों में लगा लें. इसके लिए गमले या ग्रो बैग का साइज 12-15 इंच होना चाहिए. गमले में ड्रेनेज होल होना चाहिए. गमले या ग्रो बैग के लिए मिट्टी वेल-ड्रेन होनी चाहिए यानी उसमें पानी नहीं रुकना चाहिए. इसके लिए 30 परसेंट बगीचे की मिट्टी, 30 परसेंट वर्मि कंपोस्ट और 30 परसेंट कोकोपीट/रेत होना चाहिए. इसके अलावा इसमें 200 ग्राम नीम खली और 200 ग्राम सरसों की खली मिला लें. साथ ही ऑर्केनिक रॉक फास्फेट (कैल्शियम पाउडर) मिला लें. सबको मिलाकर ग्रो बैग में भर लें और पौधों को इसमें लगा दें और भरपूर पानी दें.

पौधे को ग्रो बैग या बड़े गमले में लगाने के बाद हर 10-15 दिन में गमले की निराई-गुड़ाई करते रहें।

दिशा सालियान केस

दिशा सालियान केस में नाम आने पर सूरज पंचोली ने तोड़ी चुप्पी

बोले- मैं दिशा से कभी नहीं मिला, मेरे पास छुपाने के लिए कुछ नहीं

मुंबई | सेलिब्रिटी मैनेजर दिशा सालियान की मौत का मामला दिन-ब-दिन नया मोड़ लेता जा रहा है और धीरे-धीरे इंडस्ट्री के लोगों का नाम भी सामने आ रहा है। अब इस बीच अभिनेता सूरज पंचोली का नाम भी जोड़ा जा रहा है, जिस पर अभिनेता ने अपनी चुप्पी तोड़ी है। सूरज पंचोली ने इंस्टाग्राम पर एक नोट शेयर करते हुए साफ किया कि दिशा से न उनकी पहले मुलाकात हुई और न ही उनके पास कुछ भी छुपाने के लिए है।

सोशल मीडिया पर शेयर किया नोट

सूरज पंचोली ने अपने नोट में लिखा, “मैंने यह बात सामने रखने का फैसला इसलिए किया क्योंकि मुझे लगता है कि कुछ फैक्ट्स को पब्लिक डोमेन में साफ-साफ रखना जरूरी है। पिछले कुछ सालों से, मेरा नाम अलग-अलग मीडिया रिपोट्र्स और बयानों के जरिए दिशा सालियान की दुर्भाग्यपूर्ण मौत से जुड़े कॉन्ट्रोवर्सी में घसीटा जा रहा है। मैं साफ-साफ कहना चाहता हूं कि मैं अपनी जिंदगी में कभी भी लेट दिशा सालियान से नहीं मिला हूं और न ही आदित्य ठाकरे से मिला हूं।'

कौन-कौन हैं विवाद में?
दिशा सालियान विवाद के सिलसिले में जिन नामों पर चर्चा हो रही है, उनमें सूरज पंचोली, आदित्य ठाकरे, डिनो मोरिया और रिया चक्रवर्ती जैसे नाम शामिल हैं।

> “मेरे पास छिपाने के लिए कुछ भी नहीं है! अगर किसी जांच एजेंसी को लगता है कि उन्हें मुझसे फिर से पूछताछ करने या मुझसे कोई और जानकारी चाहिए, तो मैं पूरी तरह से सहयोग करने और किसी भी जांच के लिए खुद को उपलब्ध कराने के लिए तैयार हूं।”
> – सूरज पंचोली, अभिनेता

सीबीआई जांच का समर्थन

अभिनेता ने आगे लिखा, “मैं दिशा सालियान की दुर्भाग्यपूर्ण मौत के आसपास के हालात की निष्पक्ष और पूरी सीबीआई जांच का पुरजोर समर्थन करता हूं। आदित्य पंचोली ने भी इस मामले की सही से जांच करने की बात कही है और सभी से इस तरह की अफवाहों से बचने की सलाह दी है।”

अफवाहों पर न करें भरोसा

उन्होंने कहा, “एक हेडलाइन सबूत नहीं है, एक बहस सबूत नहीं है, कोई टेलीविजन पर कुछ कहता है तो वह तथ्य नहीं बन जाता। कृपया किसी के जीवन और चरित्र के बारे में राय बनाने से पहले चीजों को सत्यापित करें। मुझे कानून और जांच एजेंसियों पर भरोसा है और मुझे विश्वास है कि सच्चाई सामने आएगी। तथ्यों, जांच और सच को बोलने दो। जय हिंद।'

गणेश चतुर्थी पर डेजी शाह ने किया बप्पा का स्वागत, कहा-आध्यात्मिक होना बहुत जरूरी है

विश्व केसरी

मुंबई। अभिनेत्री डेजी शाह ने गणेश चतुर्थी के अवसर पर अपने घर में गणपति बप्पा का स्वागत किया। अभिनेत्री का मानना है कि यह त्योहार उनके घर में सकारात्मकता लाता है। साथ ही भगवान गणेश के आगमन से उनके घर का माहौल अच्छा बन जाता है।

अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ बातचीत में गजानन महाराज की पूजा के बारे में बताते हुए कहा, 'बप्पा वहीं हैं, हम भी वहीं हैं। बस भावनाएं और खुशियां नई हैं। जब भी बप्पा घर आते हैं तो हमें लगता है कि घर में एक अलग ही वाइब है, सब कुछ अच्छा लगने लगता है।

अभिनेत्री डेजी शाह ने बताया कि गणपति की मूर्ति उनके घर में सिर्फ डेढ़ दिन के लिए रहती है। वह बप्पा के लिए काफी खास पकवान बनवाती हैं। उन्होंने कहा, 'गुजराती में हम एक लड्डू बनाते हैं, जो गेहूं के आटे और गुड़ से बनता है। हर साल हम इसे बप्पा के लिए बनाते हैं और क्योंकि बप्पा सिर्फ डेढ़ दिन के लिए आते हैं, हम यह ध्यान रखते हैं कि जो भी भक्त हमारे घर आते हैं, उन्हें वही घर का बना प्रसाद मिले जो हम बाबा के लिए बनाते हैं।'

डेजी शाह ने कहा, 'आध्यात्मिक होना बहुत जरूरी है। अगर और कुछ नहीं, तो आपकी सोच, नजरिया मायने रखता है। अगर कोई आपको ट्रोल करता है, तो आप उसे इग्नोर करके चुप करा सकते हैं और अगर आप जवाब देना चाहते हैं तो आप अपना पक्ष रख सकते हैं और बता सकते हैं कि आप सही हैं या गलत।'

अभिनेत्री डेजी शाह की बात करें तो वह हाल ही में रियलिटी शो 'अलायंस' में नजर आई थीं। वह शो की एक दमदार प्रतियोगी थीं, जो काफी हद तक विवादों से दूर रहीं थीं। उन्होंने खेल में खुद को बचाए रखने के लिए दोनों पक्षों के साथ रणनीति के तहत तालमेल बैठाया और इस बात का बचाव करते हुए कहा कि इससे उनके गेम को फायदा हुआ।

सुनीता आहूजा ने गणपति स्थापना पर किया खुलासा, बताया बेटे के साथ फिल्म में आएंगी नजर

विश्व केसरी

मुंबई। अभिनेता गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा ने गणेश चतुर्थी के अवसर पर अपने घर में गणपति महाराज का स्वागत किया। उनका कहना है कि इस प्रथा की शुरुआत गोविंदा की मां ने की थी, जिसे वे आगे बढ़ा रही हैं। साथ ही, सुनीता ने यह भी खुलासा किया कि वे अपने बेटे के साथ एक फिल्म में नजर आएंगी।

सुनीता आहूजा ने मीडिया संग बातचीत में गणेश चतुर्थी मनाने के पीछे की वजह बताई।

उन्होंने कहा, 'गणेश चतुर्थी पर्व मनाना मेरी सास ने हमारे पुराने ऑफिस से शुरू किया था। तब से यह प्रथा चली आ रही है, तो मैंने सोचा कि जब तक जीवित हूं, तब तक तो गजानन को घर पर लेकर आऊंगी। अब ये प्रथा चलती रहेगी क्योंकि गणेश भगवान हमारे प्रथम देवता हैं, उनसे बढ़कर कोई नहीं है। सुनीता आहूजा ने बताया कि पिछले एक साल से लेकर अब तक बप्पा उन पर काफी मेहरबान रहे। उन्होंने कहा, 'आखिरी साल मैंने यूट्यूब शुरू किया था और इस बार मैंने दो शोज किए हैं, जिनमें 'मां है ना' और 'लॉकअप-2' शामिल है।

'डेविड रेड्डी' में राम्या कृष्णन का खूंखार अवतार, कमला रेड्डी के किरदार में आएंगी नजर

विश्व केसरी

मुंबई। साउथ सिनेमा की दिग्गज एक्ट्रेस राम्या कृष्णन एक बार फिर अपने दमदार अंदाज से स्क्रीन पर छाने की तैयारी में हैं। मांचू मनोज की अपकमिंग पीरियड एक्शन ड्रामा फिल्म 'डेविड रेड्डी' से उनका फर्स्ट लुक सामने आया है और इस लुक में वह काफी इंटेंस और खतरनाक अंदाज में नजर आ रही हैं। मेकर्स ने राम्या का यह लुक उनके जन्मदिन के मौके पर जारी किया है।

फिल्म में राम्या कमला रेड्डी नाम का किरदार निभा रही हैं। उनके फर्स्ट लुक ने फिल्म की कहानी और उनके रोल को लेकर दर्शकों की उत्सुकता बढ़ा दी है।

फिल्म के लीड एक्टर मांचू मनोज ने इंस्टाग्राम पर राम्या कृष्णन का फर्स्ट लुक पोस्टर शेयर करते हुए उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। उन्होंने लिखा, ''ये लुक और पूरा फ्रेम उन्हीं का है, शानदार... राम्या कृष्णन को जन्मदिन की शुभकामनाएं। आपकी मौजूदगी, आपकी एनर्जी और किसी सीन पर आपकी पकड़... आपके साथ स्क्रीन शेयर करना मेरे लिए सम्मान की बात है।''

मांचू मनोज ने अपने पोस्ट में आगे कमला रेड्डी के किरदार को इंट्रोड्यूस करते हुए लिखा, ''आज राम्या के जन्मदिन के मौके पर हमारी खूंखार कमला रेड्डी को दुनिया के सामने पेश कर रहे हैं। बस तब तक इंतजार कीजिए, जब तक आप उन्हें एक्शन में नहीं देखते।''

'डेविड रेड्डी' में राम्या कृष्णन के अलावा यूक्रेनी मॉडल और एक्ट्रेस मारिया रियाभोशपका भी अहम भूमिका में नजर आएंगी। मेकर्स पहले ही उनका किरदार क्लारा व्हिटमोर रिवील कर चुके हैं। मांचू मनोज ने मारिया का फिल्म में स्वागत किया था। उन्होंने लिखा था, ''फिल्म 'डेविड रेड्डी' की इंटेंस दुनिया में क्लारा व्हिटमोर के रूप में फिल्म की लीडिंग लेडी की एंट्री हो गई है। क्लारा का प्यार ही उसका युद्ध है। इस किरदार को मारिया के जरिए स्क्रीन पर देखने के लिए एक्साइटेड हूं।''

फिल्म को एक बड़े पैन-इंडिया हिस्टोरिकल एक्शन ड्रामा के तौर पर बनाया जा रहा है। 'डेविड रेड्डी' की कहानी 1897 से 1922 के बीच की पृष्ठभूमि पर सेट है।

'मां के बिना जिंदगी', सांवी के किरदार को समझने के लिए जान्हवी सोनी ने दोस्त की कहानी से ली मदद

विश्व केसरी

मुंबई। टीवी एक्ट्रेस जान्हवी सोनी इन दिनों अपने नए शो 'सयोनी' को लेकर चर्चा में हैं। शो में वह सांवी नाम की एक ऐसी लड़की का किरदार निभा रही हैं, जिसकी जिंदगी मां के प्यार के बिना गुजरी है।

सांवी का किरदार उनके लिए आसान नहीं था, क्योंकि इसमें एक ऐसी लड़की की भावनाओं को समझना था, जिसने बचपन से ही मां के साथ का अनुभव नहीं किया। हालांकि, इस किरदार को समझने के लिए जान्हवी को अपने आसपास ही एक ऐसी कहानी मिल गई, जिससे वह काफी हद तक जुड़ पाईं।

अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए जान्हवी ने कहा, ''मैंने खुद सांवी जैसी स्थिति का सामना नहीं किया है, लेकिन मेरी एक करीबी दोस्त बचपन से अपनी मां के बिना बड़ी हुई है। वह अपनी मौसी को ही मां की तरह मानती हैं और दोनों के बीच के रिश्ते को मैंने बहुत करीब से देखा है। ऐसे में मेरे मन में अक्सर यह सवाल आता था कि बचपन में स्कूल जाने, एग्जाम देने या जिंदगी के खास पलों को मां के बिना जीना मेरी दोस्त के लिए कैसा रहता होगा। 'सयोनी' में सांवी की कहानी भी कुछ ऐसी ही है। वह एक अनाथालय में पली-बढ़ी है और बचपन से मां के प्यार और परिवार के उस अपनापन से दूर रही है, जिसकी जरूरत हर बच्चे को होती है। हालांकि, उसकी जिंदगी में उसकी मौसी एक अहम जगह रखती हैं। समय के साथ मौसी ही उसके लिए मां जैसी बन जाती हैं और उसकी सबसे बड़ी इमोशनल सपोर्ट बनती हैं।

जान्हवी ने कहा, ''अनाथालय में रहने वाले बच्चों के लिए भी कभी-कभी कोई एक ऐसा व्यक्ति बेहद खास बन जाता है, जिससे वे दिल से जुड़ जाते हैं। वह इंसान उनके लिए परिवार जैसा बन जाता है और उन्हें सुरक्षा, अपनापन और भावनात्मक सहारा देता है। सांवी के किरदार को समझते समय मैंने इसी भावना को पकड़ने की कोशिश की। किरदार की तैयारी के बारे में जान्हवी ने कहा, ''मैंने अपनी दोस्त की जिंदगी में जो कुछ देखा और समझा, उसे सांवी के किरदार से जोड़ने की कोशिश की। दोस्त के अनुभव को करीब से देखने की वजह से मैं सांवी के इमोशंस तक पहुंच पाईं और समझ सकीं कि उसके लिए मां जैसी शख्सियत को ढूंढना इतना जरूरी क्यों है।

जैकलीन फर्नांडिस को मकोका केस में आरोपी बनाया जाएगा या नहीं, राउज एवेन्यू कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा

विश्व केसरी

नई दिल्ली। अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस की मुश्किलों से जुड़ा 200 करोड़ रुपए का मामला एक बार फिर चर्चा में है। सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े मकोका केस में जैकलीन को आरोपी बनाए जाने की मांग वाली अर्जी पर राउज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई पूरी हो गई है और अदालत ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है।

इससे पहले अदालत ने इस मांग पर दिल्ली पुलिस से जवाब मांगा था। मौजूदा मामले में जैकलीन अभी मकोका केस की आरोपी नहीं हैं।

दरअसल, 200 करोड़ रुपए के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जैकलीन पहले से आरोपी हैं और मई 2026 में दिल्ली की अदालत ने उनके खिलाफ आरोप तय करने का आदेश दिया था। वहीं, इसी से जुड़े जबरन वसूली और मकोका मामले में सुकेश और अन्य आरोपियों के खिलाफ आरोप तय किए गए थे। उस समय उपलब्ध अदालत संबंधी रिपोर्टों में जैकलीन को मामले में आरोपी नहीं बताया गया था।

नई अर्जी में मांग की गई कि जैकलीन को भी मकोका मामले में आरोपी बनाया जाए। 7 सितंबर को राउज एवेन्यू कोर्ट ने इस मांग पर दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा से जवाब मांगा था।

यह पूरा मामला सुकेश चंद्रशेखर पर लगे 200 करोड़ रुपए की कथित जबरन वसूली के आरोप से शुरू हुआ था। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, रैनबैक्सी के पूर्व प्रमोटर शिविंदर सिंह की पत्नी अदिति सिंह से जेल में बंद सुकेश ने कथित तौर पर खुद को एक बड़े सरकारी अधिकारी के रूप में पेश किया था।

इशिता दत्ता ने बच्चों के साथ किया गणपति सेलिब्रेशन, बोलीं- 'उनकी खुशी इन पलों को और खास बना देती है'

विश्व केसरी

मुंबई। 'दृश्यम' एक्ट्रेस इशिता दत्ता अपने पति वत्सल सेठ और बच्चों वायु और वेदा के साथ गणपति उत्सव मना रही हैं। बच्चों के साथ त्योहार सेलिब्रेट करने को लेकर वह काफी एक्साइटेड हैं। उनका कहना है कि जब घर में बच्चे होते हैं तो त्योहार का मजा ही अलग हो जाता है। उनकी खुशी, उत्साह और मासूमियत पूरे सेलिब्रेशन को और खास बना देती है।

इशिता ने पति वत्सल सेठ और बच्चों के साथ गणेश चतुर्थी मनाने के अनुभव को शेयर करते हुए कहा, ''बच्चों के साथ त्योहार मनाने से हर चीज ज्यादा एक्साइटिंग लगती है। उनका उत्साह देखकर खुद भी त्योहार को लेकर खुशी और बढ़ जाती है। मुझे अच्छा लगता है कि मैं वायु और वेदा के साथ इन त्योहारों को सेलिब्रेट कर पाती हूं और उनके लिए इन मौकों को खास बना पाती हूं।''

इशिता ने कहा, ''आजकल हर कोई अपनी जिंदगी में काफी बिजी है। ऐसे में त्योहार एक ऐसा मौका बनकर आते हैं, जब परिवार के लोग अपनी रोजमर्रा की भागदौड़ से थोड़ा ब्रेक ले सकते हैं और साथ में क्वालिटी टाइम बिता सकते हैं। मेरे लिए यही छोटे-छोटे फैमिली मोमेंट्स सबसे ज्यादा मायने रखते हैं।''

गणेश चतुर्थी को लेकर अपनी फीलिंग्स बताते हुए इशिता ने कहा, ''बप्पा का घर में आना मेरे लिए हमेशा से बहुत खास रहा है। गणपति बप्पा के आगमन के साथ घर का माहौल पॉजिटिव हो जाता है। चारों तरफ एक अलग तरह की एनर्जी महसूस होती है और मन में शांति आती है। यह त्योहार मुझे अपनी जिंदगी में मौजूद अच्छी चीजों के लिए शुक्रगुजार होने का भी मौका देता है।''

एक्ट्रेस ने कहा, ''मैं हर साल बप्पा के आशीर्वाद का इंतजार करती हूं। इस दौरान मैं अपने परिवार और सभी लोगों के लिए खुशी, अच्छी सेहत, शांति और पॉजिटिविटी की कामना करती हूं। गणेश चतुर्थी जैसे त्योहार हमें जिंदगी की भागदौड़ के बीच उन लोगों और रिश्तों की अहमियत समझाते हैं, जो हमारे लिए सबसे ज्यादा खास हैं।''

वर्कफ्रंट की बात करें तो इशिता दत्ता के लिए यह साल काफी बिजी रहा है। वह फिल्म 'घमासान' में नजर आ चुकी हैं और अब चर्चित फ्रेंचाइजी 'दृश्यम' के तीसरे पार्ट यानी 'दृश्यम 3' में अपने किरदार के साथ वापसी करने वाली हैं। फिल्म का निर्देशन अभिषेक पाठक कर रहे हैं।

मॉस्को के साथ 'संयुक्त सहयोग' बढ़ाएगा उत्तर कोरिया

विश्व केसरी

सोल। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को भेजे एक संदेश में कहा है कि उनका देश मॉस्को के साथ 'संयुक्त सहयोग' को और बढ़ाएगा तथा उसे और गहरा करेगा। यह बयान ऐसे समय आया है जब दोनों देशों के बीच सैन्य और आर्थिक संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं।

उत्तर कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी केसीएनए के अनुसार, किम जोंग-उन ने 9 सितंबर को उत्तर कोरिया की स्थापना की 78वीं वर्षगांठ के मौके पर पुतिन की ओर से भेजे गए बधाई संदेश के जवाब में उन्हें धन्यवाद दिया।

पत्र में कहा गया कि उत्तर कोरिया की इच्छा पूरी तरह स्पष्ट और मजबूत है कि वह रूस के साथ अपने संयुक्त सहयोग को हर क्षेत्र में और आगे बढ़ाए। यह सहयोग दोनों देशों के बीच लंबे समय से चली आ रही दोस्ती, पड़ोसी संबंधों, आपसी मदद और मजबूत गठबंधन पर आधारित है। हालांकि किम ने यह साफ नहीं किया कि 'संयुक्त सहयोग' से उनका क्या मतलब है, लेकिन माना जा रहा है कि यह उत्तर कोरिया और रूस के बीच बढ़ते सैन्य और आर्थिक सहयोग की ओर इशारा करता है।

केसीएनए के अनुसार, किम ने कहा कि दोनों देश कठिन अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के बीच भी अपने गठबंधन के इतिहास का एक नया अध्याय लिख रहे हैं। उन्होंने यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में रूस को अपना अटल समर्थन जारी रखने का भी भरोसा दिया।

जून 2024 में राष्ट्रपति पुतिन की प्योंगयांग यात्रा के दौरान उत्तर कोरिया और रूस ने एक व्यापक रणनीतिक साझेदारी संधि पर हस्ताक्षर किए थे। इस समझौते के तहत अगर किसी एक देश पर हमला होता है, तो दूसरा देश बिना देरी के सैन्य सहायता प्रदान करेगा। यूक्रेन युद्ध में रूस की मदद के लिए उत्तर कोरिया पहले ही हजारों सैनिक और पारंपरिक हथियार भेज चुका है। इसी बीच, इस महीने की शुरुआत में उत्तर कोरिया और रूस ने तुमेन नदी पर बने एक नए सड़क पुल को भी खोल दिया। उत्तर कोरिया के सरकारी मीडिया ने इसे दोनों देशों के बीच विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को 'नई ऊर्जा' देने वाला महत्वपूर्ण ढांचा बताया। पुल के उद्घाटन समारोह का आयोजन उत्तर कोरिया के रासोन और रूस के खासन में किया गया। इस कार्यक्रम में उत्तर कोरिया के प्रधानमंत्री पाकथे-सोंग और रूस के प्रधानमंत्री मिखाइल मिशुस्टिन ने वर्चुअल माध्यम से हिस्सा लिया। इस पुल का निर्माण अप्रैल 2025 में शुरू हुआ था। इसकी योजना जून 2024 में प्योंगयांग में हुई किम जोंग-उन और व्लादिमीर पुतिन की शिखर बैठक के बाद बनाई गई थी।

केसीएनए के मुताबिक, यह पुल विभिन्न प्रकार के वाहनों और लोगों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करेगा। साथ ही यह दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग को मजबूत करने, लोगों के आदान-प्रदान, पर्यटन और व्यापार को बढ़ावा देने में मदद करेगा। प्रधानमंत्री पाकथे-सोंग ने इस पुल को दोनों देशों की दोस्ती का 'नया प्रतीक' बताया। उन्होंने कहा कि इससे द्विपक्षीय सहयोग को नई गति मिलेगी।

अमेरिका टैरिफ को लेकर ब्राजील और यूएस के साथ बातचीत के लिए तैयार

विश्व केसरी

रियो डी जेनेरो। अमेरिकी टैरिफ को लेकर ब्राजील और अमेरिका के बीच जल्द ही बातचीत होने की संभावना है। ब्राजील के अधिकारियों के अनुसार, यह बैठक सितंबर के आखिर में हो सकती है।

ब्राजील के विकास, उद्योग, व्यापार और सेवाएं मंत्री मार्सियो एलियास रोजा ने सोमवार (स्थानीय समय के अनुसार) कहा कि वह 30 सितंबर से एक अक्टूबर तक अमेरिका में होने वाली जी20 मंत्रिस्तरीय बैठक के दौरान अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीर से मुलाकात कर सकते हैं।

रोजा ने पत्रकारों से कहा, 'बातचीत के रास्ते खुले हैं और ब्राजील बातचीत के लिए तैयार है।' उन्होंने कहा कि ब्राजील अपने उद्योगों, कंपनियों और कर्मचारियों के हितों की रक्षा करेगा, लेकिन साथ-साथ संवाद भी जारी रखेगा। यह नई बातचीत अगस्त में ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच हुई फोन बातचीत के बाद शुरू हुई चर्चाओं का अगला चरण है। मार्सियो एलियास रोजा ने कहा कि ब्राजील उन एकतरफा टैरिफों का विरोध करता है जिन्हें वह अनुचित मानता है। हालांकि, उसका इरादा अपनी अर्थव्यवस्था को बंद करने या व्यापार युद्ध शुरू करने का नहीं है। उन्होंने कहा, 'ब्राजील बहुपक्षीय सहयोग, बातचीत और वार्ता में विश्वास रखता है। हम इन सिद्धांतों को नहीं छोड़ेंगे।'

फिलहाल अमेरिका ने कुछ ब्राजीली उत्पादों पर अतिरिक्त टैरिफ लगा रखा है। अलग-अलग व्यापारिक जांचों के तहत लागू इन उपायों के कारण कुछ उत्पादों पर कुल टैरिफ दर 37.5 प्रतिशत तक पहुंच गई है। ब्राजील के विकास, उद्योग, व्यापार और सेवाएं मंत्रालय के अनुसार, अमेरिका के इन नए कदमों का असर ब्राजील से अमेरिका जाने वाले करीब 23.1 प्रतिशत निर्यात पर पड़ रहा है।

संक्षिप्त खबर

लीबिया से 171 सोमाली प्रवासियों की सुरक्षित घर वापसी

विश्व केसरी

मोगादिशु। अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन (आईओएम) द्वारा आयोजित एक विशेष चार्टर उड़ान के जरिए लीबिया में फंसे 171 सोमाली प्रवासी सोमवार को सुरक्षित रूप से अपने देश लौट आए। लौटने वालों में तीन नाबालिग बच्चे भी शामिल हैं। अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन के अनुसार, ये प्रवासी बेहतर जीवन की तलाश में कई देशों से होकर गुजरते हुए लीबिया पहुंचे थे, लेकिन वहां उन्हें मानव तस्करों के हाथों शोषण, दुर्व्यवहार और कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। इसके बाद उनकी सुरक्षित वापसी की व्यवस्था की गई। अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन सोमालिया के प्रमुख मैनुएल मार्केस परेरा ने कहा कि प्रवासन कभी भी किसी व्यक्ति की सुरक्षा, सम्मान और भविष्य के लिए खतरा नहीं बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वैच्छिक वापसी और पुनर्वास कार्यक्रम के माध्यम से सोमाली प्रवासियों को अपने देश में सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन दोबारा शुरू करने का अवसर मिल रहा है। यूरोपीय संघ (ईयू) के सहयोग से संचालित माइग्रेंट प्रोटेक्शन, रिटर्न एंड रीइंटीग्रेशन इन सब-सहारा अफ्रीका कार्यक्रम के तहत यह चार्टर उड़ान संचालित की गई। उड़ान सबसे पहले उत्तरी सोमालिया के हरगेइसा में उतरी, जहां 42 प्रवासी उतरे।

यमन में लोग घर छोड़ने को मजबूर : संयुक्त राष्ट्र

विश्व केसरी

यूनाइटेड नेशंस। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) से जुड़े मानवीय सहायता संगठनों ने चेतावनी दी है कि यमन में जारी लड़ाई लोगों को अपने घर छोड़ने के लिए मजबूर कर रही है। इससे आम नागरिकों की मौत और घायल होने की घटनाएं बढ़ रही हैं। वहीं, पहले से दबाव में चल रहे राहत कार्यों पर भी अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है। संयुक्त राष्ट्र के मानवीय मामलों के समन्वय कार्यालय (ओसीएचए) ने सोमवार (स्थानीय समयानुसार) बताया कि सितंबर की शुरुआत से अब तक यमन में फिर से भड़की हिंसा के कारण कम से कम 1.25 लाख लोगों को अपना घर छोड़ना पड़ा है। सिन्हुआ न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय ने इस महीने के पहले दो हफ्तों में 40 आम नागरिकों के हताहत होने की पुष्टि की है। इनमें 8 लोगों की मौत हुई है और 32 लोग घायल हुए हैं। मरने वालों में आधे और घायल होने वालों में आधे से अधिक महिलाएं और बच्चे हैं। ओसीएचए ने कहा कि बेहद मुश्किल हालात के बावजूद संयुक्त राष्ट्र और उसके सहयोगी संगठन राहत कार्य जारी रखे हुए हैं। शनिवार तक हजारों परिवारों को सहायता पहुंचाई जा चुकी थी। हालांकि, राहत सामग्री की भारी कमी हो रही है और उपलब्ध फंडिंग जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं है। ओसीएचए ने कहा, 'सुरक्षा संबंधी जोखिमों के कारण राहत एजेंसियों की आवाजाही और सहायता पहुंचाने का काम गंभीर रूप से प्रभावित हो रहा है। संस्था ने बताया कि यमन के पश्चिमी तट के कई इलाकों में मानवीय सहायता पहुंचाने और राहत कर्मियों की आवाजाही फिलहाल रुकी हुई है।

मेक्सिको के आंतरिक मामलों में विदेशी दखल मंजूर नहीं : राष्ट्रपति क्लाउडिया शेनबौम

विश्व केसरी

मेक्सिको सिटी। मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शेनबौम ने एक बार फिर कहा है कि उनकी सरकार देश के आंतरिक मामलों में किसी भी विदेशी दखल या हस्तक्षेप को मंजूर नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि अमेरिका के साथ संबंध सहयोग और तालमेल पर आधारित होने चाहिए।

सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में शेनबौम ने उन लोगों की आलोचना की जो, उनके मुताबिक, विदेशी हस्तक्षेप का समर्थन करते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे लोग अमेरिका के कुछ वर्गों और मेक्सिको के विपक्षी दलों में भी मौजूद हैं।

उन्होंने कहा, 'हम हमेशा इस सिद्धांत का बचाव करेंगे कि किसी तरह का हस्तक्षेप या दखल नहीं होना चाहिए। सिर्फ सहयोग और समन्वय होना चाहिए और वह भी बिना किसी अधीनता के। यही हमारा रुख रहेगा, क्योंकि यह हमारे सिद्धांतों, हमारे इतिहास, हमारी सोच और हमारे संविधान के अनुरूप है।' सिन्हुआ न्यूज के अनुसार, शेनबौम ने एक जनमत सर्वेक्षण का हवाला देते हुए कहा कि 91 प्रतिशत लोगों ने किसी विदेशी हस्तक्षेप का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि यह सवाल उठाना जरूरी है कि आखिर किसे फायदा होता है जब यह धारणा फैलाने की कोशिश की जाती है कि मेक्सिको के लोग कुछ और सोचते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिका के कुछ समूह और दक्षिणपंथी मीडिया हस्तक्षेप को बढ़ावा देना चाहते हैं। इस बीच, निजी क्षेत्र के आर्थिक अध्ययन केंद्र (सीईईएसपी) ने सोमवार को कहा कि मेक्सिको सरकार का 2027 के लिए प्रस्तावित आर्थिक पैकेज पहले की तुलना में ज्यादा यथार्थवादी आर्थिक तस्वीर पेश करता है, क्योंकि सरकार ने आर्थिक विकास (ग्रोथ) के अनुमान कम कर दिए हैं। हालांकि, इससे सार्वजनिक कर्ज को लेकर चिंताएं भी बढ़ी हैं।

अपने साप्ताहिक आर्थिक विश्लेषण में सीईईएसपी ने कहा कि पिछले सप्ताह संसद (कांग्रेस) में पेश किए गए बजट प्रस्ताव में 2026 और 2027 के विकास अनुमान घटाए गए हैं। इससे ये अनुमान अब वित्तीय विश्लेषकों और राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के आकलनों के ज्यादा करीब आ गए हैं। सीईईएसपी ने कहा, 'मैक्रोइकोनॉमिक फ्रेमवर्क के आंकड़ों में किया गया यह बदलाव ज्यादा वास्तविक स्थिति को दर्शाता है।' हालांकि, संगठन ने चेतावनी दी कि बजट में अभी भी कुछ ऐसे अनुमान शामिल हैं जो जरूरत से ज्यादा आशावादी हो सकते हैं। मेक्सिको सरकार कई वर्षों से वित्तीय अनुशासन (फिस्कल कंसॉलिडेशन) की नीति पर काम कर रही है।

ऑस्ट्रेलिया में एआई से जुड़े खतरों के लिए शुरुआती चेतावनी प्रणाली की कमीः इंटेलिजेंस प्रमुख

विश्व केसरी

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया की साइबर खुफिया एजेंसी के प्रमुख की ओर से चेतावनी दी गई है कि देश को एआई से उत्पन्न खतरों के लिए एक प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली की आवश्यकता है।

ऑस्ट्रेलियाई सिग्नल्स डायरेक्टरेट (एएसडी) की डायरेक्टर-जनरल एबिगेल ब्रैडशॉ ने सोमवार को कैनबरा में एक समिट में कहा कि एआई हमले सरकारों और व्यवसायों की ओर से इस्तेमाल की जा रही पुरानी टेक्नोलॉजी का फायदा उठा सकते हैं। सिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, उन्होंने संगठनों से एआई को एक सुरक्षात्मक टूल के तौर पर अपनाने का आग्रह किया और कहा कि खुफिया और सुरक्षा एजेंसियों को शुरुआती जोखिमों की पहचान करने के लिए एआई कंपनियों के साथ मिलकर काम करना चाहिए।

यह बात ऐसे समय में सामने आई है जब ऑस्ट्रेलियाई राजनेता और एआई कंपनियों के अधिकारी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ती चेतावनियों पर प्रतिक्रिया दे रहे हैं कि एआई विकसित करने की दौड़ मानवता की उसे नियंत्रित करने की क्षमता से आगे निकल सकती है। ब्रैडशॉ ने कहा, 'अभी हमारे पास जिस चीज की कमी है (जो साइबर संदर्भ में तो है लेकिन एआई संदर्भ में अभी तक औपचारिक रूप से नहीं है) वह है एक शुरुआती चेतावनी प्रणाली। कैनबरा में यह समिट एंथ्रोपिक के सीईओ डारियो अमोदेई की ओर से शनिवार को उद्योग से गति धीमी करने और तीसरे पक्ष के मूल्यांकनकर्ताओं से सुरक्षा उपायों के प्रति मॉडलों के अनुपालन को सत्यापित करने का आग्रह करने के कुछ दिनों बाद आयोजित की गई थी। ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन और एक्सएआई के एलन मस्क की ओर से अमोदेई की बातों से सहमति जताई गई।

क्रिटिकल इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमले रोकने के अमेरिकी प्रस्ताव पर रूस राजी हुआ तो यूक्रेन भी करेगा समर्थन : जेलेंस्की

विश्व केसरी

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि अमेरिका ने एक मजबूत प्रस्ताव दिया कि दोनों पक्ष क्रिटिकल इंफ्रास्ट्रक्चर हमले रोक दें। उन्होंने कहा कि अगर रूस अमेरिकी प्रस्ताव पर अमल करता है तो यूक्रेन इस तनाव कम करने की प्रक्रिया का समर्थन करने के लिए तैयार है।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, ''यह अमेरिका की तरफ से एक मजबूत प्रस्ताव है कि दोनों पक्ष महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे (क्रिटिकल इंफ्रास्ट्रक्चर) पर होने वाले हमलों को रोक दें। अगर यह तनाव कम करने की दिशा में पहला कदम बन सकता है, यानी रूस हमारे महत्वपूर्ण ढांचे पर हमले बंद करे और हम जवाबी हमले रोके, तो यूक्रेन इस तनाव को कम करने की प्रक्रिया का समर्थन करने के लिए तैयार है।''

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को दावा किया कि रूस और यूक्रेन ने एक-दूसरे के ऊर्जा ढांचे (एनर्जी इन्फ्रास्ट्रक्चर) पर हमले नहीं करने पर सहमति जताई है। ट्रंप ने यह बात अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पोस्ट पर साझा की। हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि इस व्यवस्था के पीछे किसने बातचीत कराई या इससे पहले दोनों पक्षों के बीच किस स्तर पर वार्ता हुई। ट्रंप ने एक अन्य पोस्ट में रूस-यूक्रेन युद्ध को दुनिया में डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी की सबसे बड़ी वजह बताया। उन्होंने लिखा, 'दुनिया में डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी का सबसे बड़ा कारण रूस-यूक्रेन युद्ध है, ईरान नहीं।'

जेलेंस्की ने अपने पोस्ट में कहा, ''हम देख रहे हैं कि रूस हमारी सटीक कार्रवाइयों की वजह से अपनी युद्ध अर्थव्यवस्था पर दबाव महसूस कर रहा है।

ईरान के दक्षिणी तट पर मछली पकड़ने वाली दो नौकाओं पर ड्रोन हमला

विश्व केसरी

तेहरान। ईरान के दक्षिणी तट के पास सोमवार रात दो मछली पकड़ने वाली नौकाओं पर ड्रोन हमला हुआ। ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी मेहर के अनुसार, इस घटना के बाद से कई मछुआरे लापता हो गए हैं। यह हमला दक्षिणी बंदरगाह शहर कारगन के तट के पास और लारक द्वीप के आसपास हुआ।

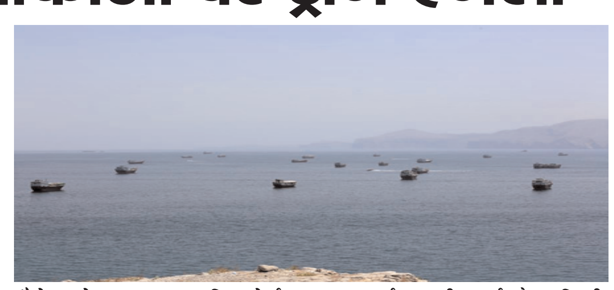

होर्मोजगान प्रांत के राजनीतिक और सुरक्षा मामलों के उप-गवर्नर अहमद नफीसी ने बताया कि लापता मछुआरों की तलाश के लिए खोज और बचाव अभियान शुरू कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि घटना की जांच चल रही है और जांच पूरी होने के बाद अधिक जानकारी साझा की जाएगी।

इसी बीच, इससे पहले ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) की नौसेना ने बताया था कि होर्मुज स्ट्रेट को पार करने की कोशिश कर रहा एक विशाल तेल टैंकर समुद्री बारूदी सुरंगों (नौसैनिक माइंस) से टकरा गया, जिसके बाद उसमें विस्फोट हो गया और आग लग गई।

आईआरजीसी के आधिकारिक समाचार मंच सेपाह न्यूज में जारी बयान के अनुसार, 'एल गैया नाम के इस सुपर ऑयल टैंकर में लगी आग को बुझाने की कोशिश की गई, लेकिन प्रयास सफल नहीं हुए और पूरा जहाज आग की लपटों में घिर गया। नौसेना ने कहा कि इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग के दक्षिणी हिस्से में मौजूद 'प्रतिबंधित' या 'गैरकानूनी' रास्ते का इस्तेमाल करने के खतरों को लेकर पहले ही चेतावनी दी गई थी। बयान में दोहराया गया कि होर्मुज स्ट्रेट अभी भी बंद है और उस पर ईरानी नौसेना का नियंत्रण बना हुआ है। होर्मुज स्ट्रेट में समुद्री यातायात की निगरानी करने वाली ईरान की पर्शियन गल्फ स्ट्रेट अथॉरिटी (पीजीएसए) ने बीमा कंपनियों और जहाजों का पंजीकरण व प्रमाणन करने वाली संस्थाओं को चेतावनी जारी की है।

प्रधानमंत्री मोदी की उरुग्वे के विदेश मंत्री ने की नेतृत्व की सराहना

विश्व केसरी

नई दिल्ली। उरुग्वे के विदेश मंत्री मारियो लुबेटकिन ने ब्रिक्स समिट और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना की। आईएएनएस से बातचीत करते हुए उन्होंने भारत की अध्यक्षता में आयोजित शिखर सम्मेलन की सफलता को भारत और यह प्रधानमंत्री मोदी की सफलता बताया।

उन्होंने पीएम मोदी के इतने साल तक लगातार सफल नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि यह वास्तव में बहुत प्रभावशाली है। बहुत कम नेता ऐसे होते हैं जिन्होंने इतने लंबे समय तक लगातार इतनी मजबूती, स्थिरता और निरंतरता दिखाई हो। मेरे विचार से यह भारतीय समाज के लिए और भारत के भविष्य के लिए एक बहुत बड़ी ताकत और महत्वपूर्ण संपत्ति है।

लुबेटकिन ने कहा, 'मैं उन द्विपक्षीय बैठकों का हिस्सा नहीं था, लेकिन अंदरूनी बैठकों में यह माहौल स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा था। बैठक के अंत में प्रधानमंत्री मोदी ने घोषणा की कि 'सभी मुद्दों पर सहमति' बन गई है। मेरे हिसाब से यह बात बताती है कि इस समय वैश्विक स्तर पर प्रधानमंत्री मोदी की क्या भूमिका और महत्व है।''

उन्होंने कहा कि शनिवार और रविवार के दौरान आपने देखा होगा कि प्रधानमंत्री मोदी दुनिया के कई महत्वपूर्ण नेताओं के साथ किस तरह बातचीत कर रहे थे, और सभी उनकी बात ध्यान से सुन रहे थे और उन्हें एक अहम और भरोसेमंद नेता के रूप में देख रहे थे।

उन्होंने कहा कि आज भारत पहले की तुलना में कहीं ज्यादा मजबूत है। 20 या 10 साल पहले भी शायद हमने इसकी कल्पना नहीं की थी। इस वजह से आज एक बिल्कुल नई स्थिति पैदा हुई है।

आईआरजीसी का दावाः प्रतिबंधित रास्ते का इस्तेमाल कर रहा था 'एल गैया' तेल टैंकर

विश्व केसरी

तेहरान। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) की नौसेना ने कहा है कि 'एल गैया' नाम का एक विशाल तेल टैंकर, जो होर्मुज स्ट्रेट को पार करने के लिए दक्षिणी हिस्से के एक 'प्रतिबंधित' रास्ते का इस्तेमाल कर रहा था, नौसैनिक बारूदी सुरंगों से टकरा गया। टक्कर के बाद उसमें विस्फोट हुआ और आग लग गई।

आईआरजीसी के आधिकारिक समाचार आउटलेट 'सेपाह न्यूज' में जारी बयान के अनुसार, टैंकर में लगी आग को बुझाने की कोशिश की गई, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। आखिरकार पूरा जहाज आग की लपटों में घिर गया। बयान में कहा गया कि इस रणनीतिक जलमार्ग में 'गैरकानूनी' रास्ते का इस्तेमाल करने के खतरों को लेकर पहले ही चेतावनी दी गई थी। साथ ही यह दोहराया गया कि होर्मुज स्ट्रेट बंद है और उस पर ईरानी नौसेना का नियंत्रण है। इससे पहले दिन में, पर्शियन गल्फ स्ट्रेट अथॉरिटी (पीजीएसए), जो होर्मुज स्ट्रेट में समुद्री यातायात की निगरानी करती है, ने बीमा कंपनियों और जहाजों के वर्गीकरण संगठनों को चेतावनी दी थी कि वे उन जहाजों को सेवाएं न दें जिन्हें उसकी नई सूची में 'नियमों का उल्लंघन करने वाले जहाज' बताया गया है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, पीजीएसए ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि बीमा कंपनियां, प्रोटेक्शन एंड इंडेम्निटी (पी एंड आई) क्लब और क्लासिफिकेशन सोसायटीज इन जहाजों को सेवाएं देने से बचें। ऐसा न करने पर उन्हें इसके परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। इसी महीने की शुरुआत में आईआरजीसी ने कहा था कि उसकी नौसेना ने होर्मुज स्ट्रेट में एक अमेरिकी मानव रहित सतही नौका (यूएसवी) को निशाना बनाया था।

'वह ऐसे ही कामयाबी हासिल करते रहें': धीरज के पिता जताई खुशी

विश्व केसरी ■

विजयवाड़ा। धीरज बोम्मादेवरा की ऐतिहासिक तीरंदाजी विश्व कप फाइनल की जीत से उनके पिता श्रवण कुमार बेहद गर्व महसूस कर रहे हैं। पिता अपने बेटे का स्वर्ण पदक भारतीय तीरंदाजी के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि मानते हैं।

25 वर्षीय तीरंदाज ने पिछले 12 महीनों में शानदार प्रदर्शन करते हुए साल्टिलो 2026 आर्चरी वर्ल्ड कप फाइनल में रिकर्व पुरुष वर्ग का खिताब जीता था। इसके साथ ही वह डोला बनर्जी के बाद इस सर्किट पर भारत के दूसरे चैंपियन बन गए। साथ ही, वह वर्ल्ड कप फाइनल जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष आर्चर भी बने।

श्रवण ने 'आईएएनएस' से कहा, 'बहुत अच्छा लग रहा है। मुझे बहुत खुशी और गर्व है कि मेरा बेटा वर्ल्ड चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीतने वाला पहला भारतीय तीरंदाज बन गया है।'

श्रवण ने कहा कि धीरज की यह कामयाबी बरसों की कड़ी मेहनत और लगन का नतीजा है। उन्होंने याद किया कि कैसे उनके बेटे ने कम उम्र में ही अपना स्पोर्ट्स करियर शुरू किया था।

उन्होंने कहा, 'एक माता-पिता के तौर पर मुझे बहुत खुशी और गर्व है कि एक भारतीय एथलीट, जिसने 2006 में अपना करियर शुरू किया था, उसने 2026 में इतना बड़ा लक्ष्य हासिल कर लिया है।'

धीरज साल 2023 और 2024 में मेडल जीते बगैर लौटे थे। यह उनका तीसरा वर्ल्ड कप फाइनल था। मेक्सिको में मिली इस कामयाबी ने उन्हें उनका सबसे बड़ा व्यक्तिगत खिताब दिलाया।

धीरज पिछले कुछ वर्षों से आठवें, नौवें या 10वें स्थान के आसपास थे, अब वर्ल्ड नंबर 4 पर पहुंच गए हैं। श्रवण ने वर्ल्ड रैंकिंग में अपने बेटे की तरक्की का जिक्र करते हुए कहा, 'उनकी बायोग्राफी में भी लिखा है, 'मैं वर्ल्ड नंबर वन बनना चाहता हूं।' पिछले तीन-चार वर्षों से वह लगातार वर्ल्ड नंबर 8, 9 या 10 के आसपास रहे हैं। यह मेडल जीतने के बाद, वह अब वर्ल्ड नंबर 4 पर पहुंच गए हैं। वह वर्ल्ड रैंकिंग में चौथे स्थान पर पहुंचने वाले पहले भारतीय तीरंदाज हैं, जो भारत के लिए एक रिकॉर्ड है। हमें उम्मीद है कि वह भविष्य में और भी कई उपलब्धियां हासिल करेंगे।'

धीरज की यह कामयाबी ऐसे परिवार से आई है, जिसका अनुशासित सेवाओं से गहरा नाता रहा है। उनके पिता भारतीय नौसेना से जुड़े रहे हैं और उनके दादा बॉर्डर रोड्स ऑर्गनाइजेशन में कार्यरत थे, जबकि उनके भाई एक शिक्षक हैं।

धीरज की मां रेवती ने भी इस उपलब्धि को परिवार के लिए बेहद खुशी का पल बताया। उन्होंने कहा कि धीरज का वर्ल्ड कप फाइनल गोल्ड मेडल न केवल उनके लिए, बल्कि आंध्र प्रदेश और देश के लिए भी एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। धीरज के पिता खुद लगभग दो दशकों से तीरंदाजी से जुड़े रहे हैं। वह नेशनल टेक्निकल ऑफिशियल के तौर पर सेवाएं दे रहे हैं और आंध्र प्रदेश में तीरंदाजी प्रशासन से

एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान का भारत दौरा सरकार की मंजूरी पर निर्भर: पीएचएफ

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन (पीएचएफ) के प्रमुख मोहिउद्दीन अहमद वानी ने कहा है कि अगले महीने होने वाली हॉकी एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान का भारत दौरा सरकार की मंजूरी पर निर्भर है।

मेन्स एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 27 अक्टूबर से 5 नवंबर तक जालंधर और मोहाली में होनी है। इसमें भारत, चीन, जापान, मलेशिया और कोरिया के साथ ही पाकिस्तान को भी हिस्सा लेना है। पाकिस्तान के नहीं आने की स्थिति में ओमान या बांग्लादेश को मौका दिया जा सकता है। दोनों टीमों को फिलहाल रिजर्व टीम के रूप में रखा गया है।

पाकिस्तान के दैनिक अंग्रेजी समाचार पत्र 'डॉन' की एक रिपोर्ट के मुताबिक, वानी ने कहा, 'पाकिस्तान टीम का दौरा सरकारी मंजूरी पर निर्भर करेगा। सरकार हमसे जो भी करने को कहेगी, हम वही करेंगे।'

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सोमवार को कहा कि पाकिस्तान अगले महीने टूर्नामेंट के लिए भारत आएगा। मल्टी-नेशनल टूर्नामेंट में कोई दिक्कत नहीं है। भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय सीरीज नहीं हो सकती।

उन्होंने केंद्र सरकार की नीति का जिक्र करते हुए बताया कि भारत और पाकिस्तान मल्टीनेशनल इवेंट्स में हिस्सा ले सकते हैं।

5 मई को जारी एक ऑफिस मेमोरेंडम में, खेल मंत्रालय ने कहा कि पाकिस्तानी खिलाड़ी और टीमें भारत द्वारा आयोजित बहुराष्ट्रीय इवेंट्स में हिस्सा ले सकेंगी, साथ ही एथलीट्स, अधिकारी और इंटरनेशनल फेडरेशन के प्रतिनिधियों के लिए ज्यादा सपोर्टिव वीजा सिस्टम का भी संकेत दिया।

एशियन चैंपियंस ट्रॉफी का लीग स्टेज 27 अक्टूबर से 2 नवंबर तक जालंधर में खेला जाएगा, जबकि सेमीफाइनल 4 नवंबर को और फाइनल 5 नवंबर को खेला जाएगा। भारत-पाकिस्तान का मैच 1 नवंबर को पंजाब डे पर जालंधर में प्रस्तावित है।

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा, '1 नवंबर को जालंधर में होने वाला भारत-पाकिस्तान का मैच टूर्नामेंट का सबसे बड़ा आकर्षण होगा। यह मैच पंजाब डे के साथ होगा, जिससे यह मौका पंजाब के लोगों के लिए और भी खास हो जाएगा। हॉकी के मैदान पर इंडिया और पाकिस्तान के बीच भले ही मुकाबला हो, लेकिन खेल की अपनी भाषा होती है।

पिछले साल भारत में आयोजित जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप और सीनियर पुरुष हॉकी एशिया कप में पाकिस्तान ने हिस्सा नहीं लिया था।

ब्रेंडन टेलर लंबे समय तक वनडे क्रिकेट खेलने वाले बने खिलाड़ी

विश्व केसरी ■

हरारे। जिम्बाब्वे और ऑस्ट्रेलिया के बीच हरारे स्पोर्ट्स क्लब के मैदान पर पहला वनडे मुकाबला खेला जा रहा है। पहले वनडे मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने जिम्बाब्वे के खिलाफ टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने का फैसला किया है। इस मैच में मैदान पर उतरने के साथ ही जिम्बाब्वे के विकेटकीपर बल्लेबाज ब्रेंडन टेलर ने सचिन तेंदुलकर का सबसे लंबे वनडे करियर का रिकॉर्ड तोड़ दिया है।

टेलर ने रिटायरमेंट और आईसीसी के साढ़े तीन साल के निलंबन के बाद 2025 में इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी की थी। अब वह 2004 में अपने डेब्यू के बाद से 22 साल और 146 दिन तक वनडे क्रिकेट खेलने वाले खिलाड़ी बन गए हैं, जो एक नया रिकॉर्ड है।

उन्होंने भारत के दिग्गज सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा, जिनका 1989 से 2012 तक 22 साल और 91 दिनों का शानदार वनडे करियर रहा। अब टेलर सबसे लंबे समय तक वनडे क्रिकेट खेलने वाले खिलाड़ी बन गए हैं।

टेलर जिम्बाब्वे के सबसे सफल बल्लेबाजों में गिने जाते हैं। अपने वनडे करियर में टेलर अब तक 205 पारियों में 6,704 रन बना चुके हैं। वह जिम्बाब्वे की ओर से दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं।

गीता रानी के करियर पर लगा ब्रेक कॉमनवेल्थ गेम्स विवाद बना कारण

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारतीय एथलेटिक्स की दुनिया में गीता रानी का नाम बेहद जाना-पहचाना है। गीता देश की एक सफल वेटलिफ्टर रही हैं और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पदक जीतकर उन्होंने देश का नाम रोशन किया है। उन्होंने भारतीय वेटलिफ्टिंग को एक नई पहचान दिलाई है।

गीता रानी का जन्म 16 सितंबर 1981 को संगरूर, पंजाब में हुआ था। उनके मन में वेटलिफ्टिंग के प्रति गहरी रुचि बहुत कम उम्र से थी। यही वजह रही उन्होंने खेल की इस विधा में कुछ बड़ा करने का फैसला किया था। गीता ने महज 13 वर्ष की उम्र में सुरिंदर सिंह से कोचिंग लेनी शुरू की।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गीता ने अपनी क्षमता और ताकत का एहसास पहली बार 2003 में एफ्रो-एशियन गेम्स में कराया था। हैदराबाद में आयोजित इस खेल में उन्होंने कांस्य पदक जीता था। इसके बाद उन्होंने 2004 में एशियन चैंपियनशिप में तीन रजत पदक अपने नाम किए।

गीता ने मेलबर्न में 2006 में आयोजित कॉमनवेल्थ गेम्स में 75+ भारवर्ग में हिस्सा लिया था और स्वर्ण पदक जीता था। खेल के इतने बड़े मंच पर गीता की स्वर्णिम सफलता ने उन्हें देश-विदेश में बड़ी लोकप्रियता दिलाई। दिल्ली में 2010 में आयोजित कॉमनमवेल्थ गेम्स में गीता पदक जीतने से चूक गई थीं और

चौथे स्थान पर रही थीं।

भारत की इस दिग्गज वेटलिफ्टर का करियर विवादों से भी प्रभावित रहा है। वर्ष 2015 में राष्ट्रीय खेलों के दौरान वह एक प्रतिबंधित पदार्थ के लिए डोप टेस्ट में पॉजिटिव पाई गई थीं। इसके बाद उन पर दो साल का प्रतिबंध लगाया गया था। हालांकि, 2017 में उन्हें प्रतिबंधों से मुक्त कर दिया गया, लेकिन उसके बाद से वह कभी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में नजर नहीं आई हैं। दिग्गज वेटलिफ्टर ने फिलहाल आधिकारिक रूप से खेल को अलविदा नहीं कहा है।

वेटलिफ्टिंग में शानदार योगदान के लिए भारत सरकार ने 2006 में गीता रानी को 'अर्जुन पुरस्कार' से सम्मानित किया था।

नैरोबी 2029 और म्यूनिख 2031 वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप की करेंगे मेजबानी

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप पहली बार अफ्रीका में आयोजित होगी। नैरोबी (केन्या) को 2029 वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप की मेजबानी मिली है। वहीं, जर्मनी के म्यूनिख शहर को 2031 संस्करण की मेजबानी सौंपी गई है।

यह फैसला बुडापेस्ट में हुई 242वीं वर्ल्ड एथलेटिक्स काउंसिल की बैठक में लिया गया। वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2029 की मेजबानी के लिए लंदन भी दावेदार था, लेकिन उसे सफलता नहीं मिली। केन्या की राजधानी नैरोबी ने रोम, म्यूनिख और लंदन जैसी मजबूत दावेदारियों को पीछे छोड़ते हुए मेजबानी हासिल की।

वर्ल्ड एथलेटिक्स के अध्यक्ष सेबेस्टियन कोए ने कहा कि 2029 और 2031 चैंपियनशिप की मेजबानी के लिए चार बेहतरीन शहरों ने बोली लगाई थी, इसलिए फैसला करना आसान नहीं था। उन्होंने कहा कि सभी उम्मीदवारों ने शानदार तैयारी, बड़े लक्ष्य और मजबूत प्रतिबद्धता दिखाई, जो इस टूर्नामेंट की बढ़ती लोकप्रियता और वैश्विक पहचान को दर्शाता है।

उन्होंने आगे कहा, 'आज काउंसिल के इस फैसले के साथ, हम अगले तीन एडिशन में एशिया, अफ्रीका और यूरोप में अपनी वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप की होस्टिंग के साथ दुनिया भर में एथलेटिक्स को बढ़ाने के अपने मिशन को पूरा करना जारी रखेंगे। नैरोबी और म्यूनिख ने आखिरकार दो शानदार प्रपोजल पेश किए। वे हमारे खेल के लिए बहुत अलग लेकिन उतने ही रोमांचक मौके देते हैं, और मुझे खुशी है कि अब हम दोनों शहरों के साथ मिलकर दो वर्ल्ड-क्लास चैंपियनशिप आयोजित कर सकते हैं।

अफ्रीकी देश पहले भी कई मल्टीनेशनल इवेंट्स होस्ट करते रहे हैं। युगांडा के कंपाला ने 2017 में वर्ल्ड क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप होस्ट की थी, इससे पहले नैरोबी ने उसी साल वर्ल्ड अंडर 18 चैंपियनशिप की मेजबानी भी की थी।

बोत्सवाना के गैबोरोन ने इस साल की शुरुआत में वर्ल्ड एथलेटिक्स रिलेज होस्ट की थी, जो अफ्रीका में होने वाला उस इवेंट का पहला एडिशन था। हालांकि,, यह पहली बार होगा जब ओलंपिक के बाद एथलेटिक्स का सबसे बड़ा इवेंट, वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप किसी अफ्रीकी देश में होगा।

सीरी ए: दो गोल से पिछड़ने से बावजूद इंटर मिलान ने उडीनीज को 5-3 से हराया

विश्व केसरी ■

मिलान। इंटर मिलान ने उडीनीज के खिलाफ 2-0 से पीछे होने के बावजूद जोरदार वापसी करते हुए 5-3 से जीत हासिल की। मिलान के लिए कार्लोस ऑगस्टो, बरेला, थुरम, एस्पोसिटो और बोनी ने गोल किए।

उडीनीज ने तेज शुरूआत करते हुए पहले 16 मिनट में दो गोल की बढ़त बना ली, लेकिन कार्लोस ऑगस्टो के बाएं पैर से किए गए शानदार गोल और बरेला के दाएं पैर से किए गए गोल ने इंटर को हाफ-टाइम से पहले बराबरी दिला दी।

दूसरे हाफ में, नेराजुरी ने थुरम के जरिए कमबैक किया और फिर पियो एस्पोसिटो, जिन्होंने एक शानदार मूव बनाया, और बोनी के साथ आगे निकल गए। उडीनीज ने देर से गुये के जरिए एक और गोल किया, लेकिन इंटर ने सैन सिरो में 5-3 से जीत हासिल की।

मैच से पहले, एक खास बात यह रही कि इंटर के इतिहास के दो यादगार चैंपियन, ग्यूसेप बर्गोमी और लोथर मैथॉस को प्रेसिडेंट और सीईओ ग्यूसेप मारोटा ने मेजा के मैदान पर नेराजुरी के

रंगों में उनके शानदार करियर के लिए सम्मानित किया।

जीत के साथ, इटैलियन चैंपियन ने सीरी ए सीजन में अपनी शानदार शुरुआत जारी रखी और स्टेडियो ओलंपिको में अपने अगले विरोधी रोमा के साथ सबसे ज्यादा पॉइंट्स के साथ टेबल में टॉप पर बने हुए हैं।

जीत के बाद इंटर मिलान के कोच क्रिस्टियन चिवु ने कहा, 'ये हमारी ताकत हैं।

हमारे पास एक ऐसी टीम है जो हमें एक खास तरीके से खेलने, हाई लेवल बनाए रखने और टीम की पहचान और डीएनए के प्रति सच्चे रहने की इजाजत देती है। शुरुआती 25 मिनट में हममें ऊर्जा की कमी थी, जबकि उडिनीज ने हमारी लापरवाही को सजा देने के लिए अच्छा किया, लेकिन हमने जवाब दिया। हमने जो सोच और गर्व दिखाया, उससे मैं खुश था, हालांकि मुझे यह भी देखना होगा कि इस सप्ताह क्या काम नहीं किया और मैं क्या नहीं समझा पाया।

उन्होंने कहा, 'हमें इसी तरह खेलना होगा क्योंकि यही हमारी पहचान है। हम परफेक्ट नहीं हैं और न ही ऐसा होने का दावा करते हैं।

हम जानते हैं कि हमें काम करते रहना होगा क्योंकि सीजन लंबा है और अभी भी कई ऐसे एरिया हैं जिनमें हम सुधार कर सकते हैं।

चैंपियंस लीग जीतने के सबसे बड़े दावेदार नहीं: रोड्री

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। बार्सिलोना फुटबॉल क्लब के मिडफील्डर रोड्री का मानना है कि टीम ने सीजन की अच्छी शुरुआत की है, लेकिन अभी उन्हें यूईएफए चैंपियंस लीग जीतने का सबसे बड़ा दावेदार नहीं माना जा सकता। उन्होंने कहा कि ला लीगा चैंपियन बार्सिलोना को यूरोप में बड़ी सफलता हासिल करने के लिए अपने खेल के कुछ पहलुओं में और सुधार करने की जरूरत है।

हंसी फ्लिक की कोचिंग में बार्सिलोना ने सीजन की शानदार शुरुआत की है। टीम ने अपने पिछले पांच मैचों में सभी प्रतियोगिताओं को मिलाकर 21 गोल किए हैं और सिर्फ चार गोल खाए हैं। इसके अलावा बार्सिलोना ने चैंपियंस लीग में भी अच्छा प्रदर्शन किया है। फिलहाल बार्सिलोना लीग चरण की अंक तालिका में मौजूदा चैंपियन पीएसजी और बायर्न म्यूनिख के बाद तीसरे स्थान पर है।

हालांकि रोड्री का मानना है कि बार्सिलोना ने अच्छी शुरुआत की है, लेकिन टीम को अभी कई क्षेत्रों में सुधार करने की जरूरत है।

उनका कहना है कि अगर बार्सिलोना को चैंपियंस लीग जीतने का सबसे बड़ा दावेदार बनना है, तो उसे अपने प्रदर्शन में और निरंतरता तथा मजबूती दिखानी होगी। उन्होंने 'मुंडो डेपोर्टिवो' से कहा, 'चैंपियंस लीग जीतना संभव है, लेकिन मुझे नहीं लगता कि हम इस समय सबसे बड़े दावेदार हैं।' हाल ही में मैनचेस्टर सिटी से बार्सिलोना पहुंचे स्पेनिश मिडफील्डर रोड्री का मानना है कि टीम में काफी क्षमता है।

लेकिन अभी सुधार की गुंजाइश मौजूद है। रोड्री ने कहा कि चैंपियंस लीग का खिताब जीतना बार्सिलोना के लिए बहुत अहम होगा, क्योंकि क्लब फिर से यूरोपीय फुटबॉल के शीर्ष पर पहुंचना चाहता है।

देश में तेजी से विकसित हो रहा सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम; डिजाइनिंग, पैकेजिंग, टेस्टिंग के साथ सप्लाई चेन के विकास पर भी फोकस

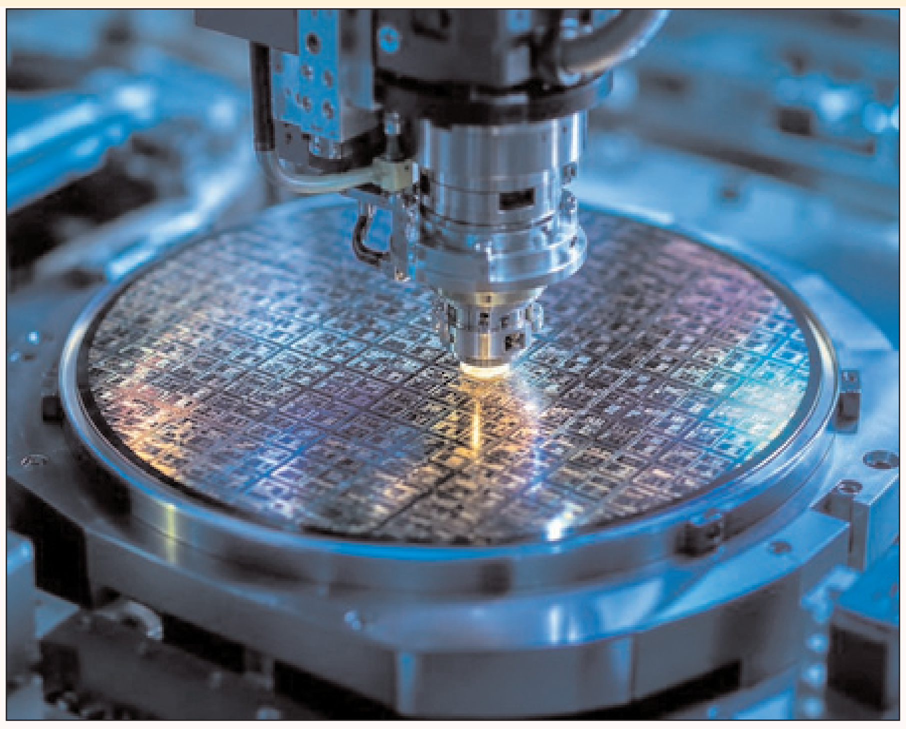

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। देश में तेजी से सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम विकसित हो रहा है। इसमें चिप बनाने वाली फैक्ट्रियों के साथ-साथ उनकी डिजाइनिंग, पैकेजिंग, टेस्टिंग, उपकरण, सप्लाई चेन और उनसे जुड़े दूसरे उद्योगों पर भी फोकस किया जा रहा है। यह जानकारी सेमीकॉन इंडिया 2026 के शुरू होने से पहले जारी की गई सरकारी फैक्टशीट में दी गई, जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से 17 सितंबर को किया जाएगा।

इस साल इस साल सेमीकॉन इंडिया की थीम 'सिलिकॉन से सिस्टम तक: पूरा इकोसिस्टम बनाना है।'

द्वारका स्थित यशोभूमि में आयोजित होने वाले इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में दुनिया की बड़ी चिप कंपनियों के प्रतिनिधि, नीति-निर्माता और निवेशक भी वहां मौजूद होंगे।

देश ने बीते कुछ वर्षों में सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम बनाने में तेजी से प्रगति की है। इसके लिए 2021 में सेमीकॉन इंडिया कार्यक्रम लाया गया था। इसकी रणनीति सिर्फ दिखावे के लिए कोई एक चिप फैक्ट्री खड़ी करना नहीं, बल्कि पूरा सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम तैयार करना है।

सेमीकॉन 1.0 के लिए 76,000 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया। इसमें चिप डिजाइन और निर्माण से लेकर पैकेजिंग, टेस्टिंग, मशीनरी, कच्चे माल और कुशल कर्मचारियों तक पूरी वैल्यू चेन को शामिल किया गया।

जुलाई 2026 में सरकार ने सेमीकॉन 2.0 को मंजूरी दी। इसके तहत 1.27 लाख करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। इसका आधार छह प्रमुख क्षेत्रों पर है, चिप डिजाइन, सेमीकंडक्टर बनाने वाली मशीनरी और सामग्री, चिप बनाने की फैक्ट्रियां, आधुनिक पैकेजिंग, रिसर्च और डेवलपमेंट, कुशल प्रतिभाओं का विकास है।

जमीन पर हो रहा काम भी सेमीकॉन की सफलता की पुष्टि करता है। अब तक छह राज्यों में 12 सेमीकंडक्टर परियोजनाओं को मंजूरी मिल चुकी है। इनमें 1.64 लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश की प्रतिबद्धता है।

इन परियोजनाओं में सिलिकॉन और कंपाउंड सेमीकंडक्टर फैब्रिकेशन प्लांट, डिस्प्ले निर्माण और आधुनिक पैकेजिंग जैसी परियोजनाएं शामिल हैं। इनमें से तीन संयंत्रों में व्यावसायिक उत्पादन भी शुरू हो चुका है।

यह एक महत्वपूर्ण बदलाव है। इसका मतलब है कि भारत की सेमीकंडक्टर नीति अब सिर्फ कागज पर नहीं है, बल्कि चिप निर्माण वास्तव में जमीन पर शुरू हो चुका है।

इसके अलावा, सरकार ने 'चिप्स टू स्टार्टअप' कार्यक्रम के तहत इलेक्ट्रॉनिक डिजाइन ऑटोमेशन (ईडीए) के सॉफ्टवेयर और उपकरण अब तक 320 शैक्षणिक संस्थानों में उपलब्ध कराए हैं। अभी तक 68,000 से अधिक छात्रों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है।

वहीं, 24 सेमीकंडक्टर डिजाइन परियोजनाओं को आर्थिक सहायता के लिए मंजूरी मिली है। डीएलआई योजना के तहत 105 स्टार्टअप और छोटे-मझोले उद्यमों को भी ईडीए टूल्स के लिए सहायता दी गई है।

फैक्टशीट में बताया गया कि अप्रैल 2026 तक 75 संस्थानों ने 211 चिप डिजाइन तैयार करके उत्पादन के अगले चरण यानी 'टेप-आउट' तक पहुंचाए थे। यह इस बात का संकेत है कि भारत में चिप डिजाइन की क्षमता अब कुछ चुनिंदा बड़े संस्थानों तक सीमित नहीं रही है।

देश के हर हिस्से में चिप डिजाइन की सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए डी-डीएसी में 'चिप्स टू स्टार्टअप' (सी2एस) कार्यक्रम और 'डिजाइन लिंक्ड इंसेंटिव' (डीएलआई) योजना के तहत चिपइन सेंटर बनाया गया है।

यह एक राष्ट्रीय स्तर की साझा सुविधा है। यहां इंजीनियरों और संस्थानों को आधुनिक चिप डिजाइन टूल्स, चिप निर्माण की सेवाओं और विशेष प्रशिक्षण की सुविधा मिलती है।

चिपइन सेंटर की इन सुविधाओं का लाभ 500 से अधिक संस्थानों के 1 लाख से ज्यादा इंजीनियर उठा चुके हैं। इनमें 400 शैक्षणिक संस्थान और 100 स्टार्टअप शामिल हैं।

504 रोवर से बदल रहा जमीन की पैमाइश का तरीका, सरकार ने राजस्व सर्वेक्षण को बनाया हाईटेक

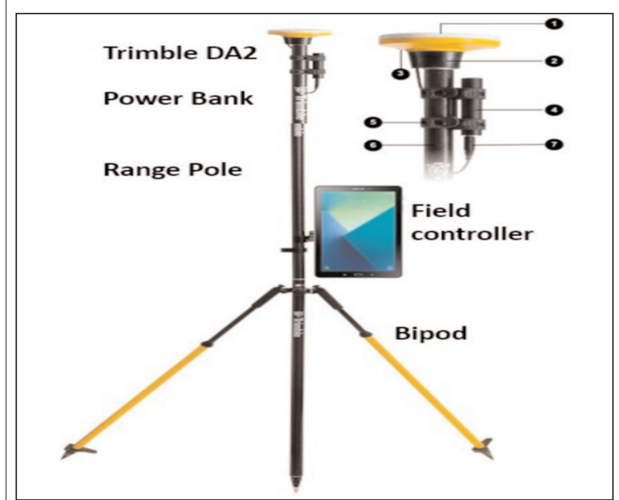

विश्व केसरी ■

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में जमीन की पैमाइश और सीमांकन की प्रक्रिया अब तकनीक की नई रफ्तार पकड़ रही है। योगी सरकार राजस्व विभाग के कामकाज को आधुनिक बनाने के लिए के कोजीएनएसएस रोवर तकनीक को बड़े स्तर पर जमीन पर उतार रही है। प्रदेश में उपलब्ध 504 जीएनएसएस रोवर में से 350 रोवर तहसीलों तक पहुंचाए जा चुके हैं और इनसे काम भी शुरू हो गया है। वहीं 143 रोवर 10 यूएलबी की नक्शा परियोजनाओं में इस्तेमाल किए जा रहे हैं।

हरदोई के केटीएस (चकबंदी प्रशिक्षण केंद्र) में दो रोवर लगाए गए हैं, जबकि लेखपाल प्रशिक्षण संस्थानों के लिए खरीदे गए 9 रोवर से सभी प्रशिक्षण पूरे हो चुके हैं। यह बदलाव जमीन की पैमाइश को पारंपरिक तरीकों से निकालकर अधिक तेज, सटीक और डिजिटल व्यवस्था की ओर ले जा रहा है। राजस्व परिषद आयुक्त एवं सचिव कंचन वर्मा ने बताया कि जीएनएसएस रोवर की तैनाती केवल तहसीलों तक सीमित नहीं है। 350 रोवर सीधे तहसीलों में पहुंचने के बाद फील्ड सर्वेक्षण में इस्तेमाल हो रहे हैं। इसके साथ 143 रोवर 10 यूएलबी (शहरी स्थानीय निकाय) की नक्शा परियोजनाओं के लिए लगाए गए हैं।

हरदोई के केटीएस को भी दो रोवर उपलब्ध कराए गए हैं। दूसरी ओर, लेखपाल प्रशिक्षण संस्थानों के लिए खरीदे गए 9 रोवर का इस्तेमाल प्रशिक्षण में किया गया और सभी प्रशिक्षण पूरे हो चुके हैं। यानी राजस्व विभाग में तकनीक के इस्तेमाल के साथ कर्मचारियों को इसके संचालन के लिए तैयार करने पर भी जोर दिया गया है। कंचन वर्मा ने कहा कि भूमि की सीमाओं और पैमाइश से जुड़े मामलों के त्वरित निस्तारण के लिए धारा-24 का विशेष महाअभियान 1 जुलाई से 15 अगस्त तक चलाया गया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 1 जुलाई को सहारनपुर से इस अभियान की शुरुआत की थी। अभियान को प्रभावी और एक समान तरीके से संचालित करने के लिए राजस्व विभाग ने एसओपी (मानक संचालन प्रक्रिया) भी जारी की। अब इसी व्यवस्था को आधुनिक सर्वे तकनीक का सहारा मिलने से जमीन से जुड़े कामों में तकनीकी क्षमता बढ़ी है। जीएनएसएस रोवर आधुनिक सर्वेक्षण उपकरण है, जो विभिन्न उपग्रह प्रणालियों से मिलने वाले सिग्नल के आधार पर जमीन पर किसी बिंदु की सटीक स्थिति निर्धारित करता है।

उत्तर प्रदेश के नेटवर्क से जुड़ने पर यह लगभग 1 से 5 सेंटीमीटर तक सटीक जानकारी दे सकता है। सर्वेक्षक खेत या भूमि की सीमा के प्रमुख बिंदुओं के डिजिटल निर्देशांक (कोऑर्डिनेट्स) दर्ज करते हैं। इसके बाद सॉफ्टवेयर की मदद से दूरी और क्षेत्रफल की गणना की जाती है व डिजिटल नक्शा तैयार किया जाता है। जमीन की पैमाइश के पारंपरिक तरीकों में जंजीर और फीते के इस्तेमाल की तुलना में रोवर तकनीक सर्वेक्षण को अधिक वैज्ञानिक और डिजिटल बना रही है।

स्तन कैंसर से बचाव की पहली सीढ़ी है जागरूकता, इन बदलावों पर दें ध्यान

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। स्तन कैंसर महिलाओं में होने वाले प्रमुख कैंसर में से एक है। इसकी शुरुआती पहचान और समय पर चिकित्सीय मूल्यांकन से आगे की देखभाल और उपचार की दिशा तय करने में मदद मिल सकती है। इसलिए अपने शरीर में होने वाले बदलावों को समझना और उन्हें लेकर सजग रहना बेहद जरूरी है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया कि स्तन में नई गांठ या कोई कठोर हिस्सा महसूस होना ऐसा बदलाव है, जिस पर ध्यान देना चाहिए। हर गांठ कैंसर नहीं होती। कई बार गांठ के पीछे सामान्य कारण भी हो सकते हैं। फिर भी अगर स्तन में कोई नई गांठ महसूस हो, खासकर जो बनी रहे या समय के साथ बदलती महसूस हो, तो डॉक्टर से सलाह लेना बेहतर है।

अगर स्तन के आकार, स्वरूप या बनावट में अचानक कोई बदलाव दिखाई दे, तो उसे नजरअंदाज न करें। दोनों स्तनों के आकार में थोड़ा अंतर सामान्य हो सकता है, लेकिन किसी एक स्तन में नया और असामान्य बदलाव नजर आए तो चिकित्सकीय सलाह लेना जरूरी है।

स्तन की त्वचा पर लालिमा, मोटापन, सूजन, गड्ढे जैसा दिखना या बनावट में अचानक बदलाव भी ध्यान देने योग्य संकेत हो सकते हैं। ऐसे बदलावों का कारण संक्रमण या कोई दूसरी समस्या भी हो सकती है, इसलिए केवल लक्षण देखकर निष्कर्ष निकालने के बजाय विशेषज्ञ से जांच कराना सही कदम है।

निप्पल या उसके आसपास की त्वचा में अचानक परिवर्तन, जैसे निप्पल का अंदर की ओर खिंचना, त्वचा में बदलाव या लगातार किसी तरह की परेशानी महसूस होना, डॉक्टर को बताना चाहिए।

यदि निप्पल से बिना दबाए अपने आप कोई असामान्य स्राव निकलता है, खासकर अगर उसमें खून दिखाई दे, तो इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। इसके कई कारण हो सकते हैं, लेकिन सही कारण जानने के लिए चिकित्सकीय जांच जरूरी है।

सबसे जरूरी बात यह है कि इनमें से कोई भी एक लक्षण दिखने का मतलब यह नहीं है कि व्यक्ति को स्तन कैंसर ही है। लेकिन शरीर में नया या असामान्य बदलाव लगातार बना रहे, तो डॉक्टर से संपर्क करने में देरी नहीं करनी चाहिए।

तमिलनाडु के परिवार कल्याण कार्यक्रम में जुड़ा बांझपन का इलाज, जन्म दर में भारी गिरावट के बाद लिया फैसला

विश्व केसरी ■

चेन्नई। रजिस्टर्ड जन्मों में लगातार कमी और तेजी से बूढ़ी होती आबादी को देखते हुए, तमिलनाडु सरकार ने अपने परिवार कल्याण कार्यक्रम में बांझपन के इलाज को शामिल करने के लिए कदम उठाए हैं। ऐसा करने वाला वह देश का पहला राज्य बन गया है।

परिवार कल्याण कार्यक्रम, जो पारंपरिक रूप से जन्म नियंत्रण, गर्भनिरोधक सेवाओं और बच्चों के जन्म के बीच अंतर रखने पर केंद्रित रहा है, अब उन जोड़ों की मदद करेगा जो 'अपना परिवार पूरा करना' चाहते हैं।

बांझपन का इलाज और गर्भधारण से पहले की काउंसलिंग सरकारी जिला मुख्यालय अस्पतालों में उपलब्ध कराई जाएगी, जिसमें वे जिले भी शामिल हैं जहां सरकारी मेडिकल कॉलेज नहीं हैं।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 2020 में तमिलनाडु में 9.39 लाख जन्म दर्ज किए गए थे, जबकि 2025 में यह संख्या 8.02 लाख थी। राज्य की कुल प्रजनन दर (टीएफआर) गिरकर 1.3 हो गई है, जो जनसंख्या प्रतिस्थापन स्तर के पारंपरिक 2.1 के स्तर से काफी कम है।

साथ ही, राज्य में बुजुर्गों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है। वर्तमान में, 60 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोग तमिलनाडु की आबादी का लगभग 16 प्रतिशत हैं।

अनुमान है कि 2036 तक यह आंकड़ा 20 प्रतिशत के करीब पहुंच जाएगा, जिसका अर्थ है कि हर पांच निवासियों में से लगभग एक वरिष्ठ नागरिक होगा।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग के नीतिगत नोट में, जिसे हाल ही में विधानसभा में पेश किया गया था, चेतावनी दी गई है कि प्रजनन दर में लंबे समय तक गिरावट और आबादी के बूढ़े होने के कारण अंततः कार्यबल में कमी आ सकती है और राज्य की आबादी में पूर्ण गिरावट हो सकती है। हालांकि, अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यह नीति जोड़ों को बच्चे पैदा करने के लिए मजबूर नहीं करेगी या बड़े परिवारों को प्रोत्साहित नहीं करेगी। सरकार गर्भनिरोधक विकल्प, बच्चों के जन्म के बीच अंतर रखने की सेवाएं और सुरक्षित गर्भपात की सुविधा देना जारी रखेगी।

हाल ही में विभाग के एक ऑडिट में पाया गया कि लगभग 25 से 30 प्रतिशत मातृ मृत्यु अधिक क्रम वाले जन्मों के दौरान हुईं। इसलिए, सरकार उन जोड़ों को और बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहित करने का इरादा नहीं रखती है जिनके पहले से ही बच्चे हैं। इसके बजाय, विस्तारित कार्यक्रम उन जोड़ों पर ध्यान केंद्रित करेगा जिन्हें गर्भधारण करने में कठिनाई हो रही है।

प्रस्तावित पहल के तहत, सरकारी अस्पतालों में इंट्रा-यूटेरिन इनसेमिनेशन (आईयूआई) उपचार उपलब्ध कराया जाएगा, जिसमें वे ज़िले भी शामिल हैं ।

स्टालिन के अचानक बीमार पड़ने के बाद डीएमके ने 'मुप्पेरुम विझा' कार्यक्रम किया स्थगित

विश्व केसरी ■

चेन्नई। डीएमके ने पार्टी अध्यक्ष एम.के. स्टालिन के अचानक बीमार पड़ने के कारण अपना सालाना 'मुप्पेरम विझा' कार्यक्रम टाल दिया है। यह कार्यक्रम मंगलवार शाम को यहां अन्ना अरिवलयम के कलैगनार अरंगम में आयोजित होने वाला था।

डीएमके के जनरल सेक्रेटरी दुरईमुरुगन ने कार्यक्रम को टालने की घोषणा की और कहा कि कार्यक्रम की नई तारीख बाद में बताई जाएगी।

मंगलवार शाम को होने वाले जश्न से जुड़े सभी कार्यक्रम भी टाल दिए गए हैं। इससे पहले दिन में चेन्नई में डीएमके के संस्थापक और तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री सी.एन. अन्नादुरई की जयंती के जश्न में स्टालिन के शामिल न होने से पार्टी के पदाधिकारियों में चिंता पैदा हो गई थी।

हालांकि, पार्टी ने तुरंत यह नहीं बताया कि उन्हें क्या बीमारी है या क्या उन्हें आराम करने की सलाह दी गई है।

'मुप्पेरुम विझा' या 'ट्रिपल सेलिब्रेशन' (तीन कार्यक्रमों का जश्न) डीएमके के राजनीतिक कैलेंडर के सबसे अहम सालाना कार्यक्रमों में से एक है। यह सामाजिक सुधारक ई.वी. रामासामी (थंथई पेरियार) और अन्नादुरई (पेरारिग्नार अन्ना) की जयंती और साथ ही डीएमके की स्थापना की याद में मनाया जाता है।

अन्नादुरई का जन्म 15 सितंबर, 1909 को कांचीपुरम में हुआ था। वे एक बेहतरीन वक्ता, लेखक और सामाजिक न्याय व राज्य की स्वायत्तता के समर्थक थे। उन्होंने पेरियार की द्रविड़ कड़गम से अलग होकर 1949 में डीएमके की स्थापना की। वे 1967 में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री बने और मद्रास राज्य का नाम बदलकर तमिलनाडु करने में उनकी अहम भूमिका थी। फरवरी 1969 में उनका निधन हो गया।

पेरियार का जन्म 17 सितंबर, 1879 को इरोड में हुआ था।

शरीर में बहती हैं 5 प्राण ऊर्जाएं, जानिए इनके रंग और काम

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। योग और आयुर्वेद की परंपरा में शरीर को सिर्फ हड्डियों, मांसपेशियों और अंगों का ढांचा नहीं माना गया, बल्कि इसे एक ऐसी सूक्ष्म ऊर्जा प्रणाली के रूप में भी देखा गया है, जिसमें प्राण यानी जीवन ऊर्जा का लगातार प्रवाह होता रहता है। इसी प्राण ऊर्जा को पांच मुख्य भागों में बांटा गया है, जिन्हें पंच प्राण या पंच वायु भी कहा जाता है। माना जाता है कि शरीर की अलग-अलग गतिविधियों को संचालित करने में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

प्राण वायु रक्तवर्ण और मणि के समान चमकीला होता है। इसका संबंध मुख्य रूप से छाती और हृदय क्षेत्र से माना जाता है। इसकी गति भीतर की ओर होती है। सांस लेना, ऊर्जा ग्रहण करना और इंद्रियों व मन को सक्रिय बनाए रखना इसके प्रमुख कार्य बताए गए हैं।

अपान वायु इंद्रगोप कीट के समान प्रभायुक्त होती है। अपान वायु की गति नीचे की ओर मानी जाती है। इसका स्थान निचले पेट और श्रोणि क्षेत्र में बताया गया है। शरीर से मल-मूत्र और अन्य अपशिष्ट पदार्थों को बाहर निकालना, प्रजनन जैसी शारीरिक प्रक्रियाओं से इसका संबंध माना जाता है। समान वायु - गौ-दुग्ध के समान श्वेत होती है। यह शरीर के मध्य भाग, खासकर नाभि और पेट के आसपास सक्रिय मानी जाती है। इसका मुख्य संबंध पाचन और भोजन से मिलने वाले पोषक तत्वों के अवशोषण से है। इसे शरीर में संतुलन बनाए रखने वाली ऊर्जा भी माना जाता है। भोजन को पचाने और उससे ऊर्जा प्राप्त करने की प्रक्रिया को इससे जोड़ा जाता है।

उदान वायु पाण्डुर यानी फीका श्वेताभ होती है। इसकी गति ऊपर की ओर मानी जाती है। इसका संबंध मुख्य रूप से कंठ और सिर के क्षेत्र से बताया गया है। बोलने, अपनी बात व्यक्त करने, उत्साह, विकास और विचारों को ऊंचे स्तर तक ले जाने जैसी गतिविधियों से इसे जोड़ा जाता है। इसलिए इसे ऊपर उठाने वाली ऊर्जा के रूप में समझा जा सकता है।

मन अशांत और नींद से हैं परेशान; भ्रामरी प्राणायाम है रामबाण, जानें करने का सही तरीका

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में लगातार तनाव के बीच मन की शांति सबसे बड़ी चुनौती बन गई है। ऐसे में कई योगासन और प्राणायाम हैं जो मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करते हैं, उन्हीं में से एक है 'भ्रामरी प्राणायम'। इसको करने से मन शांत, तनाव दूर और एकाग्रता बढ़ती है।

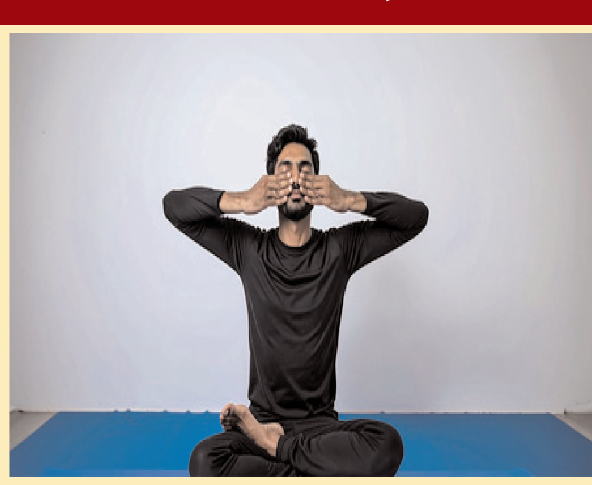

'भ्रामरी' का अर्थ है 'भौंरा', और इस प्राणायाम को करते समय निकलने वाली ध्वनि ठीक-भौंरे की गुंजन जैसी होती है, इसलिए इसे यह नाम दिया गया है। अगर किसी भी व्यक्ति को नींद की कमी, मन शांत या छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा आता है, उनके लिए भ्रामरी प्राणायम किसी भी रामबाण से कम नहीं है। सिर्फ 2 मिनट का यह अभ्यास आपके दिमाग को कैसे शांत करने में मदद करता है।

आयुष मंत्रालय के मुताबिक, भ्रामरी प्राणायाम दिमाग शांत करने में मदद करता है। तनाव कम होता है, गुस्सा कंट्रोल में रहता है, और मन की बेचैनी भी धीरे-धीरे दूर होने लगती है। इसके नियमित अभ्यास से दिमाग और नसों को आराम मिलता है, जिससे सोचने-समझने की ताकत भी बढ़ती है।

प्राणायाम योग शास्त्र में श्वास-प्रश्वास (भ्रामरी) को नियंत्रित और विस्तारित करने की एक प्राचीन प्रक्रिया बताया गया है। यह शब्द दो हिस्सों से मिलकर बना है, 'प्राण' (जीवन शक्ति या ऊर्जा) और 'आयाम' (विस्तार या नियंत्रण)। इसका अर्थ है शरीर में प्राण-शक्ति का प्रसार करना। महर्षि पतंजलि के योग दर्शन में इसे अष्टांग योग का चौथा चरण बताया गया है। इसे करने से ध्यान केंद्रित करने की ताकत बढ़ती है। खासतौर पर बच्चों और छात्रों के लिए यह बहुत फायदेमंद है। इससे याद रखने की शक्ति भी बेहतर होती है।

भ्रामरी प्राणायाम एक सरल और प्रभावी तकनीक है, जो आधुनिक जीवन की भागदौड़ में मन को शांति और शरीर को राहत देती है। हालांकि, एक्सपर्ट भ्रामरी प्राणायाम करते समय कुछ सावधानियां बरतने की भी सलाह देते हैं।

RAIPUR SMART BUSINESS
GST ITR
फाइल बनवाएं मात्र 500/-
25 वर्ष का अनुभव
• CMA Data • Balance Sheet • प्रोजेक्ट रिपोर्ट
• फूड लाइसेंस • Income Tax Audit • TDS रिफंड
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार हैं।
संपर्क: शेखर गुप्ता RIFCO Tax Consultants
C-74, सेक्टर- 1, जुबेस्ता हॉस्पिटल के पास, देवेन्द्र नगर, रायपुर
Whatsaap पर बनवाएं 9300755544, 8878655544

योजनाओं की गाड़ियां गांवों में दौड़ रहीं, इलाज के लिए तरस रहे पशु

विश्व केसरी

भानुप्रतापपुर (दीपक शर्मा)। पशुपालकों की लगातार सामने आ रही शिकायतों ने भानुप्रतापपुर के पशु चिकित्सालय की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पशुपालकों का कहना है कि एक ओर सरकार पशुधन विकास और पशुपालकों के हित में कई योजनाएं चला रही है, वहीं दूसरी ओर जमीनी स्तर पर इन योजनाओं का लाभ वास्तविक पशुपालकों तक पहुंचाने वाली व्यवस्था ही सवालों के घेरे में है।

पशुपालकों ने मांग की है कि उपचार के दौरान पशुओं की मौत के मामलों की निष्पक्ष जांच कराई जाए। साथ ही चिकित्सकों की उपस्थिति, पशुओं को लगाए गए इंजेक्शन और दी गई दवाइयों, पशुपालकों से लिए गए शुल्क तथा पोस्टमार्टम की व्यवस्था की भी जांच हो।

आखिर निगरानी कौन कर रहा है?

पशुपालकों का सवाल है कि पशु चिकित्सालय की नियमित निगरानी आखिर कौन कर रहा है? उनका आरोप है कि यदि उच्च अधिकारी समय-समय पर अस्पताल की व्यवस्था, चिकित्सकों की उपस्थिति और उपचार की प्रक्रिया की समीक्षा करें तो लापरवाही की शिकायतों पर अंकुश लगाया जा सकता है। पशुपालकों का कहना है कि निगरानी के अभाव में डॉक्टर-कर्मचारियों की जवाबदेही कमजोर होती जा रही है और इसका सीधा खामियाजा पशुपालकों को भुगतना पड़ रहा है।

महंगी गाय खरीदकर लाते हैं, इलाज नहीं मिला तो चली जाती है जान

ग्रामीण पशुपालकों के लिए गाय, भैंस और अन्य पशु उनकी रोजी-रोटी का मुख्य आधार हैं। पशुपालक महंगे दामों पर पशु खरीदकर लाते हैं और उनसे दूध तथा पशुपालन के माध्यम से परिवार का खर्च चलाते हैं। ऐसे में पशु के बीमार पड़ने पर समय पर और उचित उपचार नहीं मिलना उनके लिए केवल पशु की क्षति नहीं, बल्कि सीधा आर्थिक संकट बन जाता है। पशुपालकों का कहना है कि एक पशु की मौत होने पर उन्हें हजारों से लेकर लाखों रुपये तक का नुकसान हो सकता है। इसके साथ ही परिवार की आय प्रभावित होती है और पशुपालक को मानसिक परेशानी भी झेलनी पड़ती है।

कागजों में पशुधन विकास, जमीन पर बदहाल व्यवस्था?

पशुपालकों का कहना है कि सरकार पशुधन विकास, कृत्रिम गर्भाधान, पशु उपचार और पशुपालकों को सुविधाएं देने के लिए विभिन्न कार्यक्रम संचालित कर रही है। योजनाओं के प्रचार-प्रसार से जुड़ी गाड़ियां और गतिविधियां क्षेत्र में नजर आती हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर पशुपालक को समय पर डॉक्टर और बेहतर उपचार मिल रहा है या नहीं, इसकी निगरानी पर सवाल खड़े हो रहे हैं। पशुपालकों का आरोप है कि योजनाओं का वास्तविक लाभ तभी मिलेगा, जब अस्पताल में डॉक्टर और कर्मचारी नियमित रूप से उपलब्ध रहें, पशुओं की उचित जांच हो और उपचार में जवाबदेही तय हो।

पीएम के लिए स्वीपर भी मालिक लाएगा तो विभाग किस काम का

गाय की मौत के बाद पोस्टमार्टम कराने के लिए पशु मालिक को पुलिस की लिखित अनुमति लाने के साथ ही स्वीपर की व्यवस्था खुद करनी पड़े, तो यह व्यवस्था पर सबसे बड़ा सवाल है। अगर सरकारी पशु चिकित्सालय में पोस्टमार्टम की प्रक्रिया के लिए भी पशु मालिक को ही संसाधन जुटाने पड़ें, तो फिर विभाग की जिम्मेदारी आखिर क्या है? पशुपालकों ने पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच, चिकित्सकों की कार्यप्रणाली की समीक्षा और अस्पताल में नियमित निगरानी व्यवस्था लागू करने की मांग की है। अब सवाल सिर्फ एक गाय या एक पशुपालक का नहीं है। सवाल उन सैकड़ों पशुपालकों का है, जिनकी आजीविका उनके पशुओं पर निर्भर है। विभागीय अधिकारी शिकायतों को गंभीरता से लेते हैं या फिर फाइलों और योजनाओं तक ही पशुधन विकास सीमित रहेगा—इस पर अब विभाग को जवाब देना होगा।

नेशनल हाईवे 30 पर अज्ञात वाहन की टक्कर से 7 मवेशियों की मौत, 1 घायल

विश्व केसरी

कांकेर (सीताराम शर्मा)। जिले मुख्यालय से सटा हुआ चारामा के समीप ग्राम कंडेल स्थित नेशनल हाईवे-30 पर सोमवार की मध्यरात्रि सड़क पर बैठे मवेशियों के झुंड को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में 8 मवेशी वाहन की चपेट में आ गए। जानकारी के अनुसार इनमें से 7 मवेशियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक मवेशी घायल है। घायल मवेशी का उपचार जारी बताया जा रहा है।

घटना की जानकारी मिलने के बाद प्रशासन की मौजूदगी में मृत गौवंशों का अंतिम संस्कार कराया गया। हादसे के बाद क्षेत्र में मवेशियों की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर सवाल उठने लगे हैं। हाईवे पर आवारा एवं बेसहारा मवेशियों के बैठे रहने से इस तरह की दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है।

कुछ दिन पहले भी हुई थी बड़ी घटना

गौरतलब है कि कुछ दिन पूर्व ही ग्राम लखनपुरी के कानापोड़ के पास हाईवे किनारे 15 मवेशियों की सड़क हादसे में मौत होने की जानकारी सामने आई थी। बताया जा रहा है कि उक्त मामले में पुलिस ने संबंधित वाहन की पहचान कर मामला दर्ज किया है। हालांकि मामले में आगे की कार्रवाई जांच के आधार पर की जा रही है।

सप्ताहभर में दो बड़ी घटनाओं से बढ़ी चिंता

कम समय के अंतराल में मवेशियों की बड़ी संख्या में मौत की दो घटनाएं सामने आने से स्थानीय लोगों में नाराजगी है। लोगों का कहना है कि हाईवे पर मवेशियों की मौजूदगी को रोकने और उन्हें सुरक्षित स्थानों पर रखने के लिए प्रभावी व्यवस्था की आवश्यकता है। विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के नेताओं ने घटनाओं पर चिंता जताते हुए मवेशियों को सड़क दुर्घटनाओं से बचाने के लिए प्रशासन से ठोस कार्ययोजना तैयार करने की मांग की है। संगठनों का कहना है कि हाईवे पर लगातार हो रही ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए संबंधित विभागों को समन्वय के साथ स्थायी समाधान की दिशा में कदम उठाने चाहिए।

फिलहाल घायल मवेशी का उपचार जारी है। प्रशासन द्वारा मृत मवेशियों का अंतिम संस्कार कराए जाने की जानकारी है। हादसे के कारणों और संबंधित वाहन की पहचान को लेकर आधिकारिक स्तर पर जांच की जा रही है।

छोटे देवड़ा के बीजागुड़ा पारा में कीचड़ से ग्रामीण परेशान

विश्व केसरी

बकावंड (अर्जुन कुमार झा)। ग्राम पंचायत छोटे देवड़ा के आश्रित ग्राम बीजागुड़ा पारा में कीचड़ की वजह से ग्रामीणों का जीना मुहाल हो गया है। सड़क पर जमा कीचड़ और पानी से सबसे ज्यादा परेशानी आंगनबाड़ी केन्द्र में पढ़ने वाले छोटे बच्चों को हो रही है। बच्चे रोज फिसल कर गिर रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि बीजागुड़ा पारा में सीसी सड़क और नाली नहीं होने से थोड़ी सी बारिश में ही सड़क तालाब बन जाती है। आंगनबाड़ी तक जाने वाला रास्ता पूरी तरह कीचड़ से भर जाता है। पालकों को बच्चों को गोद में उठाकर केंद्र तक ले जाना पड़ रहा है। कई बार शिकायत के बाद भी सरपंच-सचिव ने सुध नहीं ली।

युवा जिला अध्यक्ष ने लिया संज्ञान

मामले को लेकर आदिवासी समाज के युवा जिला अध्यक्ष लखेश्वर कश्यप ने कहा कि वे स्वयं बीजागुड़ा पारा की स्थिति देख चुके हैं। छोटे बच्चों को हो रही परेशानी दुर्भाग्यजनक है। आज ही सरपंच और जनपद सीईओ बकावंड से बात करके तत्काल मुरूम डलवाने के लिए आग्रह किया जाएगा, ताकि बच्चों को राहत मिल सके और बाद में सीसी सड़क की स्वीकृति के लिए प्रयास किया जाएगा। ग्रामीणों ने लखेश्वर कश्यप के आश्वासन पर उम्मीद जताई है और प्रशासन से स्थाई समाधान की मांग की है।

अपर कलेक्टर पदस्थापना को लेकर अनूप नाग ने सरकार पर साधा निशाना

विश्व केसरी

अंतागढ़ (डम्पी खान)। पूर्व विधायक अनूप नाग ने अंतागढ़ में अपर कलेक्टर एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक की पदस्थापना को लेकर प्रदेश की भाजपा सरकार पर सवाल उठाए हैं। 15 सितंबर को जारी प्रेस विज्ञप्ति में उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस शासनकाल में अंतागढ़ में अपर कलेक्टर सहित अधिकारियों की पदस्थापना को प्राथमिकता दी जाती थी, लेकिन भाजपा सरकार बनने के बाद यहां अपर कलेक्टर की पदस्थापना रायपुर से बंद हो गई है।

अनूप नाग ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के कार्यकाल में अंतागढ़ के कोयलीबेड़ा, फूलपाड़, बेहसालमेटा, सेमसांग, बांदेपारा, विक्रकोड़ा, अड्डी, परलकोट सहित दुर्गम क्षेत्रों की भौगोलिक परिस्थितियों को देखते हुए प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत किया गया था। उन्होंने बताया कि तत्कालीन मुख्यमंत्री के भेंट-मुलाकात कार्यक्रम के दौरान अंतागढ़ मुख्यालय में अपर कलेक्टर एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक की मांग उनके द्वारा मंच से रखी गई थी, जिसे तत्कालीन मुख्यमंत्री ने स्वीकार किया था। इसके बाद दोनों अधिकारियों की पदस्थापना अंतागढ़ में हुई थी।पूर्व विधायक ने कहा कि कांग्रेस शासनकाल में अंतागढ़ में अपर कलेक्टर की पदस्थापना रायपुर से लगातार होती रही, लेकिन भाजपा की सरकार बनने के बाद यह व्यवस्था समाप्त हो गई। उनका कहना है कि वर्तमान में अपर कलेक्टर और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के लिए स्थानीय स्तर पर स्थायी निवास की व्यवस्था को लेकर भी प्रशासनिक स्तर पर अपेक्षित पहल नहीं दिखाई दे रही है।

कार्यपालन अभियंता महेंद्र कश्यप को दी भावभीनी विदाई

विश्व केसरी

भानुप्रतापपुर (दीपक शर्मा)। कार्यपालन अभियंता महेंद्र कश्यप का स्थानांतरण जगदलपुर होने पर विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा विदाई समारोह आयोजित कर भावभीनी विदाई दी गई। कार्यक्रम में विभाग के अधिकारियों एवं समस्त कार्यालयीन कर्मचारियों ने शामिल होकर कश्यप के कार्यकाल को याद किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

विदाई समारोह में विभाग के नवपदस्थ कार्यपालन अभियंता बी.के. गोठी, एसडीओ भानुप्रतापपुर एस.के. गणवीर, एसडीओ अंतागढ़ ए.के. मिलिंद तथा एसडीओ पखांजूर वी.के. बांगर सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर उप अभियंताओं नितिन शिवहरे, एम.एम. नवाज, श्रवण मरकाम, अमित भारद्वाज, एन.एस. कोमरा एवं गजेंद्र कोरेटी ने महेंद्र कश्यप के साथ बिताए कार्यकाल को याद करते हुए उनके कार्य एवं व्यवहार की सराहना की। कार्यक्रम में कार्यालयीन कर्मचारियों कृष्णा पटेल एवं पीताम्बर राणा, सहायक ग्रेड-2, रवि उइके, सहायक ग्रेड-3, आर.एन. ध्रुव, विकास देहारी, एडीएम, पुरुषोत्तम साहू, ट्रेसर, मंजू दर्रो, सहायक ग्रेड-2 तथा रूपा कुपाल, सहायक ग्रेड-3 सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

छात्राओं से छेड़छाड़ मामले में आरोपी शिक्षक की गिरफ्तारी की मांग, सात दिन का अल्टीमेटम

विश्व केसरी

बीजापुर (नवीन दुर्गम)। एकलव्य आवासीय विद्यालय भोपालपटनम में छात्राओं से कथित छेड़छाड़ का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। सर्व आदिवासी समाज के जिला अध्यक्ष जग्गूराम तेलामी ने आरोपी शिक्षक की तत्काल गिरफ्तारी की मांग करते हुए विद्यालय के प्राचार्य एवं विशेष निगरानी समिति के सदस्यों की भूमिका की भी निष्पक्ष जांच की मांग की है। दोषी पाए जाने पर संबंधित लोगों के खिलाफ आपराधिक प्रकरण दर्ज करने की बात कही गई है।

जग्गूराम तेलामी ने आरोप लगाया कि छात्राओं और उनके परिजनों के अनुसार वर्ष 2024-25 से ही आरोपी शिक्षक के आपत्तिजनक व्यवहार को लेकर विद्यालय प्रबंधन को शिकायतें दी जाती रही थीं। इसके बावजूद शिकायतों पर गंभीरता से कार्रवाई नहीं किए जाने तथा मामले को दबाने के प्रयास के आरोप लगाए गए हैं। उन्होंने कहा कि छात्राओं की सुरक्षा से जुड़े मामले में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जानी चाहिए। सर्व आदिवासी समाज ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है। तेलामी ने चेतावनी दी कि यदि सात दिनों के भीतर प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई तो समाज बस्तर संभाग बंद सहित विभिन्न लोकतांत्रिक आंदोलनों और सरकारी कार्यक्रमों के बहिष्कार पर विचार करेगा। उन्होंने बस्तर क्षेत्र के आदिवासी आश्रम एवं छात्रावासों की व्यवस्थाओं

तीजा पर्व पर सुहागिनों ने रखा निर्जला व्रत गौर-गौरी विसर्जन के साथ हुआ पर्व का समापन

16 श्रृंगार कर महिलाओं ने की शिव-पार्वती की आराधना, भजन-कीर्तन और पारंपरिक गीतों से गूंजा अंचल

विश्व केसरी

दुर्गूकोंदल (सीताराम शर्मा)। हरितालिका तीज पर्व के अवसर पर दुर्गूकोंदल अंचल में श्रद्धा, आस्था और उल्लास का वातावरण देखने को मिला। पति की दीर्घायु, सुख-समृद्धि एवं अखंड सौभाग्य की कामना को लेकर सुहागिन महिलाओं ने पूरे दिन निर्जला व्रत रखा। महिलाओं ने विधि-विधान से भगवान शिव एवं माता पार्वती की पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-शांति और समृद्धि की कामना की। तीजा के दूसरे दिन गौर-गौरी विसर्जन के साथ पर्व का पारंपरिक रूप से समापन हुआ। दुर्गूकोंदल सहित हाटकोंदल, कोदापाखा एवं आसपास के ग्रामीण अंचलों में महिलाओं ने तीज पर्व की विशेष तैयारी की। महिलाओं ने रेत एवं मिट्टी से भगवान शिव के शिवलिंग तथा गौर-गौरी की प्रतीक प्रतिमाएं तैयार कीं। पूजा स्थलों को आकर्षक ढंग से सजाया गया तथा दीप प्रज्वलित कर भगवान शंकर एवं माता पार्वती की विधिवत पूजा की गई। पूजा-अर्चना के दौरान फल एवं विभिन्न पारंपरिक व्यंजनों का भोग अर्पित किया गया।

कड़ू भात के बाद निर्जला व्रत

छत्तीसगढ़ में हरितालिका तीज को लोकभाषा में 'तीजा' के नाम से जाना जाता है। यह पर्व केवल धार्मिक अनुष्ठान तक सीमित नहीं है, बल्कि छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक परंपरा, पारिवारिक जुड़ाव और सामाजिक सौहार्द का भी प्रतीक माना जाता है। तीज व्रत से पहले महिलाओं द्वारा कड़ू भात खाने की परंपरा निभाई जाती है।

अभियंता दिवस पर नगर निगम के इंजीनियरों का सम्मान

महापौर संजय पांडे ने अभियंताओं के योगदान की सराहना की

विश्व केसरी

जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। अभियंता दिवस के अवसर पर आज नगर पालिक निगम जगदलपुर में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में माननीय महापौर संजय पांडे द्वारा नगर निगम में कार्यरत अभियंताओं को सम्मानित कर अभियंता दिवस की शुभकामनाएं दी गईं। इस अवसर पर शहर के विकास एवं निर्माण कार्यों में अभियंताओं द्वारा निभाई जा रही महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की गई।

सम्मान समारोह में कार्यपालन अभियंता गोपाल भारद्वाज, सहायक अभियंता अमर सिंह, गगन वासन, दीपांशु देवांगन, धर्मेंद्र मिश्रा, उप अभियंता दिलीप मरकाम, अशोक कोर्राम, प्रवीण पोयाम, मुगल किशोर साहू ,अमन नेताम ,योगेश पांडे उपस्थित रहे। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के जनप्रतिनिधियों की भी उपस्थिति रही। समारोह में लोक निर्माण विभाग सभापति निर्मल पाणिग्रही, स्वास्थ्य विभाग के सभापति लक्ष्मण झा, राजपाल कशेर एवं विधुशेखर झा सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। समारोह को संबोधित करते हुए महापौर संजय पांडे ने कहा कि शहर के विकास में अभियंताओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। नगर के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य सुनिश्चित करने तथा नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने में अभियंताओं का तकनीकी ज्ञान और अनुभव महत्वपूर्ण योगदान देता है। सड़क, नाली, भवन, जल निकासी, स्वच्छता अधोसंरचना सहित विभिन्न विकास कार्यों की योजना बनाने से लेकर उनके गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन तक अभियंताओं की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। महापौर संजय पांडे ने कहा कि अभियंता केवल निर्माण कार्यों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे शहर के भविष्य की आधारभूत संरचना तैयार करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आधुनिक तकनीक, बेहतर योजना और नवाचार के माध्यम से शहर को अधिक व्यवस्थित, सुरक्षित एवं सुविधाजनक बनाने में अभियंताओं का योगदान सराहनीय है। कार्यक्रम के दौरान नगर निगम के अभियंताओं को सम्मानित करते हुए उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की गई। महापौर ने सभी अभियंताओं को उनके समर्पण, तकनीकी दक्षता एवं जिम्मेदारीपूर्ण कार्यशैली के लिए बधाई दी तथा भविष्य में भी शहर के विकास के लिए इसी प्रकार पूरी निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने की शुभकामनाएं दीं।

हरतालिका तीज पर भक्तिमय हुआ नर्वदेश्वर शिव मंदिर

विश्व केसरी

चारामा (संदीप मेश्राम)। हरतालिका तीज के पावन अवसर पर अटल चौक स्थित नर्वदेश्वर शिव मंदिर, वार्ड क्रमांक 9 एवं 10 में रात्रि हरतालिका तीज पूजा-अर्चना का भव्य एवं भक्तिमय आयोजन श्रद्धा और आस्था के साथ संपन्न हुआ।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में माताओं एवं बहनों ने भगवान भोलेनाथ एवं माता पार्वती की विधिवत पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि, अखंड सौभाग्य एवं मंगलमय जीवन की कामना की। पूजा के दौरान मंदिर परिसर भक्ति एवं आस्था के रंग में सराबोर नजर आया। हरतालिका तीज के इस पावन आयोजन को सफल बनाने में श्रद्धालुजनों एवं वार्डवासियों का विशेष सहयोग रहा। आयोजन में सहभागी सभी माताओं, बहनों एवं समस्त श्रद्धालुजनों के प्रति हृदय से आभार एवं साधुवाद।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा डीबी कार्प लिमिटेड प्लाट नंबर 40/44 इण्डस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड़ उरला रायपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित और 30, मीडिया सीटी, हीरापुर रोड, मोहबा बाजार, टाटीबंध रायपुर छत्तीसगढ़- 492099,स्थानीय कार्यालय B-87A गायत्री नगर, शंकर नगर जगन्नाथ मंदिर के पास रायपुर छ.ग. 492004 से प्रकाशित, कार्यकारी संपादकः रामप्रसाद दुबे (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र रायपुर होगा) मोबाइल 9425509753 ई-मेलः vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. CTHIN/26/A6251